● वर्ष : 17 ● अंक : 147 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दिल्ली से प्रकाशित

बुधवार 18 मार्च 2026

भारत में गहराते एलपीजी संकट के बीच राहत की आहट

शिवालिक जहाज पहुंचा मुंद्रा बंदरगाह, सरकार ने जमाखोरों पर कसा शिकंजा

एजेंसी। नई दिल्ली

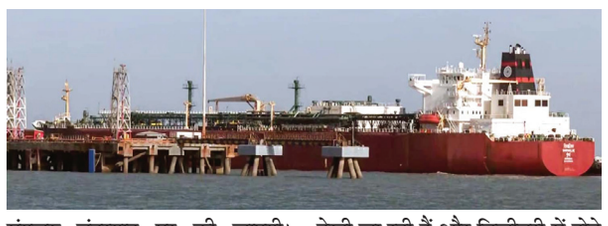

भारत में पिछले कुछ समय से जारी लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) के संकट के बीच अब राहत मिलने के संकेत दिखाई दे रहे हैं। ऊर्जा सुरक्षा के मोर्चे पर एक बड़ी सफलता तब मिली जब एलपीजी वाहक जहाज शिवालिक सुरक्षित रूप से गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह पर पहुंच गया। इसके साथ ही मंगलवार, 17 मार्च को एक और मालवाहक जहाज के भारत पहुंचने की उम्मीद है। गैस की इस ताजा खेप के आने से घरेलू बाजार में मची हाहाकार और आपूर्ति की कमी से कुछ दिनों तक राहत मिलने की प्रबल संभावना जताई जा रही है। मुंद्रा बंदरगाह के अधिकारियों के अनुसार, शिवालिक जहाज इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के लिए 46,000 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर आया है। इसमें से 20,000 मीट्रिक टन गैस मुंद्रा में उतारी जाएगी, जबकि शेष 26,000 मीट्रिक टन की आपूर्ति मंगलुरु बंदरगाह पर की जाएगी। वर्तमान संकट की जड़ें वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव में छिपी हैं। ईरान और अमेरिका के बीच छिड़े युद्ध के कारण दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री जलमार्गों में से एक स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर यातायात बाधित हो गया था। इस कारण वैश्विक स्तर पर शिपिंग रुक गई और भारत की ओर आने वाले कई जहाज रास्ते में ही फंस गए। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए भारी मात्रा में आयात पर निर्भर है, जिसमें 60 प्रतिशत एलपीजी विदेशों से आती है। इस गतिरोध के बावजूद भारत अपने तीन जहाजों को सुरक्षित निकालने में सफल रहा है, जो घरेलू आपूर्ति बहाल करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस संकट का सबसे गंभीर असर रेस्तरां, होटल व्यवसाय और आम नागरिकों पर पड़ा है। बुकिंग केंद्रों पर उपभोक्ताओं की लंबी कतारें देखी जा रही हैं और डिलीवरी में होने वाली देरी ने लोगों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। संकट से निपटने के लिए सरकार दोहरी रणनीति पर काम कर रही है। एक ओर जहां घरेलू स्तर पर एलपीजी के उत्पादन को पिछले 15 दिनों में 36 प्रतिशत तक बढ़ाया गया है, वहीं दूसरी ओर उपभोक्ताओं को अब पारंपरिक सिलेंडरों के स्थान पर पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। पेट्रोलियम मंत्रालय का मानना है कि पीएनजी को बढ़ावा देने से सिलेंडरों पर निर्भरता कम होगी और भविष्य में ऐसे संकटों का सामना करना आसान होगा। हालांकि, सरकार ने स्पष्ट किया है कि कुल उपलब्धता अभी भी चिंता का विषय बनी हुई है, इसलिए संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग आवश्यक है। आपूर्ति श्रृंखला में सुधार के साथ-साथ प्रशासन कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ भी सख्त रवैया अपनाए हुए है। उत्तर प्रदेश में पुलिस और प्रशासन ने विशेष अभियान चलाकर जमाखोरों के नेटवर्क को ध्वस्त करना शुरू कर दिया है। राज्य सरकार की रिपोर्ट के अनुसार, 12 मार्च से अब तक प्रदेश के 4,816 स्थानों पर छापेमारी की जा चुकी है। इस दौरान गैस वितरण में अनियमितता और अवैध बिक्री के आरोप में 60 से अधिक प्राथमिकियां दर्ज की गई हैं और कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

सरकार ने एलपीजी की स्थिति अभी भी 'चिंताजनक' बताई, बुकिंग हुई 94 फीसदी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट एवं वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के बीच पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि देश के पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार मौजूद है, लेकिन एलपीजी की स्थिति अभी भी चिंताजनक है। पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव (विपणन और तेल रिफाइनरी) सुजाता शर्मा ने मंगलवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि एलपीजी के संबंध में स्थिति अभी चिंताजनक है, लेकिन देश में किसी भी एलपीजी वितरक के पास स्टाक की कमी नहीं है। रसोई गैस सिलेंडर का वितरण सभी घरेलू उपभोक्ताओं के लिए पहले की तरह ही हो रही है। ऑनलाइन बुकिंग में बहुत सुधार हुआ है और लगभग 94 फीसदी बुकिंग ऑनलाइन ही हो रही है। सुजाता शर्मा ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि भारत सरकार की कोशिश है कि वाणिज्यिक एलपीजी ग्राहक भी पीएनजी पर शिफ्ट हों जाएं, तो अच्छा होगा। उन्होंने कहा कि गेल अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने इस संबंध में सभी सीजीडी कंपनियों के साथ बैठक की है। भारत सरकार ने कल सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को खत लिखा है कि जितनी भी पाइपलाइन बिछाने की अनुमति लंबित हैं, उन्हें स्वीकृति दी जाए।

ज्वलंत मुद्दा **संपादकीय**

एप्पल के संस्थापक का 'पागलों' को सलाम

एप्पल के 50 साल पूरे होने पर दुनिया की दिग्गज कंपनी एप्पल के प्रमुख टिम कुक ने एक प्रेरणादायक संदेश दिया है। उन्होंने कहा है, समाज जिन लोगों को पहिले 'पागल' और असफल मानती है, वही लोग अक्सर दुनिया में बड़ा बदलाव लाते हैं। उनके अनुसार अलग सोच और समाज के लिए बड़े बदलाव का नया प्रयोग ही भविष्य की जरूरत और सामाजिक बदलाव का समय के अनुसार रास्ता तैयार करता है। उन्होंने कहा, एक छोटे से विचार बनी बड़ी कंपनी एप्पल की शुरुआत हुई थी। बाद में इस सोच के साथ अन्य साथी जिसमें स्टीव जॉब्स और उनके साथियों ने तकनीक की दुनिया में कई नए कल्पनाशील प्रयोग किए। समय के बदलाव के साथ कंप्यूटर, स्मार्टफोन और टैबलेट जैसे उत्पादों के माध्यम से एप्पल इंच ने पूरी दुनिया में तकनीकी बदलाव लाने में विश्व स्तर पर बड़ी अहम भूमिका निभाई है। इस पर सभी को गर्व है। अलग सोच ही इतिहास बनाती है।

टिम कुक का मानना है, जो लोग परंपराओं से हटकर नई सोच के साथ आगे बढ़ते हैं, उनकी वह नई सोच एक नया इतिहास बनाती है। कई बार समाज ऐसे लोगों को अलग या असामान्य मानता है। वह अपनी सोच के अनुसार जब काम करते हैं उसके परिणाम मिलने में कई साल लग जाते हैं ऐसी स्थिति में परिवार के लोग, मित्र और अन्य उन्हें या तो पागल समझने लगते हैं या असफल मानने लगते हैं। यही लोग अपनी सोच की प्रतिबद्धता के कारण समाज के लिए नए रास्ते तैयार करते हैं। नई संभावनाएं पैदा करते हैं। जो समाज के बदलाव में सबसे ज्यादा जरूरी होता है। टिम कुक ने युवाओं को संदेश दिया है, अगर उनके पास कोई नया विचार है। उसे आगे बढ़ाने का साहस धैर्यपूर्वक और सतत करते हैं। शुरुआत में लोग उस विचार को भले समझ नही पाते हैं, लेकिन वही सोच आगे चलकर दुनिया को बदलने का कारण बन जाती है। टिम कुक के अनुसार नवाचार, साहस और अलग नजरिया ही भविष्य को बेहतर बनाते हैं। एप्पल के संस्थापक का यह संदेश बताता है, कि हर व्यक्ति की सोच अलग होती है।

जब वह एक बड़े बदलाव के लिए सोचता है तो वह अपने लिए नहीं बल्कि एक बड़े बदलाव को समाज के लिए लाने की सोच पर काम करता है। यही सोच उसे दूसरों से अलग करती है। वह अपनी सोच को वास्तविक स्वरूप में लाने के लिए हर संभव एकाग्रता के साथ प्रयास करता है। उसे इस दौरान कई असफलताएं मिलती हैं, लेकिन यही असफलताएं उन्हें असाधारण सफलता में बदलने का कारण बनती है। हर व्यक्ति की अलग सोच होती है, हर व्यक्ति का दायरा अलग होता है और जब वह पूरी निष्ठा और विश्वास के साथ उस पर काम करना शुरू करता है तो परिणाम भी उसके अनुसार मिलना शुरू हो जाते हैं। तकनीकी के क्षेत्र में माइक्रोसॉफ्ट एप्पल और अन्य की इस तरह की जो सफलतायें हैं वह आज के युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। बिना पूंजी, बिना संसाधन अपनी सोच के अनुसार काम करने, धैर्य रखने, बार-बार की असफलताओं से भी निरुसाहित नहीं होने से उन्हें सफलता मिलती है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.**9911371802**
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER**786**@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

काबुल के अस्पताल पर पाकिस्तान के 'बर्बर' हवाई हमले की भारत ने की घोर निंदा

नई दिल्ली। भारत ने 16 मार्च की रात काबुल के ओमिद नशा मुक्ति अस्पताल पर पाकिस्तान के 'बर्बर' हवाई हमले की घोर निंदा की है। भारत का कहना है कि यह हिंसा का एक 'कायरतापूर्ण और अमानवीय' कृत्य है, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों की जान चली गई। इस अस्पताल को किसी भी तरह से सैन्य लक्ष्य नहीं माना जा सकता। पाकिस्तान अब इस नरसंहार को सैन्य अभियान का नाम देने की कोशिश कर रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कल के घटनाक्रम पर आज एक वक्तव्य जारी कर कहा कि पाकिस्तान का यह घृणित आक्रमण अफगानिस्तान की संप्रभुता पर एक स्पष्ट हमला है और क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए सीधा खतरा है। यह पाकिस्तान के लगातार लापरवाह व्यवहार और अपनी आंतरिक विफलताओं को सीमा पार हिंसा के बढ़ते हिंसक कृत्यों के माध्यम से छिपाने के बार-बार किए जाने वाले प्रयासों को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि हमला रमजान के पवित्र महीने के दौरान किया गया जो इसे और भी निंदनीय बनाता है। दुनिया भर के मुस्लिम समुदायों के लिए यह शांति, चिंतन और दया का समय होता है। उन्होंने कहा, "जो कोई धर्म, कोई कानून और कोई नैतिकता किसी अस्पताल और उसके मरीजों को जानबूझकर निशाना बनाने को उचित नहीं ठहरा सकती। प्रवक्ता ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि इस आपराधिक कृत्य के दोषियों को जवाबदेह ठहराया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि अफगानिस्तान में नागरिकों को निशाना बनाने के पाकिस्तानी अंधाधुंध हमले तत्काल बंद हो।

आयोग ने पंजाब के 26 आईएएस और 7 आईपीएस को सौंपी 5 राज्यों के चुनाव की कमान

नई दिल्ली। केंद्र के चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल, केरल, असम, तमिलनाडु और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पंजाब से 26 वरिष्ठ आईएएस और 7 आईपीएस अधिकारियों को बतौर जनरल और सुरक्षा आब्जर्वर नियुक्त किया है। इन अधिकारियों को चुनाव प्रक्रिया पूरी होने और 4 मई को नतीजे आने तक संबंधित राज्यों में तैनात रहने के निर्देश दिए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चुनाव आयोग के निर्देशानुसार ये अधिकारी नामांकन प्रक्रिया से लेकर चुनाव प्रचार, मतदान और मतगणना तक पूरे चुनावी घटनाक्रम पर नजर रखेंगे। उन्हें अपने-अपने आवंटित विधानसभा क्षेत्रों में जिला डिप्टी कमिश्नरों और रिटर्निंग अधिकारियों के निर्देशों के तहत कार्य करना होगा। पंजाब की मुख्य चुनाव अधिकारी अनिंदिता मित्रा ने बताया कि विधानसभा और लोकसभा चुनावों में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए अन्य राज्यों के वरिष्ठ आईएएस और आईपीएस अधिकारियों को आब्जर्वर के रूप में नियुक्त करने की परंपरा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक तैनात अधिकारियों में राहुल तिवाड़ी, गुरकीरत किरपाल और प्रियंक भारती जैसे वरिष्ठ आईएएस अधिकारी शामिल हैं, जबकि आईपीएस अधिकारियों में कौस्तुभ शर्मा प्रमुख नाम हैं। खास बात यह है कि छह महिला अधिकारियों को भी अहम जिम्मेदारियां दी गई है।

राज्यसभा चुनाव 2026: एनडीए का दबदबा, 37 में से 22 सीटों पर जमाया कब्जा

नई दिल्ली। देश के 10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों के लिए हुए चुनावी समर के परिणाम घोषित हो चुके हैं। इन नतीजों ने स्पष्ट कर दिया है कि भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए की चुनावी रणनीति के आगे विपक्ष की तमाम कोशिशें बौनी साबित हुईं। बिहार, हरियाणा और ओडिशा की 11 सीटों पर सोमवार को हुए मतदान में एनडीए ने एकतरफा प्रदर्शन करते हुए 9 सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि विपक्ष के खाते में महज 2 सीटें आईं। बिहार में जहाँ आरजेडी और ओवैसी का समीकरण विफल रहा, वहीं ओडिशा में कांग्रेस और बीजेडी का साथ भी कोई कमाल नहीं दिखा सका। कुल 37 सीटों के अंतिम आंकड़ों पर नजर डालें तो एनडीए को 22 सीटें मिली हैं, जबकि विपक्ष 15 सीटों पर सिमट गया है। गौर करने वाली बात यह है कि इन 37 सीटों में से 26 सदस्यों का निर्वाचन पहले ही निर्विरोध हो चुका था, जिनमें सत्तापक्ष और विपक्ष के पास 13-13 सीटें थीं।

सोमवार के नतीजों ने एनडीए के पक्ष में पलड़ा पूरी तरह भारी हो गया। एनडीए की 22 सीटों में से भाजपा ने 13, जेडीयू ने 2, और अन्य सहयोगियों जैसे शिवसेना (शिंदे), एनसीपी (अजित पवार), पीएमके और एआईएडीएमके ने शेष सीटें जीती हैं। विपक्ष की 15 सीटों में कांग्रेस को 6, टीएमसी को 4 और डीएमके को 3 सीटें मिली हैं। राज्यवार नतीजों का विश्लेषण करें तो महाराष्ट्र की 7 सीटों में से भाजपा को 4 सीटें मिली हैं। बिहार की 5 सीटों पर जेडीयू ने अपनी 2 सीटें बरकरार रखीं, जबकि भाजपा को 2 सीटों का लाभ हुआ और आरजेडी को अपनी दोनों सीटें गंवानी पड़ीं।

ईरान-इजराइल युद्ध एलपीजी संकट के बाद अब पेट्रोल पंपों की ओर बढ़ा

एजेंसी। नई दिल्ली

तेल कंपनियों ने किया नया नियम लागू, आम जनता पर भी पड़ेगा असर!

ईरान और इजराइल के युद्ध एलपीजी सप्लाई पर संकट के बाद अब धीरे-धीरे पेट्रोल पंपों की ओर भी बढ़ रहा है। देश की सभी सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल पंप मालिकों के लिए नया नियम लागू कर दिया है। इसकी आंच जल्द ही आम आदमी तक भी पहुंच सकती है। देश की सभी तेल कंपनियों ने कहा है कि पेट्रोल पंप को प्री-पेमेंट पर ही तेल दिया जाएगा और मौजूदा संकट को देखते हुए उनके क्रेडिट पर तेल देने की व्यवस्था बंद की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी तेल कंपनियों ने खुदरा पेट्रोल पंप को उनके क्रेडिट पर ईंधन की सप्लाई बंद कर दी है और भुगतान को लेकर सख्त नियम लागू किए हैं। मामले से जुड़े लोगों का कहना है कि ईरान के होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने के बाद सप्लाई चेन में दिक्कतें आ रही हैं और इसे देखते हुए तेल कंपनियों ने यह फैसला किया है। हिंदुस्तान पेट्रोलियम और भारत पेट्रोलियम ने पिछले सप्ताह से ही एडवांस पेमेंट सिस्टम लागू कर दिया था, जबकि इंडियन ऑयल ने बीते सोमवार से 5 दिन की क्रेडिट पॉलिसी को भी निलंबित कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक तेल कंपनियों ने अभी तक पेट्रोल पंप के लिए शॉर्ट टर्म क्रेडिट पॉलिसी लागू की थी, जहां मालिकों को तेल पहले मिलता था और पैसा बाद में भुगतान करना पड़ता था। देश की तीनों सरकारी तेल कंपनियों के इस फैसले का असर करीब एक लाख से ज्यादा पेट्रोल पंप पर दिखेगा, जो आगे चलकर आम आदमी तक पहुंच सकता है। यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब पश्चिम एशिया तनाव की वजह से भारत के 40 फीसदी तेल सप्लाई रूट पर दिक्कतें पैदा हो गई हैं। इससे दुनिया के तीसरे सबसे बड़े तेल खपत वाले देश के सामने संकट पैदा हो गया है।

चुनाव आयोग ने विधानसभा चुनावों के लिए 1,111 पर्यवेक्षक नियुक्त किए

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं के लिए चल रहे आम चुनावों और 6 राज्यों में हो रहे उपचुनावों के लिए 1,111 पर्यवेक्षकों को तैनात किया है। सामान्य पर्यवेक्षकों, पुलिस पर्यवेक्षकों, व्यय पर्यवेक्षकों की संख्या की क्रमशः संख्या इस प्रकार है- असम – 51, 35, 50; केरल 51, 17, 40; तमिलनाडु 136, 40, 151; पश्चिम बंगाल 294, 84, 100; पुडुचेरी 17, 4, 17; उप-चुनाव 8, 8, 8। उल्लेखनीय है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने विधानसभा के आम चुनावों का कार्यक्रम घोषित करते हुए कहा था कि चुनाव हिंसा-मुक्त और प्रलोभन-मुक्त तरीके से कराए जाएं ताकि प्रत्येक मतदाता बिना किसी भय या पक्षपात के अपना वोट डाल सके। तदनुसार पर्यवेक्षक इस उद्देश्य की पूर्ति सुनिश्चित करने में आयोग की आंख और कान के रूप में कार्य करेंगे। आयोग ने निर्देश दिया है कि पर्यवेक्षक कल तक अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में पहुंच जाएं। पहुंचने पर पर्यवेक्षक अपने संपर्क विवरण सार्वजनिक करेंगे और उम्मीदवारों, राजनीतिक दलों या उनके प्रतिनिधियों या जनता के किसी भी सदस्य से मिलने और उनकी चुनाव संबंधी शिकायतों को सुनने के लिए प्रतिदिन एक निश्चित समय निर्धारित करेंगे।

पीएम से सपरिवार मिले वरुण गांधी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व सांसद वरुण गांधी ने सपरिवार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान वरुण के साथ उनकी पत्नी और पुत्री भी उपस्थित रहीं। वरुण ने प्रधानमंत्री से आशीर्वाद लिया और मार्गदर्शन हासिल करने की बात कही। वरुण गांधी ने इस मुलाकात की फोटो मंगलवार को एक्स पर शेयर करते हुए लिखा कि परिवार सहित प्रधानमंत्री से मिलकर उनका आशीर्वाद और मार्गदर्शन प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के व्यक्तित्व को "आभामंडल से युक्त" बताते हुए कहा कि उनमें "अद्भुत पितृवत स्नेह और संरक्षण का भाव" झलकता है। उन्होंने कहा कि इस मुलाकात ने उनके इस विश्वास को और मजबूत किया है कि प्रधानमंत्री देश और देशवासियों के सच्चे अभिभावक हैं। उल्लेखनीय है कि भाजपा के युवा चेहरों में गिने जाने वाले वरुण गांधी की सक्रियता पिछले कुछ समय से अपेक्षाकृत कम है। उनकी पत्नी यामिनी मूलरूप से कोलकाता से आती हैं। ऐसे में कुछ लोग इस मुलाकात को पश्चिम बंगाल के चुनाव से भी जोड़कर देख रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस तरह की मुलाकातें और सार्वजनिक वक्तव्य भविष्य की राजनीतिक संभावनाओं और समीकरणों की ओर भी संकेत कर सकते हैं।

लोकसभा में विपक्ष के 8 सदस्यों का निलंबन वापस लिया गया

एजेंसी। नई दिल्ली

लोकसभा ने मंगलवार को विपक्ष के आठ सदस्यों का निलंबन वापस ले लिया। केन्द्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने सदन में यह प्रस्ताव पेश किया, जिसका ध्वनिमत से सभी ने एकमत होकर समर्थन किया। लोकसभा में बजट सत्र के पहले चरण में 3 फरवरी को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को नहीं बोलने देने के खिलाफ विपक्षी सदस्यों ने आसन के सामने आकर भारी विरोध प्रदर्शन किया था। उस संदर्भ में सदन की कार्यवाही में बाधा डालने और हंगामा करने के आरोप में 8 विपक्षी सांसदों को बजट सत्र के शेष भाग के लिए निलंबित किया गया था। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ सोमवार को सभी दलों के नेताओं संग हुई बैठक में इस मुद्दे को लेकर पक्ष-विपक्ष में चल रही तनातनी का हल निकालने के लिए इन सदस्यों का निलंबन खत्म करने पर यह सहमति बनी थी। इन सदस्यों में सर्वश्री गुरजीत सिंह औजला, हिबी ईडन, एडवोकेट डीन कुरियाकोस, अमरिंदर सिंह राजा वारिंग, बी. मणिक्कम टैगोर, डॉ. प्रशांत यादवराव पाडोले, चामला किरण कुमार रेड्डी और एस. वेंकटेशन थे। केन्द्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने आज सदन में प्रस्ताव पेश करने के दौरान कहा कि सदन के प्रभावी और फलदायी संचालन के लिए सीमाएं निर्धारित करना आवश्यक है। सदन में नियम कार्य-प्रक्रिया की परंपरा हैं। कल हमने कहा था कि यदि विपक्ष सदन और अध्यक्ष के नियमों का पालन करने में हमारी मदद करता है, तो हम भी ऐसा ही करेंगे। यदि विपक्ष सीमाओं के निर्धारण पर सहमत होता है और प्रतिबद्धता व्यक्त करता है, तो हम भी उसका पालन कर सकते हैं। इसके बाद रिजिजू ने 8 निलंबित सांसदों के निलंबन को रद्द करने का प्रस्ताव रखा।

मोगा में शाह की रैली में जुटी 1.58 लाख की भीड़, 15 किमी लंबा जाम लगने से ठहरा पंजाब

एजेंसी। मोगा

पंजाब के मोगा में भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित बदलाव रैली ने भीड़ के तमाम पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की इस जनसभा में उमड़े जनसैलाब ने न केवल सियासी गलियारों में हलचल पैदा कर दी है, बल्कि राज्य में भाजपा के बढ़ते आधार की एक नई तस्वीर भी पेश की है। इस रैली की भव्यता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि आयोजन स्थल की ओर जाने वाले मार्गों पर करीब 15 किलोमीटर लंबा भारी ट्रैफिक जाम लग गया। भीड़ इतनी अनियंत्रित थी कि लगभग 800 बसें रास्ते में ही फंसी रह गईं और हजारों लोगों को रैली स्थल तक पहुँचने के लिए 4 से 5 किलोमीटर का सफर पैदल ही तय करना पड़ा। रैली के लिए जुटाए गए संसाधनों में 1,484 बड़ी बसें, 2,309 मिनी बसें और 2,376 कारें सहित हजारों निजी वाहन शामिल थे। हालांकि, पार्टी ने एक लाख लोगों के लिए लंगर की व्यवस्था की थी, लेकिन उम्मीद से कहीं अधिक भीड़ उमड़ने के कारण भोजन की व्यवस्था समय से पहले ही समाप्त हो गई। पार्टी के प्रदेश महामंत्री अनिल सरीन ने रैली की सफलता पर धन्यवाद पंजाब कहते हुए दावा किया कि इस विशाल आयोजन में कुल 1,58,131 लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। भाजपा का कहना है कि वह देश की संभवतः पहली ऐसी पार्टी है जो डिजिटल प्रमाणों के साथ रैली में शामिल लोगों की सटीक संख्या सार्वजनिक करने का साहस दिखा रही है। भाजपा ने इस मोबिलाइजेशन के लिए राज्य के 23 जिलों के 13,000 गांवों, 160 शहरों और करीब 24,500 पोलिंग बूथों तक अपनी पहुंच बनाई थी।

सरकार ने लोकसभा से 'जन विश्वास संशोधन विधेयक' को वापस लिया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मंगलवार को लोकसभा से जन विश्वास विधेयक को वापस ले लिया। लोकसभा की चयन समिति की सिफारिशों को शामिल करने के बाद इस विधेयक को फिर से पेश किया जाएगा। इस बिल का उद्देश्य विश्वास-आधारित शासन को और बढ़ावा देने के लिए कुछ कानूनों में संशोधन करके अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करना और उन्हें तर्कसंगत बनाना है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने आज सदन की अनुमति लेने के बाद प्रवर समिति द्वारा रिपोर्ट किए गए 'जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक, 2025' को वापस ले लिया। इससे पहले गोयल ने लोकसभा में 'जन विश्वास (प्रावधान संशोधन) विधेयक, 2025' को वापस लेने का प्रस्ताव रखा। यह विधेयक छोटे व्यावसायिक अपराधों को अपराधमुक्त करने और व्यापार करने में सुगमता (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस) बढ़ाने के लिए 2025 में पेश किया गया था, जिसे अब वापस लिया जा रहा है। इस बिल का उद्देश्य 'जीवन जीने में आसानी' (इज ऑफ लिविंग) और 'व्यापार करने में आसानी' (इज ऑफ डूइंग बिजनेस) के लिए विश्वास-आधारित शासन को और अधिक सुदृढ़ करना है।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

'हर घर जल' की दिशा में राजस्थान का ऐतिहासिक कदम

» 'जल जीवन मिशन 2.0' के तहत एमओयू करने वाला देश का पहला राज्य बना राजस्थान

» प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने जताया आभार

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। राजस्थान ने 'हर घर जल' के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए जल जीवन मिशन 2.0 के अंतर्गत नई गाइडलाइन्स के अनुसार भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय के साथ एमओयू करने वाले देश के पहले राज्य बनने का गौरव प्राप्त किया है। यह एमओयू केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी. आर. पाटिल, मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्री कन्हैया लाल की गरिमामय उपस्थिति में मंगलवार को जल शक्ति मंत्रालय, नई दिल्ली में हस्ताक्षरित किया गया। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने इसके लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने जल जीवन मिशन के तहत प्रदेश की जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए इसके लिए केन्द्र सरकार से आग्रह किया था। वहां से अनुमति मिलने के बाद यह एमओयू साइन किया गया है। यह एमओयू राज्य में जल आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा प्रत्येक घर तक स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

केंद्र-राज्य में समन्वय से मिशन को मिलेगी गति-प्रदेश में डबल इंजन की सरकार प्रत्येक घर तक शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। इस पहल के माध्यम से दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्वच्छ जल की उपलब्धता सुनिश्चित होगी, जिससे विशेष रूप से महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार आएगा और दैनिक जीवन अधिक सुगम एवं सुरक्षित बनेगा। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जल जीवन मिशन के विस्तारित स्वरूप को स्वीकृति मिलने के बाद मिशन को अधिक प्रभावी, जवाबदेह एवं पारदर्शी बनाने की दिशा में तीव्र गति से कार्य किया जा रहा है। यह एमओयू प्रत्येक ग्रामीण परिवार तक नल से स्वच्छ एवं नियमित जल आपूर्ति सुनिश्चित करने, सेवा गुणवत्ता में सुधार, समयबद्ध लक्ष्य प्राप्ति तथा पारदर्शिता को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस अवसर पर केन्द्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री श्री वी. सोमन्ना, जलदाय विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री अखिल अरोड़ा सहित अन्य केन्द्रीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

दुष्कर्म - पोक्सो मामला - थाना छावला, द्वारका जिला

लोकतंत्र की शान: थाना छावला, द्वारका जिला में एक शिकायत प्राप्त हुई, जिसमें पीड़िता एक लगभग 06 वर्षीय नाबालिग बच्ची है, जो अपने परिवार के साथ क्षेत्र में रहती है। पीड़िता के बयान के अनुसार, वह अपनी छोटी बहन के साथ एक स्कूल के पास खेल रही थी, तभी एक परिचित व्यक्ति (पड़ोस में रहने वाला) उसे अपने दुकान पर ले गया और उसके साथ अशोभनीय कृत्य किया। आरोपी ने उसे धमकी भी दी तथा इस प्रकार की घटनाएं पहले भी हो चुकी थीं। पीड़िता ने यह बात अपनी मां को बताई, जिन्होंने आगे एक रिश्तेदार को सूचित किया। इसके बाद मामला पुलिस को बताया गया और तत्परता से कानूनी प्रक्रिया के अनुसार मामला दर्ज किया गया। तदनुसार, धारा 65(2) बीएनएस एवं 06 पोक्सो अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आगे की जांच जारी है। मामले को पूरी संवेदनशीलता के साथ संभाला जा रहा है।

(कुशल पाल सिंह) आईपीएस
उप पुलिस आयुक्त
द्वारका जिला, दिल्ली

स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा का चांदनी चौक क्षेत्र में औचक निरीक्षण

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने मंगलवार को सदर पहाड़गंज जोन के चांदनी चौक क्षेत्र में स्थानीय पार्षद सुमन कुमार गुप्ता, क्षेत्रीय उपायुक्त कनिका तथा निगम के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संयुक्त रूप से औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान शर्मा ने दंगल मैदान पार्किंग एवं पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के सामने स्थित क्लब पार्किंग का दौरा किया गया। उन्होंने निरीक्षण में पाया कि इन पार्किंग स्थलों का उपयोग निर्धारित उद्देश्य के विपरीत ट्रांसपोर्टरों द्वारा अवैध रूप से सामान की लोडिंग-अनलोडिंग के लिए किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त क्लब पार्किंग क्षेत्र में अवैध झुग्गियों का निर्माण तथा सड़क किनारे अतिक्रमण कर अवैध रूप से शराब की बिक्री भी पाई गई, जिसे गंभीर अनियमितता मानते हुए स्थायी समिति की अध्यक्ष ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। स्थायी समिति अध्यक्ष ने क्षेत्रीय उपायुक्त को निर्देश दिया कि पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के आसपास के सभी अतिक्रमण तत्काल प्रभाव से हटाए जाएं। साथ ही स्थानीय थाना प्रभारी लाहौरी गेट को मौके पर बुलाकर सड़क किनारे अवैध शराब बेचने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आसपास स्थित सार्वजनिक शौचालयों का निरीक्षण करते हुए सत्या शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को शौचालयों की नियमित सफाई, रखरखाव और स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए विशेष निर्देश दिए। उन्होंने अतिरिक्त उपायुक्त (आरपी सेल) को निर्देश दिया कि क्लब पार्किंग एवं दंगल मैदान पार्किंग के टेंडर तत्काल प्रभाव से निरस्त किए जाएं तथा संबंधित एजेंसियों पर भारी जुर्माना लगाया जाए। एमसीडी के कुछ पुराने भवन के जर्जर अवस्था में मिलने पर सत्या शर्मा ने निर्देश दिए कि ऐसे भवनों का विस्तृत निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई की जाए तथा एमसीडी की भूमि के उपयुक्त उपयोग और राजस्व सृजन की संभावनाओं का भी आकलन किया जाए। स्थायी समिति अध्यक्ष ने कहा कि वह दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों का नियमित रूप से निरीक्षण कर रही हैं, ताकि जमीनी स्तर की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जा सके। ऐसे निरीक्षणों के माध्यम से समस्याओं की पहचान कर उनके त्वरित समाधान के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं, जिससे नागरिकों को बेहतर एवं प्रभावी नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

शारदाकेयर–हेल्थसिटी में दुर्लभ जबड़े के जोड़ की सर्जरी से केन्या की महिला की मुस्कान लौटी

लोकतंत्र की शान

» केन्या की 44 वर्षीय महिला लगभग 17 वर्षों से गंभीर जबड़े की समस्या से जूझ रही थी, जो मैंडिब्युलर ट्यूमर की जटिलताओं के कारण हुई थी

» भारत आने से पहले महिला की तीन सर्जरी असफल रही थीं, इसलिए बेहतर इलाज के लिए वे भारत आईं

» खास तरीके से तैयार किए गए कृत्रिम जोड़ (टीएमजे रिप्लेसमेंट) की सर्जरी के बाद अब उनका जबड़ा बेहतर चलने लगा है, चेहरे का संतुलन सुधरा है और उनकी जीवन की गुणवत्ता में काफी सुधार हुआ है

ग्रेटर नोएडा: ग्रेटर नोएडा स्थित अग्रणी सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल शारदाकेयर–हेल्थसिटी ने केन्या के नैरोबी की 44 वर्षीय एलिस वांगुई मुथोनी का जटिल टोटल टेम्पोरोमैंडिबुलर जॉइंट (TMJ) रिप्लेसमेंट सफलतापूर्वक किया। इस सर्जरी के बाद वह लगभग 17 वर्षों से चली आ रही गंभीर जबड़े की समस्या से राहत पा सकीं और फिर से सामान्य रूप से खाना, बोलना और बिना दर्द के जीवन जीना संभव हो पाया। एलिस लगभग दो दशकों से जबड़े की गंभीर विकृति से जूझ रही थीं। यह समस्या निचले जबड़े में बने ट्यूमर की जटिलताओं के कारण शुरू हुई थी। ऐसे ट्यूमर निचले जबड़े में होने वाली असामान्य गांठें होती हैं, जो कैंसरयुक्त या गैर-कैंसरयुक्त हो सकती हैं और हड्डी, मुलायम टिशू या दांत बनने वाले टिशू से उत्पन्न हो सकती हैं। समय के साथ उनकी स्थिति लगातार बिगड़ती गई। उन्हें मुंह ठीक से खोलने में कठिनाई होने लगी, खाना चबाने और बोलने में परेशानी होने लगी, चेहरे का संतुलन बिगड़ गया और लगातार चेहरे में दर्द रहने लगा। शारीरिक परेशानियों के अलावा इस समस्या का उनके मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर भी गहरा असर पड़ा। सामान्य रूप से बात न कर पाना और ठीक से खाना न खा पाना उनके जीवन की गुणवत्ता को काफी कम कर रहा था। उन्होंने पहले तीन बार सर्जरी भी करवाई, लेकिन समस्या ठीक नहीं हुई और दुर्भाग्यवश निचले होंठ की नस को भी नुकसान पहुंच गया, जिससे उनकी स्थिति और जटिल हो गई। लंबे समय तक समाधान की तलाश के बाद एलिस विशेष इलाज के लिए भारत आईं और शारदाकेयर–हेल्थसिटी में उपचार कराया। यहां उनका इलाज डॉ. रोहित पुंगा, डायरेक्टर और यूनिट हेड – क्रेनियो मैक्सिलोफेशियल सर्जरी ने किया। उन्होंने मरीज के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए इम्प्लांट के साथ राइट एक्सटेंडेड टोटल टेम्पोरोमैंडिबुलर जॉइंट रिप्लेसमेंट किया। यह एक अत्यंत जटिल और उन्नत सर्जरी है, जो दुनिया के चुनिंदा मैक्सिलोफेशियल केंद्रों में ही की जाती है। इस प्रक्रिया में पहले विस्तृत सीटी स्कैन और 3डी प्लानिंग की जाती है, जिसके आधार पर मरीज के जबड़े की संरचना के अनुसार एक कस्टम इम्प्लांट तैयार किया जाता है। सर्जरी के दौरान दाईं ओर के खराब हो चुके जोड़ के हिस्सों को सावधानी से हटाकर उनकी जगह कृत्रिम जोड़ लगाया गया। इसे टाइटेनियम स्क्रू की मदद से खोपड़ी के आधार और निचले जबड़े से जोड़ा गया। यह सर्जरी सफल रही, जिससे जबड़े की संरचना और कार्यक्षमता फिर से बहाल हो गई। वर्षों से चले आ रहे दर्द और जकड़न में राहत मिली और एलिस के जबड़े की गति में काफी सुधार हुआ। अब वह पहले की तुलना में अधिक आसानी से खाना खा सकती हैं, बोल सकती हैं और रोजमर्रा के काम कर सकती हैं।

From left to right: Patient's Husband, Dr. Rohit Punga, Senior Consultant - Cranio Maxillo-Facial Surgery, ShardaCare-Healthcity and Alice Wangui Muthoni (the patient from Kenya)

शारदाकेयर-हेल्थसिटी के बारे में: शारदाकेयर–हेल्थसिटी, ग्रेटर नोएडा (दिल्ली-एनसीआर) में स्थित 600 बेड का सुपर-स्पेशलिटी अस्पताल है, जो आधुनिक इलाज, नई तकनीक और बेहतर सुविधाओं के लिए जाना जाता है। पिछले 18 वर्षों से यह अस्पताल अलग-अलग बीमारियों के इलाज में मरीजों को भरोसेमंद और संपूर्ण चिकित्सा सेवाएं दे रहा है। अनुभवी डॉक्टरों, विशेषज्ञों और प्रोफेसरों की टीम के साथ यह अस्पताल रिसर्च, शिक्षा और उन्नत उपचार पर विशेष ध्यान देता है। यहां मरीजों को उनकी जरूरत के अनुसार बेहतर और संवेदनशील देखभाल दी जाती है। अत्याधुनिक सुविधाओं और आधुनिक उपचार पद्धतियों के जरिए शारदाकेयर–हेल्थसिटी स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में लगातार नए मानक स्थापित कर रहा है।

तारेश सचदेवा -दिल्ली दिनांक 17 मार्च 2026 दिल्ली राज्य बनने की 75 वीं वर्षगांठ का आयोजन, पुस्तक 'ज़ख़्मों से जूझती दिल्ली, उम्मीदें ज़िन्दा हैं' का विमोचन

लोकतंत्र की शान

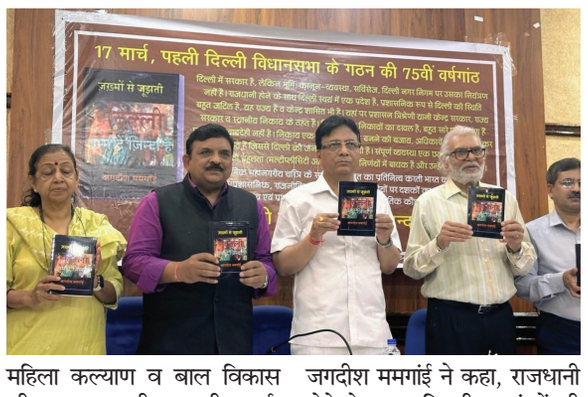

नई दिल्ली: 17 मार्च को दिल्ली के राज्य बनने, पहली विधानसभा गठित होने की 75 वीं वर्षगांठ पर शहरी मामलों के जानकार एवं एकीकृत दिल्ली नगर निगम की निर्माण समिति के अध्यक्ष रहे जगदीश ममगांई की पुस्तक 'ज़ख़्मों से जूझती दिल्ली उम्मीदें ज़िन्दा हैं' को दिल्ली को समर्पित किया गया। इस अवसर पर दिल्ली नगर निगम में दूरदर्शन व अख़बार से जुड़े वरिष्ठ पत्रकार उमेश जोशी, संसद टीवी के वरिष्ठ पत्रकार मनोज वर्मा, दैनिक हिन्दुस्तान के वरिष्ठ पत्रकार रामनारायण श्रीवास्तव, प्यारा उत्तराखण्ड के संपादक देव सिंह रावत, संवाद सिंधी के संपादक श्रीकान्त भाटिया, पूर्व महापौर मीरा अग्रवाल, दिल्ली नगर निगम की महिला कल्याण व बाल विकास की अध्यक्ष रही मालती वर्मा, दिल्ली नगर निगम की सिटी जोन की अध्यक्ष रही रेणुका गुप्ता सहित कई पार्षद, सामाजिक संगठनों व आरडब्लयू के प्रतिनिधि, वरिष्ठ पार्षद उपस्थित रहे, संचालन सहकार भारती के दिल्ली प्रांत अध्यक्ष धर्मवीर सिंह ने की। शहरी मामलों के जानकार व लेखक जगदीश ममगांई ने कहा, राजधानी होने के साथ दिल्ली स्वयं में भी एक प्रदेश है। यहां का प्रशासन त्रिश्रेणी यानी केन्द्र सरकार, राज्य सरकार व स्थानीय निकाय दिल्ली का प्रशासनिक प्रबंधक देखते हैं। प्रशासनिक रुप से दिल्ली की स्थिति बहुत जटिल है, यह राज्य है और केन्द्र शासित भी है। राज्य सरकार चर्चा मंच है

हरियाणा राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत से भाजपा की खरीद-फरोख्त और दबाव की राजनीति नाकाम हुई

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली: कांग्रेस ने हरियाणा राज्यसभा चुनाव में पार्टी उम्मीदवार करमवीर बौद्ध की जीत पर खुशी जताते हुए कहा कि भाजपा ने खरीद-फरोख्त और चुनाव आयोग से मिलीभगत कर लोकतंत्र की हत्या की कोशिश की, लेकिन कांग्रेस विधायकों ने उसके मंसूबों पर पानी फेर दिया। कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा और कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम ने करमवीर बौद्ध की जीत के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी, पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी सहित पूरे शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया और इसे लोकतंत्र एवं संविधान की जीत बताया। कांग्रेस कार्यसमिति के स्थाई आमंत्रित सदस्य दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने भाजपा पर चुनाव के दौरान अनैतिक हथकंडे अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा ने रात के अंधेरे में लोकतंत्र की सरेआम हत्या करने की कोशिश की। गुजरात के उपमुख्यमंत्री को ऑब्जर्वर बनाकर भेजने का हवाला देते हुए हुड्डा ने कहा कि भाजपा हाईकमान हर हाल में यह सीट हासिल करना चाहता था। इसके लिए भाजपा ने क्रॉस वोटिंग के साथ कई तरह के हथकंडे अपनाने की कोशिश की, लेकिन कांग्रेस के विधायकों ने करमवीर बौद्ध को जीत दिलाकर लोकतंत्र बचाने का काम किया। इनेलो (इंडियन नेशनल लोकदल) को भाजपा की बी टीम करार देते हुए हुड्डा ने कहा कि राज्यसभा चुनाव में जब खरीद-फरोख्त से संख्या हासिल करने की भाजपा की योजना फेल हो गई तो उसे समझ आ गया कि कांग्रेस उम्मीदवार जीतने जा रहा है। इनेलो ने चुनाव के दिन तक अपना रुख स्पष्ट नहीं किया। शाम चार बजे तक मतदान था और इनेलो ने साढ़े तीन बजे घोषणा की कि वह चुनाव में हिस्सा नहीं लेगी। जब कांग्रेस के पक्ष में 30 से ज्यादा वोट पड़ गए और यह स्पष्ट हो गया कि कांग्रेस जीत रही है तो इनेलो मैदान छोड़कर भाग खड़ी हुई।

वक्तव्य: झंडेवाला देवी मंदिर

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली: विषय: "भक्ति उदय: प्रभात भक्ति संगत" (सनातन नव वर्ष) एवं नवरात्रि महोत्सव हेतु व्यापक प्रबंध स्वागत एवं प्रस्तावना

जय माता दी। आज की इस प्रेस वार्ता में उपस्थित सभी पत्रकार मित्रों और मीडिया जगत के साथियों का झंडेवाला देवी मंदिर की ओर से हार्दिक अभिनंदन है। आज हम आपसे दो अत्यंत महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत संवाद करना चाहते हैं, जो हमारी संस्कृति और आगामी पर्वों की व्यवस्था से जुड़े हैं।

भाग 1: "भक्ति उदय - प्रभात भक्ति संगत" एवं सनातन नव वर्ष

सनातन नव वर्ष का आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व

प्राकृतिक नव आरंभ: भारतीय कालगणना के अनुसार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा केवल एक कैलेंडर की तिथि नहीं है, बल्कि यह प्रकृति के नव आरंभ, ऋतु परिवर्तन और संपूर्ण सृष्टि के पुनर्जागरण का प्रतीक है।

युवा पीढ़ी और जागरूकता: आज के दौर में जहाँ युवा पीढ़ी पश्चिमी नव वर्ष को बड़े उत्साह से मनाती है, वहीं हमारी संस्कृति के नव वर्ष और उसके गहरे सांस्कृतिक महत्व के प्रति जागरूकता की कमी दिखती है।

मंदिर का संकल्प: झंडेवाला देवी मंदिर ने यह विशेष पहल की है ताकि युवाओं को उनके धर्म, परंपरा और जड़ों से जोड़ा जा सके। हमारा संदेश स्पष्ट है: "अपनी संस्कृति... अपना नववर्ष!"

कार्यक्रम विवरण: 'भक्ति उदय' (Spiritual Musical Concert)

यह कार्यक्रम पहली बार प्रातः काल में किया जा रहा है कार्यक्रम का शुभारंभ सूर्य के प्रथम किरण को अर्घ देकर होगा तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन प्रातः 6:30 बजे से 11:00 तक किया जाएगा

भजन क्लबिंग (Bhajan Clubbing): इस आयोजन में भक्ति, शास्त्रीय संगीत और युवा ऊर्जा का अद्भुत संगम होगा। इसे आज की भाषा में युवा "भजन क्लबिंग" के रूप में समझ सकते हैं, जो पूर्णतः आध्यात्मिक मर्यादा, अनुशासन और शालीनता के भीतर आयोजित होगा।

खुद को गोली मारने का मामला: युवक की मौत

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के न्यू अशोक नगर इलाके में खुद को गोली मारने की घटना सामने आई है। 28 वर्षीय युवक की गोली लगने से मौत हो गई। मामले में पुलिस को घटना का वीडियो भी मिला है, जो मृतक के चचेरे भाई के मोबाइल फोन में रिकॉर्ड पाया गया है। पुलिस के अनुसार, 16 मार्च को वसुंधरा एन्क्लेव स्थित धर्मशिला अस्पताल से न्यू अशोक नगर थाने को एक एमएलसी के जरिए गोली लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम अस्पताल पहुंची, जहां गांव दल्लूपुरा निवासी पवन कुमार को अचेत अवस्था में लाया गया था। डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि घटना दल्लूपुरा गांव में हुई थी। इसके बाद पुलिस की क्राइम टीम और फॉरेंसिक टीम ने अस्पताल और घटनास्थल दोनों जगहों का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए लाल बहादुर शास्त्री (एलबीएस) अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया है। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि पवन कुमार ने अपने चचेरे भाई हिमांशु की लाइसेंसी पिस्टल से खुद को गोली मारी थी।पुलिस ने मौके से पिस्टल और 10 जिंदा कारतूस जब्त कर लिए हैं। वहीं हिमांशु के मोबाइल फोन में घटना का वीडियो रिकॉर्ड मिला है, जिसे पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। शुरुआती जांच में वीडियो में पवन कुमार खुद हथियार संभालते हुए गोली चलाते दिखाई दे रहा है, जबकि हिमांशु मौके पर मौजूद था और वीडियो बना रहा था। पुलिस ने घटनास्थल और शव से जुड़े सभी फॉरेंसिक साक्ष्य भी जुटा लिए हैं।

भारत ने यूएन में कहा- इस्लामोफोबिया की कहानियां गढ़ने में माहिर हमारा 'पड़ोसी'

लोकतंत्र की शान

न्यूयॉर्क। भारत ने एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र के मंच पर दोहरा रवैया अपनाने के लिए पाकिस्तान को खरी-खोटी सुनाई है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र की एक बैठक के दौरान पाकिस्तान की ओर से फर्जी प्रोपेगैंडा चलाने पर कहा कि हमारा 'पश्चिमी पड़ोसी' अपनी धार्मिक पहचान को हथियार के रूप में इस्तेमाल करता है और अपने संकीर्ण राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए संयुक्त राष्ट्र के मंच का गलत इस्तेमाल करता रहता है। न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पी. हरीश ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में 'इस्लामोफोबिया से निपटने के अंतर्राष्ट्रीय दिवस' के अवसर पर भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए यह बात कही। हरीश ने कहा कि पाकिस्तान में अहमदिया समुदाय और बेबस अफगानों पर अत्याचार हो रहे हैं और वह इस्लामोफोबिया की झूठी कहानियां गढ़ने में व्यस्त है। भारतीय राजनयिक ने कहा भारत एक ऐसा देश है, जहां दुनिया के लगभग सभी प्रमुख धर्मों को

मानने वाले लोग शांतिपूर्वक सह-अस्तित्व में रहते हैं। साथ ही, हिंदू धर्म, बौद्ध धर्म, जैन धर्म और सिख धर्म जैसे चार प्रमुख धर्मों की उत्पत्ति भी भारत में ही हुई है। ऐसे में भारत किसी भी अन्य देश की तुलना में धार्मिक भेदभाव से मुक्त दुनिया की जरूरत को ज्यादा बेहतर समझता है। उन्होंने कहा यूएन की परिकल्पना एक ऐसे संस्थान के रूप में की गई थी, जो धर्म, संस्कृति और राजनीति से ऊपर उठकर काम करे। इसलिए हम ऐसे किसी भी ढांचे को लेकर सावधानी बरतने की जरूरत पर जोर देते हैं, जो केवल एक धर्म पर ध्यान दे और धार्मिक भय (रिलिजियोफोबिया) की व्यापक समस्या पर ध्यान न दे। यूएन को धार्मिक पहचान को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने और संकीर्ण राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए उसका गलत इस्तेमाल किए जाने के प्रति आगाह रहना चाहिए और इन खतरों की बढ़ती प्रवृत्ति पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। हरीश ने कहा भारत का पश्चिमी पड़ोसी अपने आसपास के क्षेत्र में इस्लामोफोबिया की काल्पनिक कहानियां गढ़ने में माहिर है। ऐसे में यह सवाल उठता है कि उस देश में अहमदिया समुदाय के खिलाफ क्रूर दमन को क्या कहा जाएगा, या बेबस अफगानों की बड़े पैमाने पर जबरन वापसी को किस रूप में देखा जाएगा, या फिर पवित्र रमजान के महीने के दौरान किए गए हवाई हमलों को क्या नाम दिया जाएगा? वहीं दूसरी ओर भारत ने 16 मार्च की रात काबुल में 'उम्मीद एडिक्शन ट्रीटमेंट हॉस्पिटल' पर पाकिस्तान के बर्बर हवाई हमले की कड़ी निंदा की है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि पाकिस्तान की आक्रामकता का यह घिनौना कृत्य अफगानिस्तान की संप्रभुता पर एक खुला हमला है और क्षेत्रीय शांति व स्थिरता के लिए सीधा खतरा है।

पंजाबी गायक गिप्पी ग्रेवाल को गैंगस्टर गोल्डी बराड़ से धमकी, पंजाब की कानून-व्यवस्था पर उठे सवाल

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली: पंजाब से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है, जहां मशहूर पंजाबी गायक Gippy Grewal को कथित तौर पर कुख्यात गैंगस्टर Goldy Brar की ओर से जान से मारने की धमकी मिली है। इस मामले ने राज्य की कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष Sukhbir Singh Badal ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (पूर्व में ट्विटर) पर यह जानकारी साझा की। उन्होंने दावा किया कि गिप्पी ग्रेवाल को यह धमकी उस समय मिली, जब हाल ही में उनकी सुरक्षा वापस ले ली गई थी। सुखबीर सिंह बादल ने अपने पोस्ट में एक ऑडियो क्लिप भी साझा की, जिसमें एक व्यक्ति खुद को गोल्डी बराड़ बताते हुए गायक को धमकी देता हुआ सुनाई दे रहा है। उन्होंने इस मामले को पंजाब के

मुख्यमंत्री Bhagwant Mann के समक्ष उठाते हुए राज्य में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए। अपने पोस्ट में बादल ने लिखा कि, "यह जानकर बेहद दुख हुआ कि हमारे सुपरस्टार गिप्पी ग्रेवाल को कुख्यात गैंगस्टर गोल्डी बराड़ से धमकी मिली है, वह भी उस समय जब मुख्यमंत्री भगवंत मान ने उनकी सुरक्षा वापस ले ली। पंजाब में अब कोई भी सुरक्षित नहीं है और कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है।" उन्होंने आगे मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि इससे पहले भी पंजाब अपने एक बेहतरीन गायक Sidhu Moosewala को खो चुका है, जिसकी हत्या के पीछे सुरक्षा में कमी को एक बड़ा कारण बताया गया था। बादल ने आरोप लगाया कि यदि गिप्पी ग्रेवाल के साथ कोई भी अप्रिय घटना होती है, तो उसकी जिम्मेदारी सीधे तौर पर मुख्यमंत्री भगवंत मान की होगी। फिलहाल, इस मामले को लेकर पुलिस या राज्य सरकार की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वहीं, इस घटना के बाद पंजाब में कलाकारों और आम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चिंता और भी बढ़ गई है।

संक्षिप्त समाचार

जिला अध्यक्ष शमशेर सैफी के नेतृत्व में भाकियू (भारत भूमि) ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा: हसनपुरः मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन भारत भूमि के पदाधिकारी ने जिला अध्यक्ष शमशेर अली सैफी के नेतृत्व में हसनपुर उप जिलाधिकारी हिमांशु उपाध्याय को विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए एक ज्ञापन सौंपा, यूनियन ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगे जल्दी पूरी नहीं हुई तो संगठन बड़े स्तर

पर धरना प्रदर्शन आंदोलन करने को बाध्य होगा, ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया गया कि हसनपुर में गैस की कमी और उसकी आड़ में हो रही कालाबाजारी को रोका जाए, भाकियू नेताओं ने आरोप लगाया कि गैस एजेंसीयो पर सिलेंडर की भारी कमी दिखाई जा रही है जिससे आम जनता को परेशानी हो रही है, वहीं उन्होंने गैस सिलेंडरों की होम डिलीवरी सुनिश्चित किए जाने की मांग भी राखी, और कालाबाजारी रोके जाने को लेकर होटल, ढाबे तथा अन्य फैक्ट्री आदि पर घरेलू गैस सिलेंडर की चेकिंग की जाए, इसके अतिरिक्त भारतीय किसान यूनियन भारत भूमि ने आवारा पशुओं के मुद्दे को भी उठाते हुए मांग रखी की आवारा पशु फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं आवारा पशुओं को पड़कर गौशाला भिजवाया जाए, साथ ही चीनी मिलों द्वारा किसानों के गन्ने का बकाया भुगतान जल्द से जल्द दिलाया जाए, जिला अध्यक्ष शमशेर सैफी ने प्रशासन से इन मांगों को गंभीरता से ले कर जल्द से जल्द समस्याओं से छुटकारा दिलाने की मांग की है, इस दौरान ज्ञापन देने वालों में जिला अध्यक्ष शमशेर सैफी, शहाबुद्दीन, फरहान, मारूफ प्रधान, अर्बन, शोएब चौधरी, मोईन, मोहम्मद राजा तथा रिहान आदि सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

सिरसी में पैंठ बाजार की नीलामी सम्पन्न, 16 लाख में ठेका आवंटित

सैय्यद कुमैल ज़ैदी ,सम्भल/सिरसी नगर पंचायत सिरसी में साप्ताहिक पैंठ बाजार एवं विज्ञापन/होर्डिंग/यूनिपॉल ठेकों की नीलामी नगर पंचायत कार्यालय के सभागार में खुली बोली के माध्यम से सम्पन्न हुई। नीलामी प्रक्रिया पूरी तरह शांतिपूर्ण और पारदर्शी रही, जिसकी स्थानीय लोगों ने सराहना की। नीलामी में स्थानीय ठेकेदारों और फर्मों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया, जिससे प्रतिस्पर्धा का माहौल बना रहा। साप्ताहिक पैंठ बाजार के ठेके के लिए मेसर्स ए.आर. कन्स्ट्रक्शन के

प्रोपराइटर मोहम्मद इस्लाम एवं कमर अब्बास 'कमर' ठेकेदार ने सर्वाधिक 16,00,000 रुपये की बोली लगाकर ठेका अपने नाम किया। वहीं, विज्ञापन, होर्डिंग एवं यूनिपॉल के ठेके के लिए गोल्डन कन्स्ट्रक्शन ने 3,00,000 रुपये की उच्चतम बोली लगाकर ठेका प्राप्त किया। गौरतलब है कि कमर ठेकेदार पूर्व में भी पैंठ बाजार का सफल संचालन कर चुके हैं। उनके कार्यकाल में बाजार की व्यवस्थाओं में सुधार और व्यापारिक गतिविधियों में वृद्धि देखी गई थी। इसी कारण इस बार भी उनके ठेका हासिल करने पर दुकानदारों और स्थानीय व्यापारियों में खुशी का माहौल है। दुकानदारों का कहना है कि इस बार भी बाजार में साफ-सफाई, बेहतर सुविधाएं और सुव्यवस्थित संचालन देखने को मिलेगा, जिससे व्यापार को और बढ़ावा मिलेगा। नगर पंचायत प्रशासन ने भरोसा जताया है कि नए ठेकेदार बाजार के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और भविष्य में सुविधाओं को और बेहतर बनाया जाएगा।

एसडीएम व अधिशासी अधिकारी ने किया ईदगाह निरीक्षण, दिए जरूरी दिशा निर्देश

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा: हसनपुरः मंगलवार को ईद की नमाज को लेकर ईदगाह का नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी विजयपाल सिंह एवं उप जिला अधिकारी हिमांशु उपाध्याय ने निरीक्षण कर अधीनस्थों को जरूरी दिशा निर्देश दिए, अधिकारियों ने ईदगाह पर पहुंच कर नगर पालिका द्वारा कराई जा रही सफाई व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया, उप जिलाधिकारी हिमांशु उपाध्याय ने सफाई व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया तथा नगर पालिका को विशेष सफाई,

चूने का छिड़काव एवं पानी के टैंकरों की उचित व्यवस्था तथा अन्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त किए जाने के निर्देश दिए, वहीं सुरक्षा की दृष्टि को देखते हुए एसडीएम हिमांशु उपाध्याय ने ईदगाह के निरीक्षण दौरान पालिका एवं पुलिस प्रशासन को व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए, साथ ही आसपास के बागो का भी निरीक्षण किया साथ ही कोतवाली पुलिस को भी पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल तैनात कर शांति व्यवस्था बनाए रखने के आदेश दिए, उन्होंने कहा कि ईदगाह पर नवाज अदा करने वालों को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी का सामना न करना पड़े, सभी तैयारियां समय रहते किए जाने के एसडीएम ने पालिका एवं पुलिस प्रशासन को निर्देश दिए, वही इस संबंध में अधिशासी अधिकारी विजयपाल सिंह ने बताया कि नगर पालिका कर्मचारियों द्वारा ईदगाह स्थल की एवं आसपास के क्षेत्र की विशेष सफाई व्यवस्था की जा रही है तथा पालिका द्वारा चूने का छिड़काव, पानी के टैंकरों की पूरी व्यवस्था की गई है जो समय रहते उपलब्ध करा दी जाएगी, वही लाइट आदि की व्यवस्था भी दुरुस्त की जा रही है ।

इफ्तार का आयोजन, सौहार्द और भाईचारे का दिया संदेश

» 2027 के चुनाव में विवेक सेन को विधायक देखना चाहती है धामपुर की जनता

लोकतंत्र की शान , खिज़र अहमद

शेरकोट। पवित्र रमज़ान माह के अवसर पर शेरकोट नगर में नगीना सांसद प्रतिनिधि एवं धामपुर विधानसभा से सम्भावित प्रत्याशी विवेक सेन द्वारा एक भव्य रोज़ा इफ्तार कार्यक्रम का आयोजन कराया गया। इस इफ्तार कार्यक्रम में नगर एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में रोज़ेदार, गणमान्य लोग, सामाजिक कार्यकर्ता, व्यापारी और क्षेत्रीय नागरिक शामिल हुए। इफ्तार से पहले सभी लोगों ने मिलकर देश में अमन-चैन, खुशहाली और आपसी भाईचारे की दुआ मांगी। अज़ान के बाद रोज़ेदारों ने एक साथ बैठकर रोज़ा खोला, जिससे कार्यक्रम में भाईचारे और सौहार्द का सुंदर माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर विवेक सेन ने कहा कि रमज़ान का महीना इंसानियत, सब्र और आपसी प्रेम का पैगाम देता है। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम समाज को जोड़ने का काम करते हैं और लोगों के बीच आपसी विश्वास को मजबूत बनाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि समाज में आपसी सौहार्द और एकता बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है और इसी भावना के साथ इस इफ्तार कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को रमज़ान की मुबारकबाद दी और क्षेत्र में शांति, सद्भाव और तरक्की की कामना की। इफ्तार कार्यक्रम में नगर के कई गणमान्य लोग, सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे, जिनकी मौजूदगी से कार्यक्रम और भी भव्य और सफल रहा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मां विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय का किया निरीक्षण

लोकतंत्र की शान

लखनऊ/मीरजापुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को मां विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने परिसर में मौलिश्री का पौधा रोपित किया और विश्वविद्यालय के अकादमिक व प्रशासनिक ब्लॉक का निरीक्षण भी किया। मुख्यमंत्री ने 31 मई तक विश्वविद्यालय का निर्माण पूरा करने, विश्वविद्यालय के अंदर सड़कों का निर्माण करने और परिसर में पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने निर्माण एजेंसी के अधिकारियों को निर्देशित किया कि गुणवत्ता और समयबद्धता का हर हाल में पालन होना चाहिए।

ऐसा पाठ्यक्रम चलाएं, जो युवाओं को कौशल विकास के साथ ही रोजगार से भी जोड़े- मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय प्रशासन से कहा कि यहां ऐसा पाठ्यक्रम चलाएं, जो युवाओं को कौशल विकास के साथ ही रोजगार से भी जोड़े। इसका लाभ मीरजापुर, सोनभद्र समेत आसपास के युवाओं को प्राप्त हो। विश्वविद्यालय प्रशासन ने तृतीय श्रेणी के कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए अधियाचन भेजा है। मुख्यमंत्री ने शासन स्तर से इस पर कार्यवाही का निर्देश दिया।

हसनपुर गैस एजेंसी पर गैस सिलेंडरों के लिए मचा हाहाकार, उपभोक्ताओं ने काटा हंगामा

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर : मंगलवार को हसनपुर गैस एजेंसी के गजरौला मार्ग स्थित गोदाम पर तड़के 4 बजे से ही उपभोक्ताओं की लंबी-लंबी कतारे लगनी शुरू हो गई। मौके पर मौजूद महिलाओं ने बताया कि रमजान का महीना चल रहा है। उनके घरों पर गैस सिलेंडर खत्म हो गये हैं। खाना बनाने के लिए अब उनके पास गैस नहीं है। जिससे परिवार के लिए खाना बनाने की समस्या खड़ी हो गई है। उपभोक्ताओं ने बताया कि नगर की अन्य गैस एजेंसियों पर सिलेंडरो का वितरण हो रहा है। लेकिन हसनपुर गैस एजेंसी स्वामी वितरण नहीं कर रहा है। उपभोक्ताओं ने बताया कि वह पिछले 5 दिनों से गैस एजेंसी पर सिलेंडर लेने के लिए चक्कर काट रहे है। परेशान उपभोक्ताओं ने बताया कि गैस एजेंसी संचालक कोई स्पष्ट जवाब नहीं दे रहे है। घंटों खड़े रहने के बाद थक हार कर उपभोक्ता सिलेंडर के ऊपर ही बैठ गये। वही उपभोक्ताओं का कहना है कि यदि अधिकारियों ने इस हसनपुर गैस एजेंसी हसनपुर पर गैस का सुचारू वितरण नहीं कराया तो स्थिति और भी खराब हो जाएगी, उपभोक्ताओं की मांग है कि जब इस गैस एजेंसी द्वारा गैस का वितरण नहीं हो रहा है तो इस गैस एजेंसी से गैस वितरण को हटाकर किसी अन्य गैस एजेंसी स्वामी को वितरण का अधिकार दिया जाए, इस दौरान घंटों हंगामे की स्थिति बनी रही। लेकिन कोई भी सक्षम अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा, इस दौरान असलम चौधरी, शाहिद अंसारी, गजनफर खान, नसरीन, फातिमा, पुनीत गुप्ता, नरेश, महेंद्र सिंह, शन्नो, अकरम सैफी, जीशान कस्सार, रोहतास सैनी, शाहजहां, परमानंद आदि सहित भारी संख्या में गैस उपभोक्ता लाइन में खड़े नजर आए मौजूद थे।

कैलाश मानसरोवर की यात्रा से लौटे 555 श्रद्धालुओं को सीएम योगी ने प्रदान की 1-1 लाख की सहायता राशि

लोकतंत्र की शान

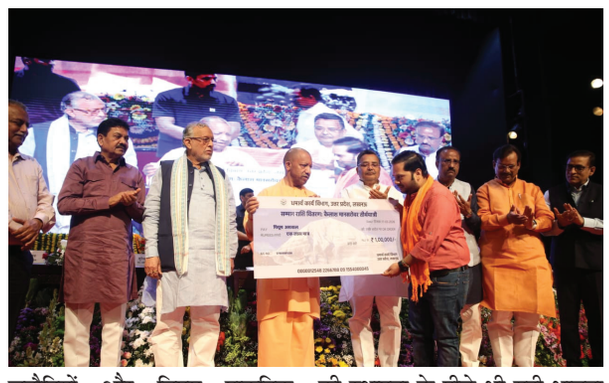

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम में कैलाश मानसरोवर यात्रा से लौटे 555 श्रद्धालुओं को 1-1 लाख की सहायता राशि वितरित करते हुए आस्था, संस्कृति और विकास के समन्वय का स्पष्ट संदेश दिया। उन्होंने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ जैसे आयोजनों में उमड़ी करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था न केवल भारत की सांस्कृतिक शक्ति को दर्शाती है, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी नई गति देती है। इसी दृष्टि के साथ सरकार तीर्थ यात्राओं को सुविधाजनक, सुरक्षित और व्यापक बनाकर 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के संकल्प को मजबूत कर रही है।

तीर्थ यात्रा आस्था के साथ एकता व संस्कारों की परंपरा- कैलाश मानसरोवर यात्रा से लौटे श्रद्धालुओं का अभिनंदन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कठिनाइयों, चुनौतियों और विषम प्राकृतिक परिस्थितियों के बीच इस यात्रा को पूर्ण करना एक अद्भुत आध्यात्मिक अनुभव है। भारतीय सनातन परंपरा में तीर्थ यात्रा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने और राष्ट्र को एकता के सूत्र में पिरोने का सशक्त माध्यम रही है। पूर्वकाल में लोग अपने परिश्रम से अर्जित संसाधनों का उपयोग यात्रा व सेवा में करते थे, जिससे उन्हें पुण्य के साथ-साथ समाज को समझने की नई दृष्टि मिलती थी। भारत के धर्मस्थलों की स्थापना के पीछे भी यही भावना रही है। आदि शंकराचार्य द्वारा चारों दिशाओं में पीठों की स्थापना इस सांस्कृतिक एकता का प्रमाण है, जब अलग-अलग शासन व्यवस्थाओं के बावजूद भारत एक सांस्कृतिक राष्ट्र के रूप में स्थापित था। आज भी यह परंपरा जीवित है और आवश्यक है कि धार्मिक यात्राओं में श्रद्धा को सर्वोपरि रखते हुए उनकी पवित्रता व गरिमा को बनाए रखा जाए, ताकि आने वाली पीढ़ियां इन मूल्यों से प्रेरित होती रहें।

डीआईजी मुरादाबाद का हजरतनगर गढ़ी थाना पर वार्षिक निरीक्षण, व्यवस्थाओं से संतुष्ट-एसपी संभल कृष्ण कुमार व टीम की सराहना

लोकतंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल : संभल के थाना हजरतनगर गढ़ी में डीआईजी मुरादाबाद रेंज मुनिराज द्वारा पुलिस अधीक्षक (एसपी) संभल कृष्ण कुमार की उपस्थिति में वार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया गया। डीआईजी ने थाना परिसर, कार्यालय अभिलेख, मैस, बैरक, हवालात एवं सहायता डेस्क का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण में साफ-सफाई, अभिलेखों के रख-रखाव एवं अनुशासन को उच्च स्तर का पाते हुए थाना प्रभारी हजरतनगर गढ़ी की कार्यशैली की सराहना की। इस दौरान "यक्ष ऐप" एवं "ऑपरेशन त्रिनेत्र" की समीक्षा करते हुए डीआईजी ने अपराध नियंत्रण एवं निगरानी तंत्र को और अधिक मजबूत बनाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तकनीक आधारित पुलिसिंग से अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण संभव हो रहा है। निरीक्षण के दौरान ग्राम प्रहरियों के साथ बैठक कर उन्हें क्षेत्र में सतर्क रहने, छोटी से छोटी घटना की सूचना तत्काल थाना को देने तथा संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए गए। महिला सुरक्षा के दृष्टिगत महिला डेस्क पर तैनात रश्मि मलिक द्वारा किए जा रहे सराहनीय कार्यों की भी डीआईजी ने प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और सहायता के प्रति इस प्रकार की संवेदनशील पहल अत्यंत महत्वपूर्ण है। पुलिस अधीक्षक संभल कृष्ण कुमार के कुशल नेतृत्व में थाना हजरतनगर गढ़ी पुलिस द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों को डीआईजी ने जनपद के लिए एक आदर्श बताया।निरीक्षण के दौरान थाना हजरतनगर गढ़ी की कार्यप्रणाली, अनुशासन एवं जनता के प्रति समर्पण स्पष्ट रूप से देखने को मिला, जो अन्य थानों के लिए प्रेरणास्रोत है।

कम समय में लोकप्रिय हुए सांसद प्रतिनिधि एडवोकेट फहीम अंसारी

जनसमस्याओं के समाधान में सक्रिय, हर समय उपलब्ध रहने की बनी पहचान

लोकतंत्र की शान, खिज़र अहमद

नजीबाबाद। कम समय में अपनी सक्रिय कार्यशैली और जनसेवा के चलते पहचान बनाने वाले नगीना लोकसभा क्षेत्र के सांसद एडवोकेट चन्द्रशेखर आजाद के नजीबाबाद सांसद प्रतिनिधि एडवोकेट फहीम अंसारी इन दिनों क्षेत्र में चर्चा का विषय बने हुए हैं। एडवोकेट फहीम अंसारी ने अल्प समय में ही आम जनता के बीच अपनी मजबूत पकड़ बनाई है। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह मानी जा रही है कि वह हर समय आम लोगों के लिए उपलब्ध रहते हैं और उनकी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुनते हैं। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि फहीम अंसारी लगातार जनहित के कार्यों में सक्रिय रहते हुए प्रशासन और जनता के बीच एक सेतु का काम कर रहे हैं। चाहे किसी की व्यक्तिगत समस्या हो या क्षेत्रीय मुद्दा, वह हर मामले में तत्परता के साथ संबंधित अधिकारियों तक बात पहुंचाने का प्रयास करते हैं। उनकी इसी कार्यशैली के चलते लोगों में उनके प्रति विश्वास बढ़ा है और वे कम समय में ही एक लोकप्रिय जनप्रतिनिधि के रूप में उभरकर सामने आए हैं। स्थानीय नागरिकों का मानना है कि यदि इसी तरह से जनसेवा का सिलसिला जारी रहा, तो आने वाले समय में फहीम अंसारी क्षेत्रीय राजनीति में एक मजबूत पहचान बना सकते हैं।

सपा नेता रामगोपाल यादव ने सरकार पर बोला तीखा हमला

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर/ सैद नंगलीः मंगलवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव ने कस्बा सैद नंगली में एक निजी कार्यक्रम में शिरकत की इस दौरान समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया, कार्यक्रम में उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार पर विभिन्न मुद्दों को लेकर हमला बोला, रामगोपाल यादव ने घरेलू गैस की किल्लत पर सरकार को घेरा उन्होंने कहा कि सरकार भले ही गैस की कमी न होने का दावा कर रही हो लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि लोगों को गैस के लिए लंबी लाइनो में लगना पड़ रहा है और उन्हें डंडे खाने पड़ रहे हैं, उन्होंने आरोप लगाया कि गैस न मिलने के कारण कई ढाबे और होटल बंद होने की कगार पर है, सपा नेताओं पर गैस कालाबाजारी के आरोपों में दर्द मुकदमा को लेकर उन्होंने कहा कि यह सभी मुकदमे झूठे हैं, उन्होंने कहा कि भाजपा से ज्यादा कोई भी कालाबाजारी नहीं कर रहा है वही लोनी में सलीम वास्तविक पर हुए हमले के मामले में रामगोपाल यादव ने कहा कि जीशान और गुलफाम को एनकाउंटर में मार दिया गया, उन्होंने चेतावनी दी कि उनकी पार्टी 2027 के चुनाव का इंतजार कर रही है और जिन लोगों ने एनकाउंटर किया है उन्हें सजा दिला कर सलाखों के पीछे भेजा जाएगा, उन्होंने प्रदेश में कानून व्यवस्था पर भी सवाल उठाए रामगोपाल यादव ने आरोप लगाया कि राज्य में निर्दोष लोगों की हत्या हो रही है और पुलिस हिरासत में भी लोग सुरक्षित नहीं है, उन्होंने जिक्र करते हुए इस पर भी सवाल खड़ा किया, इसके अतिरिक्त उन्होंने यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा में :पंडित; शब्द के इस्तेमाल को लेकर सरकार पर निशाना साधा, उन्होंने कहा कि बाबा ब्राह्मणों के विरोधी हैं, इस मौके पर उनके साथ विधायक कमाल अख्तर, सपा नेता चंद्रपाल सैनी, आरिफ अख्तर, शाहनवाज अंसारी, नितिन आदि सहित भारी संख्या में सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

साहनपुर में रिक्शा यूनियन की मनमानी, बिना अनुमति बढ़ाया किराया

» 10 से 15 रुपये किया गया न्यूनतम किराया, एसीबीडब्लूएफ ने डीएम-एसडीएम से की शिकायत

लोकतंत्र की शान, खिज़र अहमद

नजीबाबाद : नजीबाबाद तहसील क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कस्बा साहनपुर में रिक्शा किराया बढ़ाए जाने को लेकर विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई है। आरोप है कि हाल ही में गठित रिक्शा यूनियन द्वारा बिना किसी प्रशासनिक अनुमति के न्यूनतम किराया 10 रुपये से बढ़ाकर 15 रुपये कर दिया गया है। इस निर्णय के बाद क्षेत्र में असंतोष का माहौल बना हुआ है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि अचानक किराया बढ़ने से उनके दैनिक खर्चों में वृद्धि हुई है, जिससे मजदूर वर्ग, छात्र-छात्राएं और छोटे व्यापारी विशेष रूप से प्रभावित हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार साहनपुर के आसपास के अन्य क्षेत्रों में अभी भी रिक्शा का किराया 10 रुपये ही लिया जा रहा है, जबकि केवल साहनपुर में इसे बढ़ाकर 15 रुपये कर दिया गया है। वहीं, इस मामले को लेकर क्षेत्रीय सामाजिक संस्था एंटी करप्शन ब्यूरो एंड वेलफेयर फाउंडेशन (ACBWF) ने प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है। संस्था की डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेटिव रंजना सैनी द्वारा उपजिलाधिकारी नजीबाबाद एवं जिलाधिकारी बिजनौर को लिखित शिकायत भेजी गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि रिक्शा चालकों द्वारा सवारियों से जबरन अधिक किराया वसूला जा रहा है, जो नियमों के विरुद्ध है। संस्था ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और यदि किराया वृद्धि अवैध पाई जाती है, तो इसे तत्काल प्रभाव से निरस्त करते हुए संबंधित लोगों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाए। फिलहाल, पूरे मामले को लेकर स्थानीय लोगों की निगाहें प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

संक्षिप्त समाचार

सड़क पार करने के लिए दबाना होगा बटन

लोकतंत्र की शान : पटना। पटना जू के सामने पैदल यात्रियों की सुविधा के लिए विदेशों की तर्ज पर विशेष सिग्नल लाइट लगाई जाएगी। सड़क पार करने के लिए पैदल यात्रियों को केवल एक बटन दबाना होगा। पटना नगर निगम के वार्षिक बजट में मुख्यमंत्री सात निश्चय योजना के तहत इसपर फैसला लिया गया है। बटन दबाने पर रेड लाइट जलेगी, जिससे सड़क के दोनों लेन में वाहनों की आवाजाही रुक जाएगी। लोगों के पार होने के बाद ग्रीन लाइट हो जाएगी। यात्रियों के समूह के पार होने के बाद दोबारा 20 मिनट बाद ही फिर से यह बटन काम करेगा। फिलहाल इसे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया जाएगा।

नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने बताया कि सड़क पार करने के लिए हर 20 मिनट में पैदल यात्री बटन दबाकर ट्रैफिक रोक सकेंगे। इसके सफल होने पर अन्य भीड़-भाड़ वाले इलाकों और स्कूलों के पास भी लगाया जाएगा। फुट ओवरब्रिज या अंडरपास बनने तक यह व्यवस्था जारी रहेगी। दरअसल, नगर निगम की सशक्त स्थायी समिति की 5वीं विशेष बैठक (बजट 2026-27) सोमवार को निगम मुख्यालय में आयोजित की गई। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 2914 करोड़ रुपए का बजट पेश किया गया। यह बजट पिछले साल की तुलना में 59 करोड़ रुपए अधिक है, हालांकि आय-व्यय के गणित में यह 8 करोड़ रुपए के घाटे का बजट दर्शाया गया है। अब इसे अंतिम स्वीकृति के लिए निगम पर्षद की बोर्ड बैठक में रखा जाएगा। अब पटना की सड़कों पर IOT आधारित सेंसर वाली स्मार्ट लाइटें लगेंगी, जो रोशनी कम होते ही खुद ही जल जाएंगी और सुबह होते ही बुझ जाएंगी। इसके लिए पूरे शहर में नए सिरे से सर्वे कराया जाएगा, ताकि नई कॉलोनियों और गलियों को भी रोशनी से जोड़ा जा सके। इन लाइटों के लिए सेंट्रलाइज्ड कमांड सेंटर भी रहेगा। अभी फिलहाल शहर में करीब 82 हजार लाइट इंस्टॉल है।

अवैध धंधों पर जल्द होगी सख्त कार्रवाई-एसपी

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग ने 17 मार्च को वैशाली थाना परिसर में जनता दरबार का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने आम नागरिकों की समस्याएं सुनीं और अवैध धंधों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। जनता दरबार में थानाध्यक्ष वैशाली, स्थानीय नागरिक और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। जनता दरबार में बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी शिकायतें दर्ज कराईं। इनमें भूमि विवाद, आपसी मारपीट, यातायात व्यवस्था में सुधार, साइबर ठगी और असामाजिक तत्वों की गतिविधियों से संबंधित मामले प्रमुख थे। पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को इन मामलों के त्वरित, निष्पक्ष और समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए। एसपी ने पुलिस अधिकारियों को क्षेत्र में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ करने, अपराध नियंत्रण, रात्रि गश्ती बढ़ाने और आम लोगों की शिकायतों के समाधान में संवेदनशीलता तथा तत्परता बरतने का निर्देश दिया। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट चेतावनी दी कि अवैध धंधे अब बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि वैशाली गढ़ के होटलों पर पुलिस की विशेष नजर है और अवैध कारोबारियों के खिलाफ जल्द ही बड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्थानीय लोगों से अपील की कि वे किसी भी आपराधिक गतिविधि या संदिग्ध व्यक्ति की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। वैशाली पुलिस को अलर्ट मोड पर रहने और शिकायत मिलते ही कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। एसपी ने बताया कि जनता दरबार में क्षेत्र के मुखिया, पंचायत समिति सदस्य और सरपंच सहित अन्य जनप्रतिनिधियों को भी बुलाया गया था। उन्होंने कई छोटी-बड़ी समस्याओं से अवगत कराया। मुख्य रूप से नशे के सेवन और कारोबार पर अंकुश लगाने तथा पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की गई, ताकि ऐसी घटनाओं पर रोक लग सके। व्यक्तिगत शिकायतों में लगभग एक दर्जन मामले जमीनी विवाद से संबंधित थे। एसपी ने आश्वासन दिया कि इन समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित सिविल प्रशासन के अधिकारियों के साथ मिलकर कार्य किया जाएगा।

स्कूल से लाखों का सामान चोरी, शाहदुल्लापुर उत्क्रमित मध्य विद्यालय को चोरों ने बनाया निशाना

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। लालगंज थाना क्षेत्र में चोरी की घटनाओं का सिलसिला जारी है। अब चोरों ने शिक्षा के मंदिर कहे जाने वाले विद्यालयों को भी निशाना बनाना शुरू कर दिया है। ताजा घटना शाहदुल्लापुर गांव स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय शाहदुल्लापुर की है, जहां अज्ञात चोरों ने कार्यालय कक्ष का ताला तोड़कर लाखों रुपये का सामान चुरा लिया। सोमवार सुबह जब शिक्षक-शिक्षिकाएं विद्यालय पहुंचे, तो उन्होंने कार्यालय कक्ष का ताला टूटा हुआ पाया। जांच करने पर पता चला कि कार्यालय से दो साउंड सिस्टम, तीन कॉर्डलेस माइक, एक ढोलक, एक कैसियो, एक एम्प्लीफायर, एक यूनिट और दो सीलिंग फैन सहित कई अन्य सामान गायब थे। घटना की जानकारी मिलते ही विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक विवेक कुमार ने तुरंत अन्य शिक्षकों, विद्यालय शिक्षा समिति के सदस्यों, गांव के जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को सूचित किया। इसके बाद डायल 112 पुलिस को भी घटना की सूचना दी गई। सूचना पर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच-पड़ताल शुरू की। प्रभारी प्रधानाध्यापक विवेक कुमार ने चोरी की इस घटना के संबंध में लालगंज थाना में लिखित आवेदन देकर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से लोगों में दहशत का माहौल है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से चोरों की जल्द गिरफ्तारी और इलाके में नियमित गश्ती बढ़ाने की मांग की है।

गंगा किनारे मिला शव, सिर में गंभीर चोट के निशान

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली के देसरी थाना क्षेत्र के गनियारी गांव स्थित गंगा किनारे एक अज्ञात शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मंगलवार सुबह स्थानीय लोगों ने नदी किनारे शव पड़ा देखा, जिसके बाद बड़ी संख्या में भीड़ जुट गई। शव की स्थिति देखकर ग्रामीणों ने आशंका जताई कि व्यक्ति की कहीं और हत्या कर शव को यहां लाकर फेंका गया है। शव काफी देर से गंगा नदी किनारे पड़े होने के कारण उसकी पहचान कर पाना मुश्किल हो रहा था। सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पहुंची और क्राइम एरिया की घेराबंदी की। घटना की जानकारी एफएसएल टीम को दी गई। इसके बाद, एफएसएल की टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच के लिए नमूने एकत्र किए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल भेज दिया है। मामले की जांच पड़ताल जारी है। देसरी थाना अध्यक्ष अभिषेक कुमार ने बताया कि स्थानीय लोगों से सूचना मिली थी कि गनियारी गंगा घाट किनारे एक युवक का शव पड़ा है। घटनास्थल पर पहुंचकर जांच की गई। अभिषेक कुमार के अनुसार, स्थानीय लोगों से पूछताछ में सामने आया है कि युवक को गिरने के कारण सिर में गंभीर चोट आई थी। उसके सिर में जख्म के निशान थे। उन्होंने बताया कि घटनास्थल पर एफएसएल टीम को बुलाया गया था, जिसने नमूने एकत्र किए हैं। फिलहाल, शव की पहचान नहीं हो पाई है और उसे पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेजा गया है।

सहरसा में एलपीजी आपूर्ति पर प्रशासन सतर्क, 24×7 कंट्रोल रूम सक्रिय

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाता: जिले में एलपीजी गैस आपूर्ति को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। समाहरणालय, सहरसा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार जिले में वर्तमान में लगभग 3.78 लाख गैस उपभोक्ता हैं, जिनकी दैनिक आपूर्ति की आवश्यकता करीब 5202 सिलेंडर है। यह आपूर्ति नियमित रूप से संचालित की जा रही है। प्रशासन ने बताया कि व्यावसायिक उपयोग के लिए सिलेंडरों की दैनिक आवश्यकता 99 है, जिस पर फिलहाल निगरानी रखी जा रही है। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए कुल मिलाकर 7922 गैस सिलेंडरों की आवश्यकता आंकी गई है, जो मांग के अनुरूप उपलब्ध कराई जा रही है। सरकारी संस्थानों जैसे जेल, अस्पताल और होटल आदि में भोजन व्यवस्था सुचारू रखने के लिए गैस कंपनियों को पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। जिले में कहीं भी एलपीजी गैस की कमी की स्थिति नहीं है। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गैस एजेंसियों के साथ नियमित समीक्षा बैठकें की जा रही हैं। आपूर्ति व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों और पुलिस बल की भी प्रतिनियुक्ति की गई है। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर उपभोक्ता कंट्रोल रूम के टोल फ्री नंबर 06478-222753 पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इसके लिए 24×7 ड्यूटी पर कर्मियों की तैनाती की गई है, जो विभिन्न शिफ्टों में कार्य कर रहे हैं। इसके अलावा अनुमंडल एवं पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में गैस वितरण पर निगरानी रखें और आवश्यकतानुसार त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें, ताकि आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

तेजस्वी की फ्लाइट कोलकाता की जगह गुवाहाटी डायवर्ट

लोकतंत्र की शान , पटना

बिहार में अगले कुछ दिनों तक मौसम में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग ने आज यानी मंगलवार को 20 जिलों में आंधी-बारिश को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 40KM/H की रफ्तार से हवा चल सकती है। वहीं बाकी जिलों में मौसम सामान्य रहने की संभावना है। मौसम विभाग का अनुमान है कि इस दौरान राज्य का अधिकतम तापमान 34 से 38 डिग्री के बीच रह सकता है। वहीं मौसम खराब होने की वजह से तेजस्वी की फ्लाइट कोलकाता की जगह गुवाहाटी में लैंड करानी पड़ी। तेजस्वी यादव सोमवार की शाम इंडिगो की फ्लाइट से पटना से कोलकता के लिए निकले थे। इधर, सोमवार को रक्सौल में तेज आंधी के साथ मौसम ठंडा हो गया, जबकि बगहा में बादल छाए रहे और तेज हवाएं चलती रहीं। वहीं किशनगंज के पौआखाली और उसके आसपास के कई इलाकों में तेज बारिश के साथ ओले भी गिरे। अररिया में भी देर शाम तेज हवा के साथ ओले गिरे। बीते 24 घंटे में 36 डिग्री के आसपास तापमान के साथ नालंदा गर्म जिला रहा। वहीं, पटना का टेंपरेचर भी 35 डिग्री के आसपास रहा। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि मौसम में बदलाव की वजह से उत्तर और पूर्वी बिहार के जिलों में बारिश और तेज हवा का असर अधिक रहने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार बिहार में अगले सात दिनों तक मौसम में बदलाव दिख सकता है। इस दौरान कई जिलों में बादल, गरज-चमक और तेज हवा के साथ हल्की बारिश हो सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर और पूर्वी बिहार के जिलों में इसका असर ज्यादा रहेगा, जबकि दक्षिण और पश्चिम बिहार में मौसम सामान्य रहेगा।

जिला स्तरीय समन्वय बैठक में योजनाओं की समीक्षा, लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन के निर्देश

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाता: जिलाधिकारी श्री दीपेश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं एवं न्यायिक मामलों की वर्तमान स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में ग्रामीण विकास विभाग, शिक्षा विभाग, सामाजिक सुरक्षा कोषांग, कल्याण एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, पशुपालन कार्यालय, मत्स्य कार्यालय, स्वास्थ्य विभाग तथा जिला पंचायती राज विभाग सहित अन्य विभागों की योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति पर चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को योजनाओं के प्रभावी और तेज क्रियान्वयन के निर्देश देते हुए लंबित न्यायिक मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा। समीक्षा के दौरान वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सभी प्रखंडों में एलपीजी गैस वितरण की व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को नियमित निगरानी रखने, प्राप्त शिकायतों का त्वरित निष्पादन करने तथा संवेदनशील स्थलों पर सतत चौकसी बनाए रखने का निर्देश दिया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त श्री गौरव कुमार, अपर समाहर्ता श्री निशांत, अपर समाहर्ता (आपदा प्रबंधन) श्री संजीव कुमार चौधरी, अपर समाहर्ता (वि० जांच) श्री गणेश कुमार, सिविल सर्जन सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पटना में कांग्रेस का प्रदर्शन, पुतला फूंका

लोकतंत्र की शान , पटना

राज्यसभा चुनाव के पांच पदों वोटिंग हुई थी। जिसमें महागठबंधन के 4 विधायक वोट देने नहीं पहुंचे थे, जिसमें कांग्रेस के 3 विधायक शामिल थे। एनडीए सरकार के वोट चोर, विधायक चोर नीति के खिलाफ कांग्रेस ने आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम के गेट के सामने पुतला दहन किया। इसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम मौजूद हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी जिंदाबाद, विधायक चोरी बंद करो, राजेश राम जिंदाबाद, वोट चोर गद्दी चोर जैसे नारे लगा रहे हैं। इस मौके पर राजेश राम ने कहा कि लोग दबाव में हैं। स्वतंत्र नहीं हैं। सारी मीटिंग की प्रक्रिया चली। अचानक क्या हुआ जब उनसे बात होगी तो पता चलेगा। पार्टी नेतृत्व हमेशा तय करती है। वे आजाद हैं या गुलाम हैं वे ही बताएंगे।

अल्पसंख्यक-ओबीसी वर्ग से उम्मीदवार होना चाहिए था: वहीं, मनिहारी से कांग्रेस विधायक मनोहर प्रसाद सिंह ने कहा कि महागठबंधन की ओर से दलित, अल्पसंख्यक या ओबीसी वर्ग से उम्मीदवार नहीं बनाया गया। इन वर्गों की अनदेखी कर अन्य कोटे से प्रत्याशी उतारा गया, जिसके विरोध में मैंने मतदान का बहिष्कार किया।

विधायकों को सम्मान नहीं मिलेगा तो वोट भी नहीं मिलेगा: फारबिसगंज से कांग्रेस विधायक मनोज विश्वास ने कहा कि जब पार्टी के विधायकों को ही सम्मान नहीं मिलेगा तो वोट देने का कोई मतलब नहीं रह जाता। AD सिंह के अलावा दूसरा कैंडिडेट होता तो जरूर वोट देते। पार्टी की कार्रवाई के लिए तैयार हूं।

मां के इलाज में व्यस्त था: ढाका से राजद विधायक फैसल रहमान ने बताया कि पारिवारिक वजह के कारण मैं राज्यसभा चुनाव के मतदान में शामिल नहीं हो सका। मैं अपनी बीमार मां रुक्साना खातून के इलाज के लिए दिल्ली में हूं।

राजद ने उम्मीदवार गलत चुना: कांग्रेस विधायक सुरेंद्र ने कहा कि एक सीट का मौका था, महागठबंधन के पास दीपक यादव जी से बेहतर उम्मीदवार कौन हो सकता था, वह भी नहीं तो मुकेश सहनी थे, लेकिन उन्हें मौका ना देकर ऐसे वर्ग के व्यक्ति को उम्मीदवार बना दिया गया, जिसका जनाधार महागठबंधन के खिलाफ है। मैं NDA का साथ दे नहीं सकता हूं और राजद ने उम्मीदवार गलत चुना तो मैने वोट नहीं देना ही बेहतर समझा।

नगर परिषद में पार्षदों से अभद्र व्यवहार, बजट बैठक के बाद मारपीट, जान से मारने की धमकी

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना के नौबतपुर नगर परिषद में बजट बैठक के बाद वार्ड पार्षदों के साथ गाली-गलौज और मारपीट हुई। नौबतपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। आरोप है कि एक वार्ड पार्षद के बेटे ने अपने साथियों के साथ मिलकर पार्षदों को जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। यह घटना सोमवार देर शाम नौबतपुर नगर परिषद परिसर में हुई। बजट बैठक समाप्त होने के बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया, जब कुछ लोगों ने पार्षदों के साथ अभद्र व्यवहार किया। वार्ड संख्या-12 के पार्षद सुभाष कुमार ने बताया कि एक वार्ड पार्षद का बेटा ऋतुराज अपने कुछ लोगों के साथ नगर परिषद परिसर में घुस आया। आरोप है कि इन लोगों ने वहां मौजूद वार्ड पार्षदों के साथ गाली-गलौज की, मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी।

जल्द गिरफ्तारी की मांग: आधा दर्जन वार्ड पार्षदों ने नौबतपुर थाना में दो लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है। शिकायत में विशेष रूप से एक पार्षद के बेटे पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पार्षदों का कहना है कि आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर कार्यालय में जबरन प्रवेश किया और बैठक के बाद पार्षदों को निशाना बनाया। घटना के बाद वार्ड पार्षदों ने प्रशासन से आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है। मामला दर्ज कराने वाले वार्ड पार्षदों में सुभाष कुमार, चंद्र किशोर, उदय शर्मा, विकास कुमार, सुनीता कुमारी एवं जीनत प्रवीण शामिल हैं।

नगर परिषद में अपना वर्चस्व कायम करना चाहते: वार्ड सदस्य सुभाष कुमार ने बताया कि ऋतुराज वार्ड 1 पार्षद के बेटा हैं। उन पर पहले भी नौबतपुर थाने में 4 मामले दर्ज हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि पहले भी कई वार्ड पार्षदों के साथ मारपीट और अभद्र व्यवहार किया है। नौबतपुर थाना में पहले भी मामला दर्ज कराया जा चुका है। इसके बावजूद भी वे नौबतपुर नगर परिषद में अपना वर्चस्व कायम करना चाहते हैं। कई वार्ड पार्षदों ने यह भी आरोप लगाया है कि कार्यपालक पदाधिकारी से शिकायत करने के बावजूद भी कार्यपालक पदाधिकारी ने इस मामले में किसी तरह का कोई संज्ञान नहीं लिया। इससे कार्यपालक पदाधिकारी और ऋतुराज की साठगांठ उजागर होती है।

बाढ़ में किसान 2 दिन से लापता, अपहरण का आरोप

लोकतंत्र की शान , पटना

♦ परिजन बोले- फसल काटने के लिए घर से निकले थे, फिर नहीं लौटे

बाढ़ अनुमंडल के बेलछी थाना अंतर्गत कोरारी गांव से 15 मार्च से संतोष कुमार (38) लापता है। परिजनों ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। परिजनों ने संतोष के पार्टनर श्रवण कुमार पर अपहरण का आरोप लगाया है। परिजनों के अनुसार, संतोष ने लगभग एक साल पहले पार्टनरशिप में एक फसल काटने की मशीन खरीदी थी, जिसमें उन्होंने साढ़े 7 लाख रुपए का निवेश किया था। पिछले 4 महीने से वह अपने साढ़े 7 लाख रुपए वापस मांग रहे थे, जिसके लिए उन्हें लगातार हत्या की धमकियां मिल रही थीं।

15 मार्च को सुबह 6 बजे संतोष मसूर की फसल कटवाकर घर लौट रहे थे, जिसके बाद से वह लापता हैं। संतोष की पत्नी रानी देवी ने बताया कि उनके पति का पार्टनर मंगलवार को पैसे देने के लिए राजी हो गया था। परिजनों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की है।बेलछी थाना अध्यक्ष नवीन कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। संतोष कुमार कर्ज में हैं और इस कारण भी वह बिना बताए घर से बाहर जा सकते हैं। नवीन कुमार के अनुसार, लगभग दो साल पहले भी संतोष 15 दिनों के लिए बिना बताए घर से चले गए थे। पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है और जल्द ही इसका खुलासा करने की बात कही है।

बीजेपी ऑफिस में फूटे पटाखे-मखाने की माला से स्वागत

लोकतंत्र की शान , पटना

बिहार में राज्यसभा की पांचों सीटों पर एनडीए की जीत के बाद पटना के भाजपा प्रदेश कार्यालय में उत्सव मनाया गया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिन नवीन और शिवेश राम जीत के बाद भाजपा कार्यालय पहुंचे। उनके पहुंचते ही कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों के साथ उनका स्वागत किया। कार्यालय परिसर में कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की। एक-दूसरे को मिठाई खिलाई और पटाखे फोड़कर जीत का जश्न मनाया। इस दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद नितिन नवीन, बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, केंद्रीय मंत्री मंगल पांडेय सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी नेताओं का फूल-मालाओं से स्वागत किया गया और मखाना का माला पहनाया गया।

यह जनता की जीत है- सम्राट चौधरी: राज्यसभा चुनाव में एनडीए की जीत पर उपमुख्यमंत्री सम्राट

चौधरी ने कहा, यह जीत जनता के विश्वास और समर्थन की जीत है। बिहार की जनता ने एनडीए पर भरोसा जताया है और विधायकों ने एकजुट होकर इस जीत को संभव बनाया है। मैं सभी विधायकों का धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने हमें समर्थन दिया और यह जीत दिलाई। यह लोकतंत्र में जनता के विश्वास और एनडीए की एकजुटता का परिणाम है।

बिहार कांग्रेस बचाओ महासम्मेलन का आयोजन

लोकतंत्र की शान , पटना

♦ कांग्रेस के नेता बोले- राजेश राम-अल्लावरु का पुतला जलना चाहिए, दिल्ली में करेंगे प्रदर्शन

बिहार कांग्रेस में अपनी ही पार्टी से नाराज चल रहे कांग्रेसियों ने पटना में बिहार कांग्रेस बचाओ महासम्मेलन का आयोजन किया। इस महासम्मेलन में पूरे बिहार से AICC, PCC डेलिगेट्स पहुंचे हुए थे। पूर्व AICC सदस्य आनंद माधव ने कहा कि आज हर प्रखंड, हर जिले से कांग्रेस के कार्यकर्ता आए हैं। जिला अध्यक्ष और सेक्रेटरी भी यहां मौजूद हैं। बिहार में कांग्रेस निचले पायदान पर पहुंच गई है इसलिए उसे बचाने की आवश्यकता है। अगर आज हम उसे नहीं बचाएंगे तो फिर 2029 का रास्ता साफ नहीं होगा। राहुल गांधी को देश का प्रधानमंत्री बनने के लिए हमें बिहार के कांग्रेसियों को जगाना है और इसलिए आज इस महासम्मेलन का आयोजन किया गया है। हम लोगों ने बिहार कांग्रेस बचाओ अभियान मोर्चा खोला है।

इस सम्मेलन में शामिल होने वाले लोगों को कार्रवाई की दी जा रही थी धमकी: उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में शामिल नहीं होने के लिए सभी पीसीसी डेलिगेट्स और जिला अध्यक्षों को फोन गया। यहां तक की कार्रवाई करने की भी बात कही गई। ये लोग भय का वातावरण पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। अब तो उनके विधायक ही इनके बस में नहीं है। कल राज्यसभा चुनाव के लिए तो ये लोग आए ही नहीं थे। वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष घर-घर जाकर विधायकों को ढूंढ रहे थे और उनके परिजनों को धमकी दे रहे थे की कानूनी कार्रवाई करेंगे।

राजेश राम और कृष्णा अल्लावरू का पुतला जलना चाहिए: बिहार में कांग्रेस की बहुत दयनीय स्थिति हो गई है। आज पूरे देश में बिहार कांग्रेस ने कांग्रेस को लज्जित किया है। सच्चाई यह है कि राजेश राम और कृष्णा अल्लावरू का पुतला जलना चाहिए। यह लोग किसी लायक नहीं है। यह दोनों व्यापारी और एजेंट है। इन लोगों को चुल्लू भर पानी में डूब मरना चाहिए। उन दोनों को यहां से खदेड़ना है और इसके लिए जो कीमत चुकानी होगी हम चुकाएंगे। आज के सम्मेलन के बाद हम लोग अपनी बातें दिल्ली आलाकमान तक पहुंचाएंगे। अगर हमारी बातें नहीं सुनी जाएगी तो फिर हम दिल्ली में इंदिरा भवन के सामने धरना भी देंगे। हमारी लड़ाई सच के साथ है।

ख़ास ख़बर

लीला स्कूल मड़वास के छात्र अर्पित ने किया कमाल नवोदय विद्यालय में 7वे रैंक में चयन

लोकतंत्र की शान, सीधी। शिक्षा के क्षेत्र में एक बार फिर लीला इंटरनेशनल स्कूल मड़वास ने अपनी उत्कृष्टता का परिचय दिया है। विद्यालय के प्रतिभाशाली छात्र अर्पित गुप्ता ने जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 2026 में शानदार सफलता प्राप्त कर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन कर दिया है। अर्पित गुप्ता ने इस प्रतिष्ठित परीक्षा मे जिला स्तरीय मेरिट सूची में रैंक 7 प्राप्त कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उनका कुल स्कोर 93.75 रहा, जो उनकी मेहनत, लगन और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। परीक्षा में अर्पित ने मानसिक क्षमता में 48.75 अंक, गणित में 22.50 अंक और भाषा विषय में 22.50 अंक प्राप्त किए। इस बेहतरीन प्रदर्शन के आधार पर उन्हें जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रवेश हेतु चयनित किया गया है। यह उपलब्धि न केवल अर्पित के लिए, बल्कि उनके परिवार, विद्यालय और पूरे मड़वास क्षेत्र के लिए गर्व का विषय बन गई है। अर्पित के पिता अरविंद कुमार गुप्ता ने अपने बेटे की इस सफलता पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि हमारे बेटे की मेहनत रंग लाई है और हमें उस पर गर्व है। विद्यालय के प्राचार्य ने भी इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि लीला इंटरनेशनल स्कूल हमेशा से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। अर्पित की सफलता इस बात का प्रमाण है कि सही मार्गदर्शन और मेहनत से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। स्कूल के शिक्षकों ने बताया कि अर्पित शुरू से ही पढ़ाई में तेज और अनुशासित छात्र रहा है। वह नियमित रूप से अपनी पढ़ाई करता था और हर विषय को गहराई से समझने की कोशिश करता था। विद्यालय में इस उपलब्धि को लेकर उत्साह का माहौल है। अन्य छात्रों के लिए भी यह प्रेरणा का स्रोत बन गया है। स्कूल प्रबंधन ने अर्पित को सम्मानित करने की घोषणा की है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।अर्पित ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों और विद्यालय के सकारात्मक वातावरण को दिया है। उन्होंने कहा कि मैं आगे भी इसी तरह मेहनत करता रहूंगा और देश का नाम रोशन करूंगा।

हर तरफ जाम ही जाम, खरीदारी करने निकले लोग हुए परेशान

» मुख्य बाजार और चौराहों पर रोज लग रहा जाम, राहगीर और व्यापारी परेशान

लोकतंत्र की शान, खिज़र अहमद : नजीबाबाद। नगर में लगातार बढ़ रही ई-रिक्शाओं की संख्या अब ट्रैफिक व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती बनती जा रही है। शहर के प्रमुख मार्गों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में आए दिन जाम की स्थिति बनी रहती है, जिससे आम लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। खासतौर पर मुख्य बाजार, बस स्टैंड और चौक-चौराहों पर ई-रिक्शा चालकों द्वारा मनमाने ढंग से वाहन खड़े कर सवारियां भरने से सड़कें संकरी हो जाती हैं। इसी वजह से वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं और यातायात प्रभावित होता है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि ई-रिक्शाओं के संचालन के लिए कोई ठोस व्यवस्था या निर्धारित रूट नहीं है, जिसके चलते अव्यवस्था लगातार बढ़ रही है। पैदल चलने वाले लोग भी इस जाम और भीड़ के कारण परेशान नजर आते हैं। प्रशासन द्वारा समय-समय पर कार्रवाई के दावे किए जाते हैं, लेकिन स्थिति में कोई खास सुधार नहीं हो पा रहा है। लोगों ने मांग की है कि ई-रिक्शाओं के लिए निश्चित स्टैंड और रूट तय किए जाएं, ताकि ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू बनाया जा सके। अगर जल्द ही इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाले समय में हालात और भी गंभीर हो सकते हैं।

सीकर में दो स्कूल बसों की टक्कर में एक बस पलटी, 36 बच्चे घायल

लोकतंत्र की शान : सीकर। जिले के दादिया थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह निजी स्कूल की दो बसों की आपस में टक्कर हो गई। टक्कर के बाद एक बस सड़क किनारे पलट गई। हादसे में दोनों बसों में सवार करीब 36 बच्चे घायल हो गए। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार हादसा दुर्गापुरा नाड़ी जोहड़ी के पास उस समय हुआ, जब दोनों बसें बच्चों को घर से स्कूल लेकर जा रही थीं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ओवरटेक करने के प्रयास में दोनों बसें आपस में टकरा गईं। दादिया थानाधिकारी बुद्धिप्रसाद ने बताया कि दोनों बसें वृंदा वैली स्कूल की हैं। टक्कर के बाद एक बस सड़क से नीचे की ओर पलट गई, जबकि दूसरी बस के चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए। इससे बस में बैठे बच्चों के सिर और मुंह आगे की सीटों से टकरा गए और कई बच्चों को चोटें आईं। हादसे की सूचना मिलते ही दादिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को एंबुलेंस और निजी वाहनों के जरिए पिपराली के सरकारी अस्पताल और सीकर के एसके अस्पताल पहुंचाया गया। बताया जा रहा है कि दोनों बसों में सवार अधिकांश बच्चे प्राथमिक कक्षाओं के थे। फिलहाल सभी बच्चों का अस्पताल में उपचार जारी है और पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

गुरुग्रामः मेट्रो बैरिकेड्स से टकरा कर कार पलटी, बाल-बाल बचा ड्राइवर

लोकतंत्र की शान : गुरुग्राम। सुभाष चौक के पास मंगलवार सुबह टाटा नेक्सन कार मेट्रो निर्माण स्थल के बैरिकेड्स से टकरा कर पलट गई। राहगीरों ने कार के शीशे तोड़कर कड़ी मशक्कत के बाद ड्राइवर को कार से बाहर निकाला। कार पलटने से ड्राइवर को गंभीर चोटें तो नहीं आई, लेकिन लोगों ने उसे नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है। हादसे के बाद ट्रैफिक काफी प्रभावित हो गया और लंबा जाम लग गया। सुबह-सुबह पुलिस की ड्यूटी नहीं होने के कारण लोगों ने ही जाम को खोलने में मदद की। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार चालक सामान्य गति से जा रहा था तभी बेरिकेड्स का एक हिस्सा अचानक तिरछा हो गया और कार चालक का संतुलन बिगड़ गया और कार पलटकर सड़क पर जा गिरी। आस पास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और ड्राइवर को कार से बाहर निकाला। कार चालक की हालत स्थिर बताई जा रही है और इस संबंध में अभी पुलिस को कोई शिकायत नहीं दी गई है। हुडा सिटी सेंटर से पुराने गुरुग्राम तक मेट्रो विस्तार का कार्य चल रहा है, जिसके चलते सड़क के बीचों-बीच बेरिकेड्स लगाए गए हैं। लोगों का आरोप है कि ये बेरिकेड्स सही तरीके से नहीं लगाए गए जिसके कारण हादसों का खतरा बना रहता है।

राजस्थान में मेगा हाईवे पर निजी बस–ट्रोला की आमने-सामने टक्कर, पांच यात्रियों की मौत

लोकतंत्र की शान

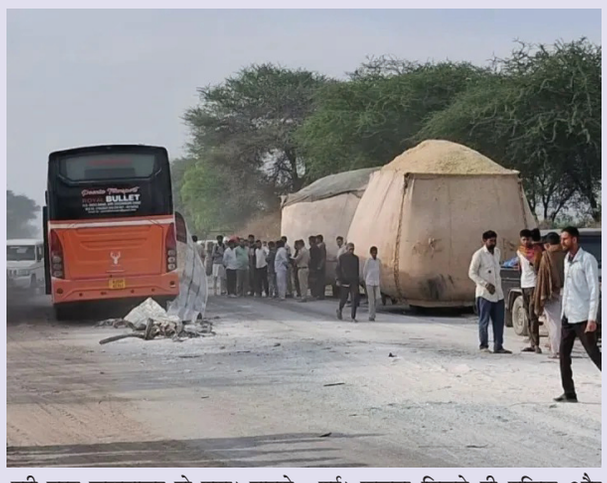

हनुमानगढ़। जिले में मंगलवार सुबह बड़ा सड़क हादसा हो गया। रावतसर थाना क्षेत्र में सरदारशहर रोड स्थित बरमसर के पास मेगा हाईवे पर एक निजी बस और ट्रोले की आमने-सामने भिड़ंत में पांच यात्रियों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। इनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। निजी बस श्रीगंगानगर से जयपुर जा रही थी। इसी दौरान सड़क किनारे सरसों से भरी दो ट्रॉलियां खड़ी थीं। बस चालक उन्हें ओवरटेक कर रहा था, तभी सामने से आ रहे ट्रोले से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और राहत व बचाव कार्य शुरू किया। स्थानीय लोगों ने भी घायलों को बस से बाहर निकालने में मदद की। सभी घायलों को एम्बुलेंस की सहायता से रावतसर अस्पताल पहुंचाया गया। एसडीएम संजय अग्रवाल ने बताया कि अस्पताल पहुंचने से पहले ही पांच यात्रियों की मौत हो चुकी थी। गंभीर रूप से घायल 3-4 लोगों को हनुमानगढ़ जिला अस्पताल रेफर किया गया है, जबकि 7 घायलों का इलाज रावतसर अस्पताल में चल रहा है। हादसे में मारे गए पांच लोगों में से तीन मृतकों की पहचान हो चुकी है, जिनमें अजय बंसल पुत्र श्यामलाल बंसल, श्यामलाल, हरिराम पुत्र हनुमान प्रसाद हैं। ये लोग हनुमानगढ़ टाउन के रहने वाले थे। पुलिस एक महिला और पुरुष के शव की पहचान के प्रयास में जुटी हुई है। हादसे में सुमन पत्नी अमित सोनी उम्र 38 साल निवासी श्रीगंगानगर, महेन्द्र कुमार पुत्र जगदीश सुथार उम्र 39 साल निवासी श्रीगंगागनर, आदित्य पुत्र अशोक कौशल उम्र 17 साल, अरविन्द पुत्र हंसराज जाट उम्र 38 साल निवासी लालगढ़ जाटान और रितु नागपाल पुत्र हरीश अरोड़ा उम्र 40 साल निवासी वार्ड नंबर 18 दुर्गा कॉलोनी हनुमानगढ़ जंक्शन गंभीर घायल है। हादसे के वक्त अधिकतर सवारियां सो रही थी। तभी तेज धमाके की आवाज से सवारियों की नींद खुल गई। ट्रक से टकराते ही बस में सवार यात्रियों में चीख पुकार मच गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से बस में फंसे घायल लोगों को काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला। इसके बाद एंबुलेंस की मदद से अस्पताल भिजवाया। हादसे के बाद मेगा हाईवे पर लंबा जाम लग गया। करीब दो घंटे तक वाहन चालक परेशान होते रहे। पुलिस ने क्रेन की मदद से दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क किनारे करवाया। इसके बाद यातायात सुचारू करवाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा उस समय हुआ जब सरसों से भरी दो ट्रॉलियां सड़क पर खड़ी थी। बस चालक ने इन्हें ओवरटेक करने का प्रयास किया, तभी सामने से आ रहे ट्रोले से बस की जोरदार टक्कर हो गई।

जनता और पुलिस के बीच भरोसे का सेतु है 'जनसुनवाई'; एसपी सीधी ने सुनीं समस्याएं, त्वरित निराकरण के दिए सख्त निर्देश

लोकतंत्र की शान

सीधी (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)। आमजन की समस्याओं के त्वरित और संवेदनशील निराकरण के लिए सीधी पुलिस की प्रतिबद्धता निरंतर जारी है। इसी क्रम में आज, 17 मार्च 2026 को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में साप्ताहिक जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के विभिन्न अंचलों से आए नागरिकों ने पुलिस अधीक्षक श्री संतोष कोरी के समक्ष अपनी व्यथा रखी।

जनसुनवाई की मुख्य विशेषताएं:- संवेदनशील और व्यक्तिगत संवाद:- पुलिस अधीक्षक ने जनसुनवाई में आए प्रत्येक फरियादी से व्यक्तिगत रूप से चर्चा की। आज प्राप्त शिकायतों में मुख्य रूप से भूमि विवाद, पारिवारिक कलह और सायबर अपराध/धोखाधड़ी से संबंधित मामले सामने आए। एसपी ने शिकायतों की गंभीरता को देखते हुए संबंधित थाना प्रभारियों को समय-सीमा के भीतर निष्पक्ष जांच और कार्यवाही के कड़े निर्देश दिए।

लंबित प्रकरणों पर सख्ती:- पूर्व में प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करते हुए पुलिस अधीक्षक ने उन प्रकरणों पर अप्रसन्नता व्यक्त की जिनमें कार्यवाही लंबित है। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों के निराकरण में अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डिजिटल माध्यम से समन्वय:- जनसुनवाई के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अनुविभागीय अधिकारियों और थाना प्रभारियों को जोड़कर शिकायतों का ऑनलाइन सत्यापन किया गया, जिससे कई मामलों में मौके पर ही निर्देश जारी कर फरियादियों को राहत प्रदान की गई।

प्रशासनिक उपस्थिति:- जनसुनवाई के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अरविन्द श्रीवास्तव के साथ निम्नलिखित अधिकारी उपस्थित रहे:

उप पुलिस अधीक्षक श्री सुजीत कड़वे निरीक्षक अभिषेक उपाध्याय (थाना प्रभारी, कोतवाली)

निरीक्षक रीता त्रिपाठी (थाना प्रभारी, महिला थाना)

उनि. दिव्य प्रकाश त्रिपाठी (थाना प्रभारी जमोड़ी)

महापौर जनसुनवाई बनी जनसंवाद का सशक्त मंच समस्याओं के समाधान को मिल रही नई रफ्तार

» जनसुनवाई में 40 आवेदनों पर महापौर श्रीमती सूरी ने की सुनवाई,अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

लोकतंत्र कि शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी गतः नगर निगम कटनी में आयोजित साप्ताहिक महापौर जनसुनवाई इस बार महज शिकायतों के निराकरण तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह नागरिकों और प्रशासन के बीच सीधे संवाद का सशक्त एवं प्रभावी मंच बनकर उभरी है। मंगलवार को मेयर इन काउंसिल कक्ष में आयोजित जनसुनवाई में शहर के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याएं खुलकर रखीं और सुझावों के माध्यम से शहर के विकास में सहभागिता भी सुनिश्चित की। सुबह 11 बजे प्रारंभ हुई जनसुनवाई में जलभराव, पेयजल संकट, स्वच्छता व्यवस्था, सड़कों की मरम्मत, अतिक्रमण, स्ट्रीट लाइट और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़े मुद्दे प्रमुख रूप से सामने आए। महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने प्रत्येक आवेदक की समस्याओं को गंभीरता से सुना और कई मामलों में मौके पर ही त्वरित निर्णय लेते हुए समाधान कर संबंधितों को राहत प्रदान की। जनसुनवाई के दौरान महापौर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे केवल औपचारिकता या कागजी कार्रवाई तक सीमित न रहें, बल्कि समस्याओं के वास्तविक और स्थायी समाधान के लिए जमीनी स्तर पर सक्रियता के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई का मूल उद्देश्य नागरिकों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने से मुक्ति दिलाना और उनकी समस्याओं का समयबद्ध एवं पारदर्शी निराकरण सुनिश्चित करना है।

लोकसभा में रेल बजट चर्चा के दौरान सांसद ने रखी क्षेत्रीय मांगें

लोकतंत्र की शान

सीधी (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)। सीधी लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने लोकसभा में रेल मंत्रालय की अनुदान मांगों पर चर्चा के दौरान देश में हो रहे अभूतपूर्व अधोसंरचनात्मक विकास के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा रेलवे के ऐतिहासिक कायाकल्प के लिए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त किया। सांसद डॉ. मिश्रा ने अपने संसदीय क्षेत्र से भोपाल के लिए नियमित रेल सेवा प्रारंभ किए जाने पर विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया। इसके साथ ही उन्होंने सीधी, सिंगरौली एवं ब्यौहारी क्षेत्र की विभिन्न महत्वपूर्ण मांगें सदन में रखीं, जिनमें मड़वास स्टेशन को अमृत स्टेशन के रूप में विकसित करना, शंकरपुर भदौरा स्टेशन का उन्नयन, विजयसोता–ब्यौहारी के बीच छुही ग्राम में रब निर्माण, प्रमुख ट्रेनों का विजयसोता में स्टॉपेज, गजराबहरा व सरई में रोब निर्माण, सिंगरौली– निजामुद्दीन ट्रेन का नियमितीकरण, सिंगरौली से इंदौर एवं प्रयागराज के लिए नई रेल सेवाएं, सीधी– शहडोल नई रेल लाइन का सर्वे तथा ललितपुर– सिंगरौली रेल परियोजना से प्रभावित युवाओं को रोजगार प्रदान करना शामिल है। साथ ही उन्होंने रेलवे में स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने, जैसे महुआ से बने पौष्टिक उत्पादों को आहार में शामिल करने तथा आजीविका मिशन के उत्पादों की खरीद सुनिश्चित करने की भी मांग रखी। सांसद डॉ. मिश्रा ने क्षेत्र में बेहतर रेल सुविधाओं के लिए केंद्र सरकार से इन मांगों पर सकारात्मक विचार करने का आग्रह किया।

स्वामी संत शरण महाराज जी प्रयागराज से कटनी आगमन हुआ और रात्रि9,55पर दवोदय से राजस्थान के लिए प्रस्थान किया वहां भी उनका प्रभु श्री भगवान राम कथा का कार्यक्रम आयोजित है जाते समय एक कार्यक्रम के बारे में बताया

लोकतंत्र कि शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

आज जैसे खबर लगीस्वामी संत शरण महाराज जी प्रयागराज से कटनी आए हुए हैं और आज ही रात को दयोदय ट्रेन से राजस्थान प्रस्थान कर रहे हैं हमने संपर्क कर उनसे निम्न जानकारी चाहिए और उन्होंने बताया आगामी दिनों 17 में से 26 में तक शहडोल में मध्य प्रदेश में श्री राम नाम महायज्ञ का भव्य आयोजन होने जा रहा है! यह आयोजन 17 से 26 तारीख तक चलेगा, जिसमें श्री रामचरितमानस पर चर्चा होगी और आदर्श जीवन के लिए प्रेरणा दी जाएगी। 27 तारीख को भंडारा प्रसादी का आयोजन भी है, जिसमें सभी का स्वागत है!

कार्यक्रम की विशेषताएं:

नव कुंडी यज्ञ : 17 से 26 तारीख तक

भंडाराप्रसादी : 27तारीख कोसंत महंतों का सम्मान : सभी आने वाले संत महंतों का सम्मान किया जाएगा

सर्व समाजसम्मेलन_: सभी समाज के लोगों के लिए सम्मेलन

सम्मान सभा गोष्ठी_: कार्यक्रम के अंत में सम्मान समारोहआप कैसे जुड़ सकते हैं?*नाम पंजीयन करें_: कार्यक्रम में सहभागिता के लिए अपना नाम पंजीयन करेंसंपर्क करें_: स्वामी संत शरण महाराज जी से संपर्क करें

सहयोग करें: कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सहयोग करें

आयोजन समिति संपर्क सूत्रः - 9893801483,9424 963475

सभी धर्म प्रेमी और समाज के लोगों से अनुरोध है कि इस कार्यक्रम में सहभागिता करें और इसे सफल बनाएं!

मदद के बहाने लूट करने वाले गिरोह का पर्दाफाश; थाना कमर्जी पुलिस ने सभी आरोपियों को किया गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

सीधी (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)। पुलिस अधीक्षक सीधी श्री संतोष कोरी के कुशल निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अरविन्द श्रीवास्तव एवं एसडीओपी चुरहट श्री रवि प्रकाश कौल के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी कमर्जी उनि इन्द्राज सिंह के नेतृत्व में थाना कमर्जी पुलिस ने लूट की एक गंभीर वारदात का खुलासा करते हुए गिरोह के सभी सदस्यों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।

घटना का संक्षिप्त विवरण:- फरियादी गोविंद जायसवाल (निवासी ग्राम बघऊँ) ने थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि दिनांक 21/01/2026 को आरोपियों ने मोटरसाइकिल खराब होने का झांसा देकर उसे भितरी चिलरी रोड पर बुलाया। वहां पहुंचने पर आरोपियों ने फरियादी के साथ मारपीट कर उसका ओप्पो मोबाइल, 3000 रुपये नगद और मैकेनिक टूल्स (रिंच, पाना, प्लास) लूट लिए थे। पुलिस कार्यवाही एवं गिरफ्तारी:- मामले की विवेचना के दौरान पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए पूर्व में चार आरोपियों (नीरेन्द्र प्रजापति, जगदीश प्रजापति एवं दो किशोर) को गिरफ्तार कर उनके पास से लूटा गया मोबाइल और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की थी। इसी कड़ी में, मामले के शेष फरार आरोपी शिवम कुशवाहा एवं शुभम कुशवाहा को दिनांक 16/03/2026 को घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया। आरोपी शिवम के पास से वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल TVS अपाचे भी जब्त की गई है। सभी आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है।

सराहनीय भूमिका:- उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी उनि इन्द्राज सिंह, सउनि मनोज वर्मा, प्र.आर. 28 अमर सिंह एवं आर. 291 सोनू यादव की विशेष एवं सराहनीय भूमिका रही।

जमीन का बहाना बनाकर सरपंच ने निरस्त कर दी गौशाला

» आवारा पशुओं की सुरक्षा के प्रति गम्भीर नहीं है पंचायत अमला

» मामला मझौली जनपद के ग्राम पंचायत सिरौला का

लोकतंत्र की शान

सीधी (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)। जिले की एक ग्राम पंचायत का निर्णय सभी को चौका दिया है, एक तरफ जिले भर में ही नहीं बल्कि समूचे प्रदेश एवं देश में आवारा पशुओं की सुरक्षा को लेकर सरकार ग्राम पंचायतों में गौशाला निर्माण करा रही है और यह देश की इकलौती ऐसी पंचायत होगी जिसने जमीन का बहाना बनाकर गौशाला के लिए स्वीकृत राशि वापस करते हुए निर्माण कार्य को निरस्त कर दिया है। जी हां, यह पूरा मामला है मझौली जनपद के ग्राम पंचायत सिरौला का, जहां सरपंच एवं सचिव ने गुपचुप तरीके से ग्राम सभा आयोजित कर गौशाला निर्माण कार्य को निरस्त करने का प्रस्ताव पारित कर दिया है। मजे की बात यह है कि सरपंच सचिव ने गौशाला निर्माण को निरस्त करने का बहाना जमीन का आभाव बताया है, जबकि पुष्ट सूत्रों की मानें तो मझौली जनपद की सिरौला पंचायत में सबसे ज्यादा शासकीय भूमि रिक्त पड़ी है। बता दें कि धौहनी विधायक कुंवर सिंह टेकाम एवं जिला पंचायत सदस्य कृष्ण लाल प्यासी छोटू ने इस गौशाला निर्माण के लिए सरकार से पुर जोर कोशिश की थी कि सिरौला पंचायत में गौशाला निर्माण कराया जाय जिससे इस ग्राम पंचायत के आवारा पशुओं को सुरक्षित रखने का स्थान मिल सकेगा और किसानों को इन आवारा पशुओं से होने वाली नुकसानी से बचाया जा सके, लेकिन ग्राम पंचायत के सरपंच एवं सचिव ने अपना स्वार्थ सिद्ध करने के लिए गौशाला निर्माण कार्य को निरस्त कर दिया है।

संक्षिप्त समाचार

एचपीवी टीकाकरण अभियान में मप्र बना देश में नंबर वन

भोपाल। मध्य प्रदेश ने ह्यूमन पैपिलोमावायरस संक्रमण (एचपीवी) टीकाकरण अभियान में बड़ी सफलता हासिल की है। राज्य में सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए 14 वर्ष की एक लाख से अधिक बालिकाओं का टीकाकरण पूर्ण कर लिया गया है। इसके साथ ही मध्य प्रदेश अभियान के सफल क्रियान्वयन में देश में पहले स्थान पर काबिज हो गया है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एचपीवी टीकाकरण अभियान में मात्र 15 दिनों में प्रदेश की एक लाख से अधिक बेटियों को वैक्सीन लगाकर मध्य प्रदेश के देश में प्रथम रहने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम, एएनएम, आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को बधाई दी है। उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में बेटियों को सर्वाइकल कैंसर के विरुद्ध सुरक्षा का सशक्त कवच प्रदान करने के लिए प्रारंभ अभियान के प्रदेश में सफल क्रियान्वयन में इस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने प्रदेश में 14 वर्ष आयु वर्ग की एक लाख से अधिक किशोरी बालिकाओं के सफल एचपीवी टीकाकरण पर स्वास्थ्य विभाग की टीम, जिला प्रशासन तथा सहयोगी संस्थाओं को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि प्रदेश की बेटियों को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षित रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने मंगलवार को बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 28 फरवरी 2026 को अजमेर, राजस्थान से इस विशेष एचपीवी टीकाकरण अभियान का राष्ट्रीय शुभारंभ किया था। मध्य प्रदेश इस अभियान के अंतर्गत एक लाख से अधिक बालिकाओं का टीकाकरण कर देश में सर्वाधिक एचपीवी टीकाकरण वाला राज्य बन गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में माताओं-बहनों का स्वास्थ्य राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि लगभग 4,000 रुपये मूल्य का यह टीका 14 प्लस आयु वर्ग की बेटियों को निःशुल्क लगाया जा रहा है और एक डोज़ भविष्य में गर्भाशय एवं ग्रीवा कैंसर के ख़तरे से आजीवन सुरक्षा देने में सहायक होगा।

चारधाम यात्रा की तैयारियां तेज, छह लाख से अधिक पंजीकरण

देहरादून। उत्तराखंड की आगामी चारधाम यात्रा के दृष्टिगत बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) की ओर से तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इस साल यात्रा के लिए अब तक 6 लाख से अधिक श्रद्धालु पंजीकरण करा चुके हैं। अब मंदिर परिसरों में निर्धारित दूरी तक मोबाइल फोन के उपयोग पर प्रतिबंध रहेगा। इसके साथ रील, फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी पर नियंत्रण के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार की जा रही है। बीकेटीसी के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने मंगलवार को देहरादून में एक पत्रकार वार्ता में बताया कि आगामी चारधाम यात्रा को लेकर तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। हाल ही में संपन्न बैठक में धामों में गैर-सनातनियों के प्रवेश पर रोक लगाने का प्रस्ताव पारित किया गया है। उन्होंने कहा कि व्यवस्थाएं आदि शंकराचार्य की परंपरा और धामों की धार्मिक मर्यादा के अनुरूप तैयार की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि 6 से 16 मार्च के बीच दो सप्ताह में कुल 6,17,853 श्रद्धालुओं ने पंजीकरण कराया है। इनमें केदारनाथ के लिए 2,06,622, बदरीनाथ के लिए 1,82,212, गंगोत्री के लिए 1,15,763 और यमुनोत्री के लिए 1,13,256 श्रद्धालु शामिल हैं। इस वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना जताई गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशन में धामों में पुनर्निर्माण और आधारभूत सुविधाओं के कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। केदारनाथ में पुनर्निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है, जबकि बदरीनाथ में कार्य प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि बीकेटीसी का मुख्य उद्देश्य श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सरल और सुगम दर्शन उपलब्ध कराना है, जिसके लिए बजट में आवश्यक प्रावधान किए गए हैं। समिति ने यात्रा वर्ष 2026-27 के लिए लगभग 121 करोड़ रुपये से अधिक का अनुमानित बजट पारित किया है, जिसमें बदरीनाथ के लिए करीब 57.47 करोड़ रुपये और केदारनाथ के लिए लगभग 63.60 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। यात्रा व्यवस्थाओं के अंतर्गत ऋषिकेश में ट्रांजिट कैंप स्थापित किया जाएगा। मंदिर परिसरों में निर्धारित दूरी तक मोबाइल फोन के उपयोग पर प्रतिबंध, रील, फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी पर नियंत्रण के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार की जा रही है। इसके अलावा पेयजल, विद्युत, स्वच्छता, आवास, रेलिंग मरम्मत, रंग-रोगन और ऑनलाइन पूजा व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा रहा है।

निजी सचिव को एनटीएनसी का अध्यक्ष नियुक्त करने पर प्रधानमंत्री कार्की की आलोचना

काठमांडू। प्रधानमंत्री के निजी सचिव आदर्श श्रेष्ठ को नेशनल ट्रस्ट फॉर नेचर कंजर्वेशन (एनटीएनसी) का अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के बाद सुशीला कार्की की व्यापक आलोचना शुरू हो गई है। जेन-जी एक्टिविस्ट रक्षा बम ने इस फैसले का कड़ा विरोध करते हुए इसे "नैतिकता और विशेषज्ञता का मजाक" बताया है। बम का कहना है कि जैव विविधता और प्रकृति संरक्षण जैसे संवेदनशील क्षेत्र में बिना संबंधित विशेषज्ञता वाले व्यक्ति की नियुक्ति से संस्था की विश्वसनीयता पर गंभीर असर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के संरक्षण में संचालित नेशनल ट्रस्ट फॉर नेचर कंजर्वेशन एक ऐसी संस्था है, जो केवल प्रकृति और जैव विविधता के संरक्षण के लिए समर्पित है। इसमें कोई बहस नहीं होनी चाहिए कि इतनी महत्वपूर्ण संस्था का नेतृत्व उसी व्यक्ति के हाथ में होना चाहिए जिसके पास संबंधित ज्ञान और अनुभव हो। बम ने प्रधानमंत्री पर "भावनात्मक पक्षपात और भाई-भतीजावाद" का आरोप लगाते हुए कहा कि योग्य विशेषज्ञ की जगह अपने करीबी सहयोगी को नियुक्त करना गलत संदेश देता है। बम ने यह भी स्वीकार किया कि सरकार ने देश को एक कठिन दौर से निकालने में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हर निर्णय का बिना शर्त समर्थन किया जाए। उन्होंने कहा कि हम प्रधानमंत्री की मंशा और सद्भावना को समझते हैं, लेकिन राज्य पोषित संस्थाओं को योग्यता और विशेषज्ञता के आधार पर चलाया जाना चाहिए, न कि व्यक्तिगत नजदीकी या भावनात्मक आधार पर। बम ने यह भी कहा कि भले ही निजी सचिव ने प्रधानमंत्री की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हो, लेकिन सरकार के कार्यकाल के अंतिम चरण में इस तरह का पद स्वीकार करना "अप्राकृतिक और अनैतिक" प्रतीत होता है। उन्होंने सुझाव दिया कि आदर्श श्रेष्ठ को नैतिक मानकों को बनाए रखने के लिए इस नियुक्ति को ठुकरा देना चाहिए। बम ने कहा कि इस पद को ठुकराना उनकी नैतिक जिम्मेदारी है। साथ ही यह भी उन्हीं पर निर्भर करता है कि सरकार की उपलब्धियां अंतिम समय में किसी विवाद की वजह से धूमिल न हों।

बैंक धोखाधड़ी मामले में 11 साल से फरार आरोपी को सीबीआई ने किया गिरफ्तार

चेन्नई। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बैंक धोखाधड़ी मामले में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी एम नागा कुमार उर्फ तमिल सेल्वन को चेन्नई से गिरफ्तार किया है। आरोपी 2015 से जांच के दौरान फरार था। सीबीआई ने यह मामला 29 सितंबर 2015 को इंडियन बैंक, चेन्नई नॉर्थ जोन की शिकायत पर दर्ज की थी। शिकायत में आरोप था कि के. राजेंद्रन (प्रोप्राइटर, श्री साई बाबा रियल एस्टेट्स एंड कंस्ट्रक्शंस), कुछ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स और अन्य अज्ञात लोक सेवकों ने मिलकर बैंक को लगभग 4.66 करोड़ रुपये का चूना लगाया। आरोपियों ने फर्जी दस्तावेज जमा कर विभिन्न होम लोन हासिल किए। एम नागा कुमार भी इनमें से एक उधारकर्ता था। सीबीआई ने 14 मार्च 2017 को इस मामले में 33 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। आरोपी नागा कुमार को पकड़ने के लिए सीबीआई ने उन्नत तकनीकी साधनों और व्यापक फील्ड ऑपरेशन का सहारा लिया। जांच में पता चला कि वह अपनी पत्नी के साथ चेन्नई में नई पहचान 'तमिल सेल्वन' के नाम से रह रहा था। सीबीआई ने गुप्त अभियान चलाकर उसकी पहचान की पुष्टि की और 16 मार्च 2026 को उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी को चेन्नई की सक्षम अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

ईरान के साथ जंग में अकेले पड़े ट्रम्प, नाटो देश बोले- ये हमारी लड़ाई नहीं

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

ईरान में खामेनेई समेत 40 से भी ज्यादा अधिकारियों के मारे जाने के बाद अमेरिका को यह जंग बड़ी कामयाबी नजर आ रही थी। लेकिन 17 दिन बाद हालात बदल चुके हैं। युद्ध का कोई साफ अंत नजर नहीं आ रहा है। ईरान ने जवाब में होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते तेल आपूर्ति रोक दी, जिससे दुनिया की अर्थव्यवस्था पर बड़ी चोट पहुंची है। ट्रम्प अब अपने सहयोगी नाटो देशों से होर्मुज में रास्ता खुलवाने की अपील कर रहे हैं। हालांकि इन देशों ने साफ कर दिया है कि वे होर्मुज स्ट्रेट में अपने वॉरशिप नहीं भेजेंगे। यह फैसला ऐसे समय आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी थी कि अगर नाटो देश इस अहम समुद्री रास्ते को फिर से खोलने में मदद नहीं करते, तो नाटो का भविष्य खराब हो सकता है।

जर्मनी बोला- यह यूरोप की जंग नहीं: द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक जर्मनी ने साफ कहा है कि वह किसी भी सैन्य कार्रवाई में हिस्सा नहीं लेगा। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने कहा कि इस मामले में कभी कोई फैसला नहीं हुआ, इसलिए जर्मनी के सैन्य योगदान का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान की

होर्मुज का रास्ता खुलवाने से इनकार

मौजूदा सरकार खत्म होनी चाहिए, लेकिन बमबारी करके उसे झुकाना सही तरीका नहीं है। जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस ने भी अमेरिका पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि यह यूरोप का युद्ध नहीं है और जब अमेरिकी नौसेना खुद इतनी ताकतवर है, तो कुछ यूरोपीय जहाज क्या कर लेंगे। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि उनका देश इस बड़े युद्ध में नहीं फंसेगा। उन्होंने माना कि होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलना जरूरी है ताकि तेल बाजार स्थिर रहे, लेकिन यह आसान काम नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि कोई भी कदम ज्यादा से ज्यादा देशों की सहमति से ही उठाया जाएगा। यूरोपीय देशों ने सैन्य कार्रवाई की बजाय कूटनीति पर जोर दिया है। होर्मुज स्ट्रेट बहुत अहम है क्योंकि यहां से दुनिया के लगभग 20% तेल और गैस की सप्लाई होती है, जो फिलहाल ईरान के कारण प्रभावित हो रही है। इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो ताजानी ने कहा कि इस संकट का हल बातचीत से ही निकलना चाहिए और उनका देश किसी नौसैनिक मिशन को बढ़ाने के पक्ष में नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि यूरोपीय यूनियन के मौजूदा मिशन सिर्फ समुद्री डकैती रोकने और रक्षा के लिए हैं, उन्हें युद्ध में नहीं बदला जा सकता। ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस और जापान ने भी साफ कर दिया है कि वे अपने युद्धपोत नहीं भेजेंगे। दूसरी ओर, ट्रम्प लगातार अपने सहयोगियों पर दबाव बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिन देशों को इस समुद्री रास्ते से फायदा होता है, उन्हें इसकी सुरक्षा में हिस्सा लेना चाहिए। ट्रम्प ने खासतौर पर ब्रिटेन से नाराजगी भी जताई, हालांकि उन्हें उम्मीद है कि वह इसमें शामिल होगा। यूरोपीय यूनियन के विदेश मंत्रियों ने भी अपने रेड सी (लाल सागर) मिशन को होर्मुज तक बढ़ाने से इनकार कर दिया। यूरोपीय यूनियन की विदेश नीति प्रमुख काजा कैलस ने कहा कि फिलहाल मिशन का दायरा बढ़ाने की कोई इच्छा नजर नहीं आती।

सोनोवाल ने शिवालिक और नंदा देवी के नाविकों को बताया वैश्विक व्यापार के नायक

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में तनावपूर्ण हालात के बीच भारत के दो एलपीजी कैरियर जहाज शिवालिक और नंदा देवी के सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर भारत पहुंचने पर बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जहाजों पर मौजूद भारतीय नाविकों को संबोधित किया। सोनोवाल ने इस दौरान और नाविकों के साहस, समर्पण तथा पेशेवराना दक्षता की सराहना की। सोनोवाल ने इन दोनों जहाजों के नाविकों को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय नाविक वैश्विक व्यापार के नायक हैं, जो कठिन परिस्थितियों और लंबे समय तक परिवार से दूर रहने के बावजूद आवश्यक कार्गो की सुरक्षित आपूर्ति सुनिश्चित करते हैं। दोनों जहाजों ने उच्च जोखिम वाले समुद्री क्षेत्र में असाधारण धैर्य और संयम दिखाया और भारत की ऊर्जा सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

उन्होंने कहा कि यह संवाद केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं बल्कि राष्ट्र की ओर से नाविकों के प्रति आभार व्यक्त करने का अवसर है। समुद्र में कार्यरत नाविकों का काम केवल तकनीकी दक्षता ही नहीं बल्कि धैर्य, अनुशासन और साहस भी मांगता है। सोनोवाल ने कहा कि दोनों जहाज लगभग दो सप्ताह तक उच्च जोखिम वाले क्षेत्र में प्रतीक्षा करने के बाद सुरक्षित रूप से भारत पहुंचे और आवश्यक एलपीजी कार्गो की आपूर्ति की। यह उपलब्धि भारतीय नाविकों की पेशेवराना क्षमता और दृढ़ता का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार समुद्री क्षेत्र को मजबूत करने और भारतीय नाविकों की सुरक्षा, गरिमा और वैश्विक पहचान सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उल्लेखनीय है कि पश्चिमी एशिया संघर्ष के बीच भारत के दो जहाज शिवालिक और नंदा देवी होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर सुरक्षित रूप से भारत पहुंचे हैं। शिवालिक लगभग 16 मार्च को गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह पहुंचा और करीब 45,000-46,000 मीट्रिक टन एलपीजी पहुंची। इसके बाद नंदा देवी 17 मार्च की सुबह गुजरात के कांडला बंदरगाह पहुंचा और लगभग 47,000-47,700 मीट्रिक टन एलपीजी उतारी।

लंदन में सिख और पाकिस्तानियों में विवाद

एजेंसी, जालंधर

लंदन के हाई-प्रोफाइल इलाके हैमरस्मिथ में पंजाबी रेस्टोरेंट मालिक और पाकिस्तानी मुस्लिमों में हलाल मीट को लेकर विवाद हो गया। 16 साल से रेस्टोरेंट चला रहे हरमन कपूर ने कहा कि हलाल मीट बेचने से मना करने पर पाकिस्तानियों के 100 लोगों के ग्रुप ने हमला कर दिया। उन्होंने कहा- मुझे हलाल मीट बेचने के लिए मजबूर किया जा रहा है। अपने बिजनेस को बचाने के लिए मुझे दुनियाभर के सिखों से मदद मांगनी पड़ रही है।

हरमन के मुताबिक, विवाद तब शुरू हुआ जब उन्होंने 14 मार्च को रेस्टोरेंट पर एक बोर्ड लगा दिया। इस पर साफ लिख दिया कि उनके रंगरेज रेस्टोरेंट में हलाल मीट नहीं मिलेगा। हरमन के पोस्टर लगाने के बाद रेस्टोरेंट पर पाकिस्तानियों की भीड़ जमा हो गई। यहां तोड़फोड़ की कोशिश की गई। हरमन ने कहा कि उन पर हमला किया गया। उन्होंने

पंजाबी रेस्टोरेंट मालिक ने हलाल मीट न बेचने का बोर्ड लगाया, 100 लोगों ने हमला किया

गातरे से डिफेंस किया। उनके घर को भी कट्टरपंथियों ने निशाना बनाया। हरमन ने कहा कि पुलिस ने भी कट्टरपंथियों का साथ दिया। आरोपियों को अरेस्ट करने के बजाय उल्टा उन्हें ही अरेस्ट कर लिया। लेकिन पूछताछ के बाद छोड़ दिया। हरमन ने बताया कि 2010 में खोला उनका रेस्टोरेंट बंद होने की कगार पर है। उनका रेस्टोरेंट रंगरेज पंजाबी स्वाद के लिए मशहूर है। लेकिन उन्होंने कभी हलाल मीट नहीं बेचा।

पाकिस्तान की अफगानिस्तान में एयरस्ट्राइक, 400 की मौत, 250 घायल

एजेंसी, काबुल

पाकिस्तान ने सोमवार रात एक बार फिर अफगानिस्तान पर एयरस्ट्राइक की है। पाकिस्तानी एयरफोर्स के लड़ाकू विमानों ने राजधानी काबुल के कई इलाकों को निशाना बनाया, जिनमें एक हॉस्पिटल भी है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक इसमें 400 लोगों की मौत हो गई, वहीं 250 से ज्यादा घायल हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक दारुलअमान, अरजान कीमत, खैरखाना और काबुल इंटरनेशनल एयरपोर्ट के आसपास कई जगहों पर धमाकों और गोलीबारी की आवाजें सुनी गईं।

तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तानी सेना ने काबुल में एक नशा मुक्ति अस्पताल पर बम गिराए। तालिबान ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे मानवता के खिलाफ अपराध

बताया है और कहा कि पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के एयरस्पेस का उल्लंघन किया है। वहीं पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के प्रवक्ता मोशर्रफ जैदी ने इन आरोपों को बेबुनियाद बताया और कहा कि काबुल में किसी अस्पताल को निशाना नहीं बनाया गया।

हमले से 2000 बेड वाले हॉस्पिटल को भारी नुकसान: अफगानिस्तान सरकार के डिप्टी प्रवक्ता हमदुल्लाह फितरत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर बताया कि यह हमला स्थानीय समय के अनुसार रात करीब 9 बजे हुआ। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह हॉस्पिटल 2000 बेड का है। इसे भारी नुकसान हुआ है। मीडिया की टीमें जब वहां पहुंची तो अस्पताल के कुछ हिस्सों में तब भी आग लगी हुई थी। करीब 30 से ज्यादा शव स्ट्रेचर पर बाहर निकाले जा रहे थे। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि वहां बहुत ज्यादा मरीज थे, इसलिए मृतकों और घायलों की संख्या बहुत ज्यादा हो सकती है।

अफगान क्रिकेटर राशिद खान ने UN से जांच की मांग की: अफगानिस्तान के क्रिकेटर राशिद खान ने पाकिस्तानी हमलों की कड़ी निंदा की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा काबुल में हाल ही में हुए हवाई हमलों से लोग दुखी हैं। इन हमलों में कई आम लोगों की जान चली गई। कुछ हमले घरों, स्कूलों और अस्पतालों के आसपास भी हुए। आम लोगों के इलाकों पर हमला करना अंतरराष्ट्रीय कानून के हिसाब से युद्ध अपराध माना जाता है, चाहे वह जानबूझकर किया गया हो या गलती से। खासकर रमजान के पवित्र महीने के दौरान ऐसी घटना से लोगों में और ज्यादा दुख और गुस्सा है। लोगों ने संयुक्त राष्ट्र (UN) और मानवाधिकार संगठनों से मांग की है कि इस मामले की पूरी जांच की जाए और जो भी जिम्मेदार हो उसे सजा दी जाए।

दिव्यांगजनों की समावेशी पहचान का ऐतिहासिक अवसर होगी जनगणना-2027 : आठवले

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री रामदास आठवले ने मंगलवार को कहा कि वर्ष 2027 की जनगणना देश में दिव्यांगजनों की समावेशी और सटीक पहचान का एक ऐतिहासिक अवसर साबित होगी, जिसके माध्यम से दिव्यांगता की सभी 21 श्रेणियों को व्यवस्थित रूप से चिन्हित किया जा सकेगा। आठवले यहां दिव्यांग व्यक्तियों के लिए रोज़गार संवर्धन का राष्ट्रीय केंद्र (एनसीपीईडीपी) द्वारा तैयार सांसदों के लिए दिव्यांगता समावेशन पर एक पुस्तिका के विमोचन के अवसर पर यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षित गणनाकारों और उन्नत डेटा संग्रह प्रणाली के जरिए प्राप्त आंकड़े सरकार को दिव्यांगजनों के लिए अधिक प्रभावी, लक्षित और समावेशी नीतियां बनाने में मदद करेंगे। कार्यक्रम में सांसद ई.टी. मोहम्मद बशीर, ईटाला राजेंद्र, डॉ. फौजिया खान, डॉ. गुरु प्रकाश पासवान, नेहा जोशी और अनीश गावंडे सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। एनसीपीईडीपी के कार्यकारी निदेशक अरमान अली ने कहा कि यह हैंडबुक सांसदों को दिव्यांगजनों से जुड़ी चुनौतियों को समझने और उन्हें दूर करने में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करेगी। इससे दिव्यांग अधिकार अधिनियम, 2016 के प्रभावी क्रियान्वयन में भी मदद मिलेगी।

आठवले ने कहा कि मोदी सरकार ने दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की हैं, जिनमें

सुगम्य भारत अभियान, यूडीआईडी पोर्टल, पीएम-दक्ष कौशल विकास कार्यक्रम और आयुष्मान भारत शामिल हैं। इस अवसर पर विशेषज्ञों ने दिव्यांगजनों के स्वास्थ्य बीमा कवरेज को लेकर चिंता जताते हुए कहा कि देश में 80 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगजनों के पास स्वास्थ्य बीमा नहीं है। इसका मुख्य कारण उच्च प्रीमियम और सीमित कवरेज है। उन्होंने सुझाव दिया कि आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं में दिव्यांगजनों के लिए व्यापक और दीर्घकालिक स्वास्थ्य सहायता शामिल की जानी चाहिए। राज्यसभा सांसद जेबी मैथर ने कहा कि यह हैंडबुक सांसदों को दिव्यांगता से जुड़े मुद्दों के प्रति अधिक संवेदनशील बनाएगी और संसद में इन विषयों को प्रभावी ढंग से उठाने में सहायक होगी। आठवले ने कार्यक्रम को समावेशी भारत के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि सरकार का लक्ष्य विकास की प्रक्रिया में किसी को भी पीछे न छोड़ना है।

भूमिका श्रेष्ठ बनीं नेपाल की पहली महिला ट्रांसजेंडर सांसद

एजेंसी, काठमांडू

भूमिका श्रेष्ठ नेपाल की पहली महिला ट्रांसजेंडर सांसद के रूप में चयनित हुई हैं। उन्हें राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी ने समानुपातिक सूची से चुना है। निर्वाचन आयोग ने सोमवार शाम सूची सार्वजनिक की, जिसमें उनका नाम भी है। हालांकि इससे पहले जब नेपाल ने अपना पहला संविधान सभा का निर्वाचन 2008 में किया था उस समय संविधान सभा में एशिया के पहले समलैंगिक सांसद के रूप में सुनिल बाबु पंत चुने गए थे लेकिन संसद में महिला ट्रांसजेंडर के रूप में भूमिका पहली सांसद बनी हैं। भूमिका स्वयं एक ट्रांसजेंडर महिला हैं। जन्म के समय वह लड़का थीं और उनका नाम कैलाश था। बाद में उन्होंने अपनी भावनाओं के अनुसार अपना रूप और नाम बदला और भूमिका बनीं। भूमिका श्रेष्ठ का जन्म 1987 में काठमांडू के नैकाप में हुआ था। परिवार, स्कूल और समाज में भेदभाव और अपमान के कारण

उन्हें कक्षा 9 के बाद पढ़ाई छोड़नी पड़ी। सन् 2005 में उन्होंने काठमांडू जिला प्रशासन कार्यालय से 'कैलाश श्रेष्ठ' नाम से नागरिकता प्राप्त की, जिसमें उनका लिंग 'अन्य' उल्लेख किया गया था। नेपाल में तीसरे लिंग को कानूनी मान्यता मिलने के बाद नागरिकता में 'अन्य' लिंग रखने की व्यवस्था शुरू हुई थी।

बाद में महिला पहचान के रूप में स्वीकार किए जाने की मांग करते हुए उन्होंने नागरिकता संशोधन के लिए पहल की। लिंग परिवर्तन के प्रमाण के साथ उन्होंने आवेदन दिया। इसके बाद 5 अप्रैल 2021 को मंत्रिपरिषद के निर्णय के अनुसार उनकी नागरिकता में संशोधन कर 'भूमिका श्रेष्ठ' नाम और 'महिला' लिंग कायम किया गया। इसे नेपाल में ट्रांसजेंडर पहचान की कानूनी मान्यता के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण कदम माना जाता है।

भूमिका लंबे समय से ब्लू डायमंड सोसाइटी के साथ जुड़कर लैंगिक और यौनिक अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकारों के लिए काम कर रही हैं। इसी संस्था में सक्रिय रहते हुए उन्होंने खुलकर अपनी पहचान स्वीकार की। उनकी सक्रियता के कारण एक अंतरराष्ट्रीय संस्था ने उन्हें लैंगिक समानता के क्षेत्र में दुनिया के शीर्ष 100 युवाओं की सूची में भी शामिल किया था। उन्होंने अपने जीवन के अनुभवों पर आधारित 'भूमिकाः तेस्रो लिंगीको आत्मकथा' नामक नेपाली भाषा की पुस्तक भी प्रकाशित की है, जिसमें पहचान, संघर्ष और सामाजिक स्वीकृति की कहानी प्रस्तुत की गई है।

नेपाल में आरएसपी के सांसदों के लिए दो दिवसीय संसदीय प्रशिक्षण का आयोजन

एजेंसी, काठमांडू

नेपाल में राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी (आरएसपी) ने प्रतिनिधि सभा के अपने नवनिर्वाचित सदस्यों के लिए मंगलवार से दो दिवसीय संसदीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया। आरएसपी के अनुसार प्रशिक्षण का उद्देश्य सांसदों को संसदीय प्रक्रिया, नीति निर्माण, विधायी प्रक्रिया और जनप्रतिनिधियों की व्यापक जिम्मेदारियों की समग्र समझ प्रदान करना है। आरएसपी के उपाध्यक्ष डीपी अर्याल के अनुसार यह प्रशिक्षण आरएसपी के उस प्रयास का हिस्सा है, जिसके तहत वह राष्ट्रीय राजनीति में अपनी बढ़ती भूमिका के अनुरूप एक सक्षम और जानकारीपूर्ण संसदीय टीम तैयार करना चाहती है। पार्टी प्रवक्ता मनीष झा ने बताया कि प्रशिक्षण का एक प्रमुख हिस्सा संसद की संरचना, कार्यप्रणाली और अधिकारों पर केंद्रित है। नेपाल सरकार के पूर्व सचिव सुरेश अधिकारी संसद के संचालन, उसकी संस्थागत भूमिका और जिम्मेदारियों पर सत्र लेंगे।

इसी तरह पूर्व कानून सचिव तोयनाथ अधिकारी सांसदों को विधि निर्माण प्रक्रिया के बारे में जानकारी देंगे, जिसमें बताया जाएगा कि संघीय संसद में विधेयक कैसे तैयार, बहस और पारित किए जाते हैं। आरएसपी के उपाध्यक्ष डॉ. स्वर्णिम वाग्ले देश की वर्तमान स्थिति, पार्टी

की प्रतिबद्धताओं और शासन में सांसदों की अपेक्षित भूमिका पर प्रमुख सत्र प्रस्तुत करेंगे। उपाध्यक्ष डोल प्रसाद अर्याल भी प्रतिभागियों को संबोधित करेंगे, जहां वे चुनाव अभियान के अनुभव साझा करेंगे और पार्टी की संसदीय रणनीति पर मार्गदर्शन देंगे।

कार्यक्रम में समूह निर्माण गतिविधियां भी शामिल हैं, जिनका उद्देश्य सांसदों के बीच समन्वय, टीमवर्क और आंतरिक संचार को मजबूत करना है। प्रतिभागियों को चर्चा और सामूहिक गतिविधियों के लिए 15 समूहों में विभाजित किया जाएगा। कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण सत्र आईटी विशेषज्ञ दोवन राय द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और एल्गोरिदम पर भी आयोजित किया जाएगा, जिसमें शासन और निर्णय-निर्माण में तकनीक की भूमिका पर जानकारी दी जाएगी।

प्रशिक्षण में आरएसपी के सांसदों—शिशिर खनाल, तोशिमा कार्की, सोबिता गौतम, हरि ढकाल, मनीष झा और विराज भक्त श्रेष्ठ सहित अन्य—के अनुभव साझा सत्र भी शामिल होंगे। इन सत्रों का उद्देश्य चुनाव अभियान और शुरुआती राजनीतिक अनुभवों से व्यावहारिक सीख प्रदान करना है। कार्यक्रम के दौरान अनुशासन और प्रभावी सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए पार्टी ने छह बिंदुओं वाला निर्देश भी जारी किया है, जिसमें प्रशिक्षण कार्यक्रम में मोबाइल ले जाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। I साथ ही प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसी भी प्रकार के फोटो और वीडियो बनाने पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। इस पहल के माध्यम से आरएसपी अपने सांसदों को न केवल संसद में भागीदारी के लिए तैयार करना चाहती है, बल्कि उन्हें शासन, नीति निर्माण और सार्वजनिक जवाबदेही में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए भी सक्षम बनाना चाहती है।

विविधता में एकता का जीवंत उत्सव-गुड़ी पड़वा, चैत्र नवरात्र, चेट्रीचंड्र,ईद-उल-फितर और राम नवमी -दुर्लभ संगम-सर्वधर्म समभाव की वैश्विक मिसाल- समग्र विश्लेषण

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

- गुड़ी पड़वा,चैत्र नवरात्र,चेट्रीचंड्र, ईद-उल-फितर और राम नवमी-एक ऐसा दुर्लभ संगम जो भारत की धर्मनिरपेक्षता को सशक्त व सर्वधर्म समभाव की अवधारणा को जीवंत करता है
- जब गुड़ी पड़वा, नवरात्र, चेट्रीचंड्र, ईद और राम नवमी जैसे पर्व एक साथ मनाए जाते हैं,तो यह संदेश पूरी दुनियाँ तक जाता है कि विविधता के बावजूद एकता संभव है -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया – वैश्विक स्तरपर भारत, जिसे सदियों से आध्यात्मिकता, सांस्कृतिक विविधता और धार्मिक सह- अस्तित्व की भूमि के रूप में जाना जाता है, मार्च 2026 में एक अद्भुत और प्रेरणादायक दृश्य प्रस्तुत कर रहा है।यह वह समय है जब विभिन्न धर्मों और समुदायों के प्रमुख त्योहार लगभग एक ही सप्ताह के भीतर मनाए जा रहे हैं,एक ऐसा दुर्लभ संगम जो न केवल भारत की धर्मनिरपेक्षता को सशक्त बनाता है,बल्कि "सर्वधर्म समभाव" की उस अवधारणा को भी जीवंत करता है, जो भारतीय संविधान और सामाजिक ताने-बाने की आत्मा है।19 मार्च से 27 मार्च 2026 के बीच का यह समयखंड केवल कैलेंडर का संयोग नहीं है,बल्कि यह भारत की सामाजिक चेतना,सांस्कृतिक समृद्धि और पारस्परिक सम्मान का उत्सव है।इस अवधि में गुड़ी पड़वा,चैत्र नवरात्र,चेट्री चंड्र ,ईद-उल-फितर और राम नवमी जैसे प्रमुख पर्व एक के बाद एक मनाए जाएंगे।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह विविधता में एकता का ऐसा सशक्त उदाहरण है,जिसे दुनियाँ के सामने एक सांस्कृतिक मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। साथियों बात अगर हम सबसे पहले आने वाले त्योहार गुड़ी पड़वाः नववर्ष, विजय और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक इसको समझने की करें तो19 मार्च 2026 को मनाया जाने वाला गुड़ी पड़वा महाराष्ट्र और आसपास के क्षेत्रों में अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है। यह दिन चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को आता है और हिंदू नववर्ष की शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। इस दिन घरों के बाहर "गुड़ी" स्थापित की जाती है जो विजय, समृद्धि और शुभता का प्रतीक होती है।गुड़ी में नीम के पत्ते,आम की पत्तियां, पुष्पमाला और एक उल्टा रखा हुआ तांबे का कलश शामिल होता है।यह परंपरा न केवल धार्मिक आस्था से जुड़ी है, बल्कि यह ऐतिहासिक विजय विशेषकर राजा शालिवाहन की जीत का भी स्मरण कराती है। सुबह तेल स्नान, नए वस्त्र धारण करना और "पूरन पोली" जैसे पारंपरिक व्यंजनों का सेवन इस त्योहार को और भी खास बनाता है।यह पर्व केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह वसंत ऋतु के आगमन,कृषि चक्र के पुनरारंभ और सामाजिकनवजीवन का प्रतीक भी है। गुड़ी पड़वा भारतीय समाज की उस सकारात्मक ऊर्जा को दर्शाता है, जिसमें हर नया वर्ष नई आशाओं और अवसरों के साथ शुरू होता है। चैत्र नवरात्रः शक्ति, साधना और आध्यात्मिक अनुशासन का पर्व है। साथियों बात अगर हम उसी दिन दूसरे त्यौहार चैत्र नवरात्र को समझने की करें तो गुड़ी पड़वा के साथ ही 19 मार्च 2026 से चैत्र नवरात्र का शुभारंभ हो रहा है, जो 27 मार्च तक चलेगा। यह नौ दिनों का पर्व देवी दुर्गा के नौ रूपों की उपासना का समय है। इस दौरान श्रद्धालु उपवास रखते हैं, पूजा-अर्चना करते हैं और आत्मसंयम का पालन करते हैं।इस वर्ष विशेष बात यह है कि मां दुर्गा "पालकी" (डोली) पर सवार होकर आएंगी, जिसे शुभ संकेत माना जाता है। घट स्थापना का शुभ मुहूर्त 19 मार्च की सुबह 06:52 से 07:43 के बीच निर्धारित है। यह समय आध्यात्मिक ऊर्जा के जागरण और नए संकल्पों की शुरुआत का प्रतीक है।चैत्र नवरात्र केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह आत्मशुद्धि, अनुशासन और सकारात्मकता का संदेश भी देता है। यह पर्व हमें सिखाता है कि जीवन में संतुलन और आत्मनियंत्रण कितना महत्वपूर्ण है। साथियों बात अगर हम चेट्रीचंद्र सिंधी समुदाय की सांस्कृतिक पहचान और आस्था का उत्सव इसको समझने की करें तो,20 मार्च 2026 को मनाया जाने वाला चेटी चंद सिंधी

समुदाय का प्रमुख पर्व है, जो उनके नववर्ष का आरंभ भी है। यह दिन भगवान झूलेलाल को समर्पित होता है, जिन्हें जल देवता के रूप में पूजा जाता है।"चेटी चंद" का अर्थ है "चैत्र का चंद्रमा",जो नईशुरुआत और आशा का प्रतीक है। इस दिन सिंधी समुदाय झांकियां निकालता है, भजन-कीर्तन करता है और सामूहिक रूप से उत्सव मनाता है।यह पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह सिंधी संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक एकता का भी प्रतीक है। यह दर्शाता है कि भारत में हर समुदाय अपनी विशिष्ट पहचान को बनाए रखते हुए राष्ट्रीय एकता में योगदान देता है।सिंधी समाज पर हो रहे अत्याचार की पुकार सुन जल देवता से आकाशवाणी के 2 दिन बाद चैत्र माह की शुक्ल पक्ष में नासरपुर (पाकिस्तान की सिन्धु घाटी) के देवकी व ताराचंद के यहाँ एक बेटे ने जन्म लिया, जिसका नाम उदयचंद रखा गया। हिंदी में उदय का मतलब उगना होता है। भविष्य में ये छोटा बच्चा हिन्दू सिन्धी समाज का रक्षक बना, जिसने मिरक शाह जैसे शैतान का अंत किया अपने नाम को चरितार्थ करते हुए उदयचंद जी ने सिंध के हिंदुओ के जीवन के अँधेरे को खत्म कर उजयाला फैला दिया।

साथियों बात अगर हम चेटीचंड के दैनिक मुस्लिम भाइयों के प्रिय त्योहार ईद-उल-फितरः आभार करुणा और भाईचारे का संदेश को समझने की करें तो मार्च 2026 में ईद-उल-फितर 20 या 21 मार्च को मनाई जाएगी,जो चांद के दीदार पर निर्भर करती है। यह पर्व रमजान के पवित्र महीने के समापन का प्रतीक है।ईद का दिन अल्लाह के प्रति आभार व्यक्त करने, जरूरतमंदों की मदद करने और सामाजिक भाईचारे को मजबूत करने का अवसर होता है। इस दिन विशेष नमाज अदा की जाती है, "फितरा" (दान) दिया जाता है और लोग एक-दूसरे को गले लगाकर "ईद मुबारक" कहते हैं। सेवइयां और अन्य मिठाइयों का वितरण इस त्योहार की खास पहचान है। यह पर्व हमें सिखाता है कि खुशी तभी पूर्ण होती है जब उसे दूसरों के साथ साझा किया जाए। ईद-उल-फितर भारत की गंगा-जमुनी तहजीब का प्रतीक है, जहां विभिन्न धर्मों के लोग एक-दूसरे के त्योहारों में भाग लेते हैं और आपसी प्रेम को बढ़ाते हैं।

साथियों बात अगर हम राम नवमीः आदर्श जीवन मूल्यों का उत्सव इसको समझने की करें तो 27 मार्च 2026 को मनाई जाने वाली राम नवमी भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के रूप में पूरे भारत में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई जाती है। विशेष रूप से अयोध्या में यह उत्सव अत्यंत भव्य होता है,जहां देश- विदेश से श्रद्धालु पहुंचते हैं।इस दिन मंदिरों में पूजा-अर्चना, शोभायात्राएं, रथ यात्राएं और भव्य झांकियां आयोजित की जाती हैं।भगवान राम को "मर्यादा पुरुषोत्तम" के रूप में पूजा जाता है, जो सत्य, धर्म और न्याय के प्रतीक हैं।राम नवमी हमें यह संदेश देती है कि आदर्श जीवन जीने के लिए नैतिकता, संयम और कर्तव्य परायणता कितनी आवश्यक है। यह पर्व भारतीय संस्कृति के मूल्यों को सटीक रूप से सुदृढ़ करता है।

साथियों बात अगर हम सर्वधर्म समभावः भारतीय समाज की आत्मा को समझने की करें तो मार्च 2026 का यह सप्ताह भारत के लिए केवल त्योहारों का समय नहीं है, बल्कि यह उसकी आत्मा सर्वधर्म समभाव का उत्सव है। यह वह सिद्धांत है, जो कहता है कि सभी धर्म समान हैं और उनका सम्मान किया जाना चाहिए।भारत का संविधान भी धर्मनिरपेक्षता की इसी भावना को अपनाता है, जहां राज्य किसी एक धर्म को प्राथमिकता नहीं देता,बल्कि सभी को समान अवसर और सम्मान प्रदान करता है।जब गुड़ी पड़वा, नवरात्र, चेटी चंद, ईद और राम नवमी जैसे पर्व एक साथ मनाए जाते हैं, तो यह संदेश पूरी दुनिया तक जाता है कि विविधता के बावजूद एकता संभव है।

साथियों बात अगर हम एक ही सप्ताह में आए इन सभी त्योहारों के मुद्दे को वैश्विक परिप्रेक्ष्यः मैं समझने की करें तो भारत एक सांस्कृतिक मॉडल है आज जब दुनिया के कई हिस्सों में धार्मिक और सांस्कृतिक संघर्ष देखने को मिलते हैं, तब भारत का यह उदाहरण वैश्विक स्तर पर प्रेरणा का स्रोत बन सकता है।मार्च 2026 का यह उत्सव अंतरराष्ट्रीय पर्यटन के लिए भी आकर्षण का केंद्र बन सकता है। दुनिया भर के सैलानी भारत आकर इस विविधता और एकता का अनुभव करना चाहेंगे।यह समय भारत के लिए "सॉफ्ट पावर" को बढ़ाने का भी अवसर है, जहां वह अपनी सांस्कृतिक समृद्धि और सामाजिक समरसता को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत कर सकता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि विविधता में एकता की जीवंत अभिव्यक्ति,मार्च 2026 का यह समय भारत के लिए गर्व का क्षण है।यह वह समय है जब विभिन्न धर्मों और संस्कृतियों के लोग अपने-अपनेत्योहार मनाते हुए भी एक-दूसरे के साथ खड़े होते हैं।यह केवल त्योहारों का संगम नहीं है, बल्कि यह मानवता, प्रेम और सह-अस्तित्व का उत्सव है।भारत ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि विविधता उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी सबसे बड़ी ताकत है।इस सप्ताह के माध्यम से भारत दुनिया को यह संदेश देता है कि अगर आपसी सम्मान, सहिष्णुता और प्रेम हो, तो विभिन्नताओं के बावजूद एकजुट रहा जा सकता है। यही भारत की असली पहचान है एक ऐसा राष्ट्र, जहां हर धर्म, हर संस्कृति और हर परंपरा को समान सम्मान मिलता है।

-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र
9284141425

विपक्ष कब करेगा आत्ममंथन? बिहार रास चुनाव में विपक्ष की करारी हार

लेखक-सौरभ वार्ष्णेय

बिहार की राजनीति में हाल ही में हुए राज्सभा चुनाव ने कई राजनीतिक संकेत दिए हैं। इस चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल के नेता राजद के लिए परिणाम उम्मीद के अनुरूप नहीं रहे। सीटों के गणित और राजनीतिक समीकरणों के कारण जिस तरह का परिणाम सामने आया, उसने विपक्षी राजनीति में असहजता और भीतर की पीड़ा को उजागर कर दिया। जिसे लेकर तेजस्वी यादव का दर्द छलक पड़ा? क्या विधायक इनके विश्वास पर खरे नहीं उतरे या भाजपा की रणनीति समझ नहीं पाये। इस सवाल उठ रहे है कि विपक्ष अब आत्ममंथन कब करेगा? बिहार जैसे राज्यों में तो स्थिति इतनी उलझी कि विपक्षी खेमे के कुछ विधायक मतदान के समय अनुपस्थित रहे और पूरा समीकरण बदल गया। यह घटना केवल चुनावी हार नहीं है, बल्कि विपक्ष के भीतर मौजूद कमजोरियों का संकेत भी है। राज्यसभा जैसे चुनावों में गणित स्पष्ट होता है—यहां जीत का आधार संख्या और अनुशासन होता है। लेकिन जब अपने ही विधायक अनुपस्थित हों या क्रॉस-वोटिंग की आशंका पैदा हो जाए, तो यह संगठनात्मक ढीलापन और नेतृत्व की कमजोरी को उजागर करता है। ऐसे में ५ राज्यों के चुनावों मे इसका असर पड़ेगा। इसलिए अगर विपक्ष अब भी एकजुट नहीं हुआ तो एकजुट का मतलब अपने ही विधायकों का विश्वास जीतना। राज्यसभा चुनाव सामान्यत: विधानसभा की संख्या बल पर निर्भर होते हैं, लेकिन इस बार बिहार में क्रॉस-वोटिंग और राजनीतिक रणनीतियों ने परिणाम को अलग दिशा दे दी। सत्ता पक्ष की ओर से नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले गठबंधन ने अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत दिखाई, जबकि विपक्षी खेमे में अपेक्षित एकजुटता नजर नहीं आई। यही कारण है कि परिणाम आने के बाद तेजस्वी यादव के समर्थकों में निराशा और असंतोष साफ दिखाई दिया। ज्ञात रहे कि तेजस्वी यादव पिछले कुछ वर्षों से खुद को बिहार में विपक्ष की सबसे मजबूत आवाज के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। वे युवाओं, रोजगार और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों को लगातार उठाते रहे हैं। लेकिन राज्यसभा चुनाव के इस परिणाम ने यह संकेत दिया है कि केवल जनसभाओं और राजनीतिक भाषणों से सत्ता के समीकरण नहीं बदलते; इसके लिए ठोस राजनीतिक प्रबंधन और सहयोगियों की मजबूत प्रतिबद्धता भी जरूरी होती है। इस चुनाव ने एक और सच्चाई उजागर की—बिहार की राजनीति में अभी भी संख्या बल और रणनीति का महत्व सबसे अधिक है। यदि विपक्ष अपने भीतर की कमजोरियों को दूर नहीं करता, तो सत्ताधारी गठबंधन को चुनौती देना आसान नहीं होगा। तेजस्वी यादव के लिए यह हार केवल एक सीट का नुकसान नहीं, बल्कि एक राजनीतिक संदेश भी है। यह संदेश है कि विपक्ष को संगठित होने, विधायकों के बीच भरोसा मजबूत करने और राजनीतिक रणनीति को अधिक सटीक बनाने की जरूरत है। राज्यसभा चुनावों में लगभग 37 सीटों पर मुकाबला हुआ, जिनमें कई उम्मीदवार निर्विरोध भी चुने गए, जबकि कुछ राज्यों में सीधी टक्कर देखने को मिली।इन चुनावों ने यह साफ कर दिया कि सत्ता पक्ष जहां रणनीति और एकजुटता के साथ आगे बढ़ रहा है, वहीं विपक्ष कई जगहों पर बिखरा हुआ नजर आता है। लोकतंत्र में हार-जीत का सिलसिला चलता रहता है। लेकिन यह हार विपक्ष के लिए आत्ममंथन का अवसर भी बन सकती है। यदि तेजस्वी यादव इस अनुभव से सीख लेकर अपनी राजनीतिक रणनीति को मजबूत करते हैं, तो आने वाले समय में यह पराजय ही उनकी नई राजनीतिक ताकत का आधार बन सकती है। राज्यसभा चुनाव का परिणाम केवल सीटों की हार-जीत नहीं है; यह विपक्ष के सामने खड़ा आईना भी है। सवाल यही है—क्या विपक्ष इस आईने में खुद को देखने का साहस करेगा? यदि आत्ममंथन समय रहते नहीं हुआ, तो आने वाले चुनावों में भी यही कहानी दोहराई जा सकती है।

राजनीतिक जंग के आगाज में लोकतांत्रिक मूल्य फिर दांव पर

लेखक- ललित गर्ग

भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया नहीं होते, बल्कि वे लोकतंत्र की परिपक्वता, जनविश्वास और राजनीतिक संस्कृति की परीक्षा भी होते हैं। जब किसी राज्य या क्षेत्र में चुनाव की घोषणा होती है तो स्वाभाविक रूप से राजनीतिक गतिविधियां तेज हो जाती हैं, आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता है और दल अपने-अपने एजेंडे को लेकर जनता के बीच पहुंचते हैं। किंतु इस पूरी प्रक्रिया के केंद्र में एक संस्था की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है-भारत का चुनाव आयोग। यही संस्था सुनिश्चित करती है कि चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और हिंसा-मुक्त वातावरण में संपन्न हों। इस बार असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल जैसे चार बड़े राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों की घोषणा के साथ ही देश की राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इन पांचों स्थानों की कुल 824 विधानसभा सीटों पर मतदान होना है और देश के 17.4 करोड मतदाताओं के मन एवं मानसिकता की जानकारी भी मिलेगी। पिछली बार की तुलना में इस बार मतदान कम चरणों में संपन्न कराया जा रहा है, जो प्रशासनिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण परिवर्तन माना जा सकता है। असम, केरल और पुडुचेरी में जहां 9 अप्रैल को मतदान प्रस्तावित है, वहीं तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होना है। दूसरी ओर पश्चिम बंगाल में चुनाव दो चरणों में आयोजित किए जा रहे हैं-पहले चरण में 23 अप्रैल को 152 सीटों पर और दूसरे चरण में 29 अप्रैल को 142 सीटों पर मतदान होगा। इन चुनावों की ओर पूरे देश की निगाहें लगी हुई हैं, क्योंकि इनके परिणाम केवल इन राज्यों की राजनीति ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य को भी प्रभावित कर सकते हैं। इन चुनावों का महत्व केवल राजनीतिक सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य की भी परीक्षा है। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में लंबे समय से राजनीतिक संघर्ष और टकराव की स्थिति देखने को मिलती रही है। वहां सत्तारूढ़ दल तृणमूल कांग्रेस और मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी के बीच तीखी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा है। इस प्रतिस्पर्धा के कारण कई बार चुनावी हिंसा और राजनीतिक तनाव की घटनाएं भी सामने आती रही हैं। इसलिए यह चुनाव केवल सत्ता की लड़ाई नहीं बल्कि यह भी एक कसौटी है कि क्या लोकतांत्रिक प्रक्रिया हिंसा और भय से मुक्त रहकर संपन्न हो सकती है। लोकतंत्र का मूल आधार यह है कि प्रत्येक मतदाता बिना किसी दबाव, भय या प्रलोभन के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में इस आदर्श को बनाए रखना आसान नहीं है। चुनाव आयोग के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही होती है कि चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी बनी रहे। इसके लिए आयोग को सुरक्षा बलों की तैनाती, मतदान केंद्रों की व्यवस्था, इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों की सुरक्षा और मतदाता सूची की शुद्धता जैसे अनेक पहलुओं पर लगातार निगरानी रखनी पड़ती है। इसके अतिरिक्त राजनीतिक दलों और उनके कार्यकर्ताओं के आचरण पर भी नजर रखना जरूरी होता है ताकि चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन न हो। इन चुनावों के संदर्भ में पश्चिम बंगाल विशेष चर्चा का विषय बना हुआ है। लंबे समय से वहां राजनीतिक हिंसा और टकराव की घटनाएं सामने आती रही हैं। कई विश्लेषकों का मानना है कि इस बार वहां सत्ता परिवर्तन की संभावना के कारण राजनीतिक संघर्ष और तीखा हो सकता है। सत्तारूढ़ नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करने वाली ममता बनर्जी की सरकार के सामने सत्ता बनाए रखने की चुनौती है, वहीं विपक्ष अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। इस परिस्थिति में चुनाव आयोग की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वह मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण बनाए रखे। दूसरी ओर केरल और तमिलनाडु की राजनीति भी अपने विशिष्ट स्वरूप के कारण चर्चा में रहती है। केरल में आमतौर पर सत्ता दो प्रमुख राजनीतिक मोर्चों के बीच बदलती रही है, जबकि तमिलनाडु की राजनीति क्षेत्रीय दलों के प्रभाव के लिए जानी जाती है। इन राज्यों में चुनावी प्रतिस्पर्धा तीव्र होती है, किंतु अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण वातावरण में मतदान की परंपरा भी देखने को मिलती है। असम की स्थिति भी अलग है, जहां पूर्वोत्तर भारत की राजनीति के संदर्भ में चुनाव के परिणाम महत्वपूर्ण माने जाते हैं। यदि वहां सत्तारूढ़ दल फिर से सत्ता में लौटता है तो यह क्षेत्रीय राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत माना जाएगा। हालांकि इन सभी चुनावों के संदर्भ में एक प्रश्न लगातार उठता है कि क्या राजनीतिक दल लोकतंत्र की मर्यादाओं का पालन करने के लिए पर्याप्त गंभीर हैं। चुनावी राजनीति में प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है, किंतु जब यह प्रतिस्पर्धा हिंसा, घृणा और असहिष्णुता में बदल जाती है तो लोकतंत्र की मूल भावना को चोट पहुंचती है। दुर्भाग्य से कई बार राजनीतिक दल चुनाव जीतने की होड़ में लोकतांत्रिक शालीनता को नजरअंदाज कर देते हैं। आरोप-प्रत्यारोप, व्यक्तिगत हमले और हिंसक घटनाएं इस प्रवृत्ति के उदाहरण हैं। इस स्थिति में यह केवल चुनाव आयोग की जिम्मेदारी नहीं रह जाती कि वह चुनाव को निष्पक्ष बनाए। राजनीतिक दलों और उनके नेताओं की भी उतनी ही जिम्मेदारी है कि वे लोकतंत्र की गरिमा को बनाए रखें। यदि दल स्वयं ही आचार संहिता का सम्मान करें और अपने कार्यकर्ताओं को संयमित आचरण के लिए प्रेरित करें तो चुनावी प्रक्रिया कहीं अधिक स्वस्थ और सकारात्मक बन सकती है। लोकतंत्र की सफलता केवल संस्थाओं पर निर्भर नहीं करती, बल्कि राजनीतिक संस्कृति और सामाजिक चेतना पर भी निर्भर करती है। इसके साथ ही मतदाताओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र में अंतिम निर्णय जनता के हाथ में होता है। यदि मतदाता जागरूक और सजग हों तो वे ऐसे नेताओं और दलों को प्रोत्साहित करेंगे जो लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करते हैं। मतदाताओं को यह समझना होगा कि उनका वोट केवल एक राजनीतिक विकल्प नहीं बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की दिशा तय करने वाला निर्णय भी है। इन पांच क्षेत्रों में होने वाले चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे यह संदेश देंगे कि भारत का लोकतंत्र किस दिशा में आगे बढ़ रहा है। यदि ये चुनाव शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न होते हैं तो यह न केवल देश के लिए बल्कि दुनिया के लिए भी एक सकारात्मक उदाहरण होगा। भारत को अक्सर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में देखा जाता है, इसलिए यहां होने वाली चुनावी प्रक्रिया पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी नजर रहती है। निश्चित तसौर पर यह कहा जा सकता है कि चुनाव केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का मंच नहीं हैं, बल्कि वे लोकतंत्र के मूल्यों की परीक्षा भी हैं। असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में होने वाले चुनाव इस दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। यदि इन चुनावों में राजनीतिक दल संयम और जिम्मेदारी का परिचय दें, चुनाव आयोग अपनी निष्पक्षता और दृढ़ता बनाए रखे तथा मतदाता जागरूकता के साथ मतदान करें, तो यह लोकतंत्र की शक्ति को और अधिक सुदृढ़ करेगा।

बुलेट ट्रेन की परियोजना में लगे पंख

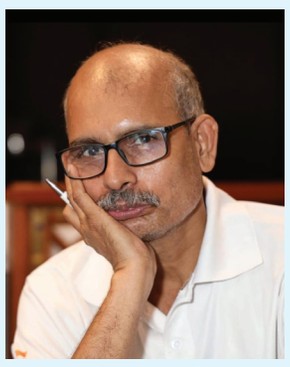

लेखक : -बिनोद कुमार सिंह स्वतंत्र पत्रकार व स्तम्भकार

भारत आज एक ऐसे दौर से गुजर रहा है,जहाँ विकास की परिभाषा केवल सड़कों,पुलों और भवनों तक सीमित नहीं रही,बल्कि वह गति, समन्वय और सुविधा के समग्र अनुभव में परिवर्तित हो चुकी है। प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के मिशन मोड़ व अश्वनी वैष्णव के विजन में इसी बदलती सोच का सबसे सशक्त प्रतीक बनकर उभरी है। इसका प्रत्यक्ष प्रमाण बुलेट ट्रेन की परियोजना में पंख लग गए है।सर्व विदित रहे कि देश की बहुप्रतीक्षित बुलेट ट्रेन परियोजना,जो केवल एक तेज रफ्तार रेल सेवा नहीं,बल्कि आधुनिक शहरी जीवन शैली का आधार बनने की दिशा में अग्रसर है।आपको बता दें कि बुलेट ट्रेन स्टेशनों को जिस दृष्टिकोण से विकसित किया जा रहा है,वह अपने आप में एक नई अवधारणा को जन्म देता है।अब स्टेशन केवल यात्रा के प्रारंभ और अंत का स्थान नहीं रहेंगे,बल्कि वे शहर की परिवहन व्यवस्था के साथ एकीकृत होकर आधुनिक शहरी नेटवर्क का महत्वपूर्ण हिस्सा बनेंगे।मल्टी- मॉडल इंटीग्रेशन (एमएमआई) की यह अवधारणा यात्रियों को बिना किसी व्यवधान के एक परिवहन माध्यम से दूसरे माध्यम में सहज रूप से स्थानांतरित होने की सुविधा प्रदान करेगी।इस योजना के तहत स्टेशन परिसर और उसके आसपास के क्षेत्रों का व्यापक विकास किया जा रहा है।बस,टैक्सी,निजी वाहन और अन्य सार्वजनिक परिवहन साधनों को एक ही स्थान पर सुव्यवस्थित ढंग से जोड़ने का प्रयास,भारतीय शहरों की लंबे समय से चली आ रही परिवहन अव्यवस्था को दूर करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। यह केवल यात्रा को आसान नहीं बनाएगा, बल्कि समय की बचत,ईंधन की खपत में कमी और पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा।सुत्रो के अनुसार स्टेशन प्लाज़ा को जिस प्रकार से डिजाइन किया जा रहा है,वह आधुनिक शहरी सौंदर्य और कार्यकुशलता का अद्भुत संगम प्रस्तुत करता है। यहाँ के चौड़े और सुरक्षित फुटपाथ, सुव्यवस्थित पिकअप एवं ड्रॉप ऑफ जोन,पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था, उन्नत संकेत प्रणाली,आधुनिक स्ट्रीट लाइटिंग और सीसीटीवी आधारित सुरक्षा व्यवस्था - ये सभी सुविधाएँ मिलकर यात्रियों को एक सुरक्षित,सुविधाजनक और विश्वस्तरीय अनुभव प्रदान करेंगी। साथ ही,लैंडस्केपिंग और वृक्षारोपण के माध्यम से इन क्षेत्रों को हरित और पर्यावरण अनुकूल बनाने का प्रयास भी सराहनीय है। यदि हम इस परियोजना की प्रगति पर दृष्टि डालें,तो स्पष्ट होता है कि यह केवल कागजों तक सीमित योजना नहीं,बल्कि धरातल पर तेजी से आकार लेती हुई वास्तविकता है।सूरत बुलेट ट्रेन स्टेशन पर स्टील स्ट्रक्चर और रूफ शीटिंग का कार्य पूर्ण हो चुका है और अब फिनिशिंग कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है।प्लेटफॉर्म और कॉन्कोर्स क्षेत्र में फ्लोरिंग,क्लैडिंग और अन्य आंतरिक कार्यों की प्रगति इस बात का संकेत देती है कि यह स्टेशन शीघ्र ही अपनी अंतिम रूपरेखा में दिखाई देगा। बिलिमोरा स्टेशन पर भी निर्माण कार्य उल्लेखनीय गति से आगे बढ़ रहा है।रेल और प्लेटफॉर्म स्तर की स्लैब कास्टिंग पूरी हो चुकी है और संरचनात्मक स्टील का कार्य भी समाप्त हो गया है।अब आर्किटेक्चरल फिनिशिंग और एमईपी कार्यों के माध्यम से इसे आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है।आणंद स्टेशन की प्रगति विशेष रूप से उल्लेखनीय है।यहाँ न केवल स्लैब कास्टिंग और रूफ संरचना का कार्य पूरा हो चुका है,बल्कि लिफ्ट और एस्केलेटर भी स्थापित किए जा चुके हैं।यह दर्शाता है कि यात्रियों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए इस परियोजना को किस गंभीरता से क्रियान्वित किया जा रहा है। वडोदरा,भरूच और वापी स्टेशनों पर भी निर्माण कार्य विभिन्न चरणों में प्रगति पर है।कहीं स्लैब कास्टिंग पूरी हो चुकी है,तो कहीं संरचनात्मक स्टील का कार्य जारी है।यह समग्र प्रगति इस बात का प्रमाण है कि देश की यह महत्वाकांक्षी परियोजना योजनाबद्ध ढंग से आगे बढ़ रही है।इस पूरे प्रयास के पीछे केवल तेज गति से यात्रा कराने का उद्देश्य नहीं है, बल्कि एक ऐसे परिवहन तंत्र का निर्माण करना है जो टिकाऊ, समावेशी और भविष्य के अनुरूप हो। जब विभिन्न परिवहन साधनों को एकीकृत किया जाता है,तो वह केवल सुविधा ही नहीं बढ़ाता, बल्कि शहरों के समग्र विकास को भी गति देता है।आज के इस युग मे जब महानगरों में ट्रैफिक जाम, प्रदूषण और अव्यवस्थित परिवहन बड़ी चुनौतियाँ बन चुकी हैं,ऐसे में बुलेट ट्रेन परियोजना एक आशा की किरण के रूप में सामने आती है। यह न केवल यात्रियों को तेज और सुरक्षित यात्रा का विकल्प प्रदान करेगी,बल्कि शहरी नियोजन के नए मानक भी स्थापित करेगी। संक्षेप में कह सकते है कि बुलेट ट्रेन परियोजना केवल एक परिवहन योजना नहीं,बल्कि आधुनिक भारत के सपनों का साकार रूप है। यह उस भारत की झलक प्रस्तुत करती है जो तेज,संगठित,पर्यावरण के प्रति संवेदनशील और भविष्य के लिए तैयार है।आने वाले वर्षों में जब ये स्टेशन पूरी तरह से विकसित होकर कार्य करने लगेंगे,तब वे केवल यात्रा के केंद्र नहीं,बल्कि आधुनिक जीवन के प्रतीक बनकर उभरेंगे।बुलेट ट्रेन आधुनिक भारत के निर्माण को गति,शहरी विकास की नई दिशा देगी*

क्रिकेटर कुलदीप यादव का लखनऊ में रिसेप्शन में जडेजा-यशस्वी, धवन पहुंचे

- जय शाह, कोहली-धोनी समेत 900 मेहमानों होंगे शामिल

लखनऊ (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव का मंगलवार को लखनऊ में रिसेप्शन हुआ। इसमें आईसीसी चेयरमैन जय शाह, टीम इंडिया के कोच गौतम गंभीर, महेंद्र सिंह धोनी, विराट कोहली, शिखर धवन, रवींद्र जडेजा समेत 900 से ज्यादा मेहमानों के शामिल होंगे। वीवीआईपी मेहमानों के लिए 4 चार्टर्ड प्लेन का इंतजाम किया गया है। राजनीति, उद्योग और मनोरंजन जगत की कई बड़ी हस्तियां भी रिसेप्शन में शामिल हो सकती हैं। परिवार के करीबियों ने बताया कि रिसेप्शन में कुलदीप की आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स के खिलाड़ी, बीसीसीआई और आईसीसी से जुड़े अधिकारी भी शामिल हो सकते हैं। पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन, क्रिकेटर रविंद्र जेडजा और यशस्वी जायसवाल लखनऊ आ गए हैं। सूत्रों के मुताबिक, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, सपा प्रमुख अखिलेश यादव समेत कई वीवीआईपी मेहमानों को निमंत्रण दिया गया है। कुलदीप ने 14 मार्च को बचपन की दोस्त वंशिका सिंह के साथ शादी की थी। उत्तराखंड के मसूरी में परिवार और करीबी लोगों की मौजूदगी में शादी हुई थी।

केकेआर के हर्षित राणा आईपीएल 2026 से बाहर

- पथिराना भी चोटिल, टीम दोनों का रिप्लेसमेंट नहीं लेगी; रहमान की जगह मुजरबानी को चुना

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के तेज गेंदबाज हर्षित राणा आईपीएल 2026 से बाहर हो गए हैं। वे एक दिन पहले 15 मार्च को दिल्ली में बीसीसीआई के नमन अवॉर्ड में छड़ी के सहारे चलते नजर आए थे। क्रिकेट वेबसाइट क्रिकबज ने लिखा कि हर्षित इस सीजन में नहीं खेलेंगे। उनके अलावा, श्रीलंका के मथीश पथिराना भी चोटिल हैं। दोनों गेंदबाज टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान अपनी-अपनी टीम से खेलते हुए चोटिल हुए थे। केकेआर ने दोनों गेंदबाजों के रिप्लेसमेंट नहीं लेने का फैसला किया है। मैनेजमेंट का मानना है कि टीम के पास पहले से पर्याप्त तेज गेंदबाजी विकल्प मौजूद हैं। इसमें वैभव अरोड़ा, उमरान मलिक, कार्तिक त्यागी और आकाश दीप शामिल हैं।

प्रैक्टिस मैच में चोट लगी

हर्षित राणा घुटने की चोट के कारण भारत की टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गए थे। उन्हें साउथ अफ्रीका के खिलाफ अभ्यास मैच में चोट लगी थी। इसके बाद उनकी सर्जरी हुई। उन्हें पूरी तरह फिट होने में समय लगेगा। राणा ने आईपीएल 2024 में 19 और 2025 में 15 विकेट लिए थे। केकेआर को पथिराना के फिट होने की उम्मीद श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना भी चोट के कारण फिलहाल उपलब्ध नहीं हैं। हालांकि केकेआर उन्हें रिप्लेस नहीं करना चाहती क्योंकि फ्रेंचाइजी को उम्मीद है कि वे आईपीएल के दौरान किसी समय टीम से जुड़ सकते हैं। केकेआर ने मेगा ऑक्शन में पथिराना को 18 करोड़ रुपए में खरीदा था। सोमवार को उनके मैनेजर ने केकेआर जर्सी में उनकी तस्वीर साझा की, जिससे उनके टूर्नामेंट में खेलने की उम्मीद बढ़ गई है।
16 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना के बाएं पैर की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था।

करोड़ों में बिके हैं ये स्टार

आईपीएल में इन खिलाड़ियों पर रहेगी सबकी नजर

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 का आगाज 28 मार्च से होने जा रहा है और इस बार कई ऐसे खिलाड़ी हैं जिन पर सभी की नजरें टिकी रहेंगी। ऑक्शन में कुछ खिलाड़ियों पर फ्रेंचाइज़ियों ने करोड़ों की बोली लगाई है, जिससे उनकी जिम्मेदारी और भी बढ़ गई है। ये खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से टीम को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

कैमरून ग्रीन

- **केकेआर का महंगा दांव-** कोलकाता नाइट राइडर्स ने कैमरून ग्रीन को 25.20 करोड़ रुपये में खरीदकर बड़ा निवेश किया है। वह एक बेहतरीन टॉप ऑर्डर बल्लेबाज हैं, जो जरूरत पड़ने पर गेंदबाजी भी कर सकते हैं। केकेआर उन्हें एक मैच विनर के तौर पर देख रही है, जो अकेले दम पर गेम बदल सकते हैं।

पथिराना

- **केकेआर का डेथ ओवर स्पेशलिस्ट-** मथेशा पथिराना को केकेआर ने 18 करोड़ रुपये में खरीदा, जो उनकी गेंदबाजी क्षमता को दर्शाता है। वह खासकर डेथ ओवर्स में अपनी यॉर्कर और अनोखे एक्शन के लिए जाने जाते हैं। उनका प्रदर्शन केकेआर की गेंदबाजी को मजबूत बनाएगा।

प्रशांत वीर सीएसके

- **उभरता ऑलराउंडर-** चेन्नई सुपर किंग्स ने प्रशांत वीर को 14.20 करोड़ रुपये में खरीदकर सबको चौंका दिया। कम बेस प्राइस के बावजूद इतनी बड़ी रकम मिलने से उनकी प्रतिभा साफ झलकती है। वह एक ऑलराउंडर के रूप में टीम को बैलेंस देते हैं और सीएसके उन्हें भविष्य के स्टार के रूप में देख रही है।

आकिब नबी

दिल्ली कैपिटल्स की नई उम्मीद- दिल्ली कैपिटल्स ने आकिब नबी पर 8.40 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। वह एक ऑलराउंडर हैं, जो गेंद और बल्ले दोनों से प्रभाव डाल सकते हैं। नबी की खासियत उनकी आक्रामक बल्लेबाजी और उपयोगी गेंदबाजी है। डीसी को उनसे मिडिल ओवर्स में गेम बदलने की उम्मीद होगी।

जेसन होल्डर

जीटी का अनुभवी हथियार- गुजरात टाइटंस ने जेसन होल्डर को 7 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा है। वह एक अनुभवी ऑलराउंडर हैं, जिनके पास अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट

का बड़ा अनुभव है। उनकी गेंदबाजी और निचले क्रम की बल्लेबाजी लंबे के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है।

कूपर कॉनोली -पीबीकेएस का युवा दांव

पंजाब किंग्स ने कूपर कॉनोली को 3 करोड़ रुपये में खरीदा है। वह एक युवा ऑलराउंडर हैं, जिनमें भविष्य का बड़ा खिलाड़ी बनने की क्षमता है। कॉनोली अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और उपयोगी स्पिन गेंदबाजी से टीम को मजबूती दे सकते हैं। पीबीकेएस उन्हें एक लंबे समय के निवेश के रूप में देख रही है।

ईशान कर सकते हैं SRH की कप्तानी

- कमिंस बैक इंजरी के कारण शुरुआती मैचों से बाहर; झारखंड को पहली बार सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी दिलाई

हैदराबाद (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद के नियमित कप्तान पैट कमिंस की गैरमौजूदगी में विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन आईपीएल 2026 की शुरुआत में टीम की कप्तानी कर सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक कमिंस अभी बैक इंजरी से उबर रहे हैं और यह साफ नहीं है कि वे कब टीम से जुड़ेंगे। कमिंस को यह चोट 2025-26 एशेज सीरीज से पहले लगी थी। शुरुआत में माना जा रहा था कि वे पूरी सीरीज मिस करेंगे,लेकिन उन्होंने एक टेस्ट खेला और फिर दोबारा टीम से बाहर हो गए।हालांकि, ईशान को शुरुआती मैचों की कप्तानी सौंपे जाने को लेकर फ्रेंचाइजी की ओर से अभी कुछ नहीं कहा गया है।

- **ईशान किशन के पक्ष में गया कप्तानी का अनुभव-** ईशान किशन ने अपनी कप्तानी में झारखंड को पहली बार सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का खिताब दिलाया है। कप्तानी के साथ-साथ ईशान बल्ले से भी बेहतर प्रदर्शन किया। उन्होंने उस टूर्नामेंट में 197.33 की स्ट्राइक रेट से सबसे ज्यादा 517 रन बनाए थे। इसी अनुभव के दम पर वे कप्तानी की रेस में अभिषेक शर्मा से आगे हैं। पिछले आईपीएल सीजन में ईशान का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा था। उन्होंने टीम के लिए पहले मैच में शतक लगाया था।

नंगे पैर खेलने से 'गोल ऑफ द टूर्नामेंट' तक

- एशियन कप फुटबॉल में 30 गज से गोल दागकर चर्चा में आईं पंजाब की मनीषा कल्याण

सिडनी (एजेंसी)। 2026 विमंस एशियन कप के मैच में भारतीय टीम चीनी ताइपे से 1-0 से पीछे थी। 39वें मिनट में भारत को गोल से 30 गज की दूरी पर फ्री-किक मिली। सामने सफेद जर्सी में चार डिफेंडर दीवार बनकर खड़ी थीं। ऐसे में 24 वर्षीय मनीषा कल्याण एक पल के लिए रुकीं और अपने बाएं पैर से एक ऐसा करारा शॉट दागा कि गेंद क्रॉसबार के निचले हिस्से से टकराकर सीधे गोल लाइन के पार चली गई। वीएआर ने गोल की पुष्टि की और कमेंटेटर ने इसे देखते ही 'गोल ऑफ द टूर्नामेंट' करार दिया। भले ही भारतीय टीम यह मैच 1-3 से हारकर ग्रुप में सबसे नीचे रही, लेकिन पंजाब के होशियारपुर की इस बेटी ने दुनिया को भारतीय फुटबॉल की एक उजली तस्वीर जरूर दिखा दी।

यह सिर्फ एक गोल की नहीं, बल्कि उस लड़की की कहानी है जिसके नसीब में कभी खेल के जूते नहीं थे। आठ साल पहले पंजाब के मुग्गोवाल गांव के एक सरकारी स्कूल में पीटी टीचर ब्रह्मजीत सिंह

ने एक लड़की को लड़कों के साथ नंगे पैर खेलते देखा। वह बेखौफ गोल दाग रही थी। मनीषा के पिता नरेंद्रपाल सिंह की गांव में एक छोटी सी कॉस्मेटिक की दुकान थी। वह अपनी चार बेटियों को सिर्फ पढ़ाना चाहते थे; उनके पास स्पोर्ट्स शूज और ट्रेनिंग के पैसे नहीं थे।

व्यापार

सोने-चांदी को लेकर क्या करें निवेशक सोने की कीमतों में तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। मंगलवार को घरेलू वायदा बाजार में सोने की कीमतों में तेजी देखी गई। अमेरिका-ईरान युद्ध से बढ़े भू-राजनीतिक जोखिमों और डॉलर में आई उतार-चढ़ाव ने इस कीमती धातु की मांग को बढ़ा दिया है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के अप्रैल वायदा अनुबंध में आधे प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई और यह 1,56,740 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं, चांदी के मई वायदा में भी मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 1 प्रतिशत से अधिक की छलांग लगी और यह 2,59,569 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गया। सिंगापुर में सुबह स्पॉट गोल्ड 5,005.54 डॉलर प्रति औंस पर लगभग स्थिर रहा। चांदी 0.1 प्रतिशत बढ़कर 80.90 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। पिछले सत्र में इसमें 0.3 प्रतिशत की गिरावट आई थी। वहीं, तेल की कीमतों में सोमवार को गिरावट के बाद मंगलवार को तेजी देखी गई। इस साल सोने की कीमतों में अब तक करीब 16 प्रतिशत की तेजी आई है। कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई हैं, जिससे निवेशक महंगाई बढ़ने और आर्थिक विकास पर असर पड़ने की आशंका को लेकर चिंतित हैं। तेल की ऊंची कीमतें सीधे तौर पर महंगाई बढ़ाने का काम करती हैं, जिससे सोना एक बेहतर विकल्प के रूप में उभरता है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की 18 मार्च को होने वाली नीतिगत बैठक से पहले अमेरिकी डॉलर में उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। बदलती भू-राजनीतिक स्थितियों के बीच उम्मीद जताई जा रही है कि अमेरिकी फेड इस बार ब्याज दरों में बदलाव नहीं करेगा।

31 मार्च तक निपटा लें 7 जरूरी काम, वरना डेड लाइन चूकने पर होगा बहुत नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। मार्च तक कई वित्तीय काम निपटाने जरूरी हैं। इस डेड लाइन को चूकने पर बड़े आर्थिक झटके का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा पीपीएफ, इन्वेस्टमेंट प्रूफ जमा कराने, संशोधित इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने जैसे महत्वपूर्ण कार्य निपटाना भी जरूरी है।

31 मार्च तक कई वित्तीय काम निपटाने जरूरी हैं। इस डेड लाइन को चूकने पर बड़े आर्थिक झटके का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा पीपीएफ, निवेश के प्रूफ जमा कराने, संशोधित इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने जैसे महत्वपूर्ण कार्य निपटाना भी जरूरी है। वर्तमान में दो प्रकार की टैक्स रिजीम काम कर रही हैं-पुरानी और नई इनकम टैक्स व्यवस्था। अगर टैक्सपेयर या संयुक्त हिन्दु परिवार यानी एचयूएफ पुरानी इनकम टैक्स व्यवस्था चुनता है तो वह इनकम टैक्स अधिनियम के तहत अलग-अलग धाराओं जैसे 80सी, 80डी, 80टीटीबी, 80ई, 80जी आदि के अंतर्गत विभिन्न कटौतियों

का फायदा लेकर अपनी टैक्स देनदारी घटा सकता है। पुरानी इनकम टैक्स व्यवस्था चुनने वालों के लिए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 31 मार्च से पहले कर से जुड़ी बचत और निवेश का काम पूरा करना जरूरी है। पीपीएफ और सुकन्या समृद्धि योजना खाते को सक्रिय रखने के लिए वित्त वर्ष में निश्चित न्यूनतम राशि जमा करना अनिवार्य है। पीपीएफ के लिए न्यूनतम राशि 500 रुपये और सुकन्या समृद्धि खाते के लिए 250 रुपये है। 12 महीने में एक बार यह राशि जमा करना जरूरी होता है। जिन कर्मचारियों ने अपने दफ्तर में वित्त वर्ष की शुरुआत में कर बचाने वाले निवेश की जानकारी दी थी, उन्हें नियत तारीख से पहले नियोक्ता को उससे जुड़े दस्तावेजी साक्ष्य जमा करने होंगे। इससे चूकने पर नियोक्ता वेतन से ज्यादा टीडीएस कटौती कर सकता है। जिन लोगों ने होम लोन लिया है, उन्हें अपने बैंक से स्टेटमेंट या ब्याज का प्रमाणपत्र डाउनलोड कर लेना चाहिए। इनकम टैक्स कानून के तहत, करदाता होम लोन के ब्याज पर दो लाख रुपये तक की कटौती का दावा कर सकते हैं।

शार्क अनुपम मित्तल के निवेश वाली कंपनी का आएगा आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी। मार्केट को रेगुलेट करने वाली संस्था सेबी ने तीन कंपनियों को आईपीओ लाने की मंजूरी दे दी है। इन तीन कंपनियों एक भी है। इस कंपनी में गोल्डमैन स्कैस और शार्क अनुपम मित्तल की कंपनी शादी डॉट कॉम ने पैसा लगाया है। मार्केट को रेगुलेट करने वाली संस्था सेबी ने तीन कंपनियों को आईपीओ लाने की मंजूरी दे दी है। इस कंपनी में गोल्डमैन स्कैस और शार्क अनुपम मित्तल की कंपनी शादी डॉट कॉम ने पैसा लगाया है। बता दें, तीन ऐसी कंपनियां भी हैं जिन्होंने बाजार की मौजूदा स्थिति को देखने हुए आईपीओ को वापस लेने का फैसला किया है। इकनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार इस कंपनी के आईपीओ पर निवेशकों की निगाह रहेगी। कंपनी फ्रेश इश्यू के जरिए 250 करोड़ रुपये जुटाती हुई नजर आ सकती है। वहीं, कंपनी के मौजूदा प्रमोटर्स आईपीओ के जरिए 26.85 करोड़ शेयर बेचने की तैयारी में हैं। ऑफर फार सेल के जरिए प्रमोटर्स वैभव अग्रवाल और आदर्श मनपुरिया अपने हिस्से के शेयरों को बेच रहे हैं। इसके अलावा अनुपम मित्तल, अपने हिस्सेदारी के शेयर बेचते नजर आएंगे। आईपीओ लाने की मंजूरी सेबी ने दे दी है।

युद्ध का असर: संकट में भारतीय एयरलाइंस और हल्की हो रही हवाई यात्रियों की जेब

भारतीय एयरलाइंस का भविष्य खाड़ी देशों पर अत्यधिक निर्भर है

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू विमान उद्योग पहले से ही भारत-पाक संघर्ष, एयर इंडिया विमान दुर्घटना और इंडिगो की उड़ानें रद्द होने के संकट से जूझ रहा था। अब पश्चिम एशिया में जारी युद्ध भारतीय एयरलाइंस को बड़े घाटे की ओर ले जा रहा है। भारतीय एयरलाइंस का भविष्य खाड़ी देशों पर अत्यधिक निर्भर है, क्योंकि भारत के कुल अंतरराष्ट्रीय यात्री यातायात का 51 प्रतिशत हिस्सा सिर्फ खाड़ी देशों (बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और यूएई) से आता है। पेश है भारतीय एयरलाइंस की मुश्किलों पर पड़ने वाले प्रभावों पर मंजुल पॉल की रिपोर्ट। तनाव और संघर्ष का असर हवाई यात्रियों की जेब पर दिखने लगा है। इंडिगो, एयर इंडिया और अकासा एयर ने पहले 199 से 2,300 रुपये तक की बढ़ोतरी की घोषणा कर दी है। पाकिस्तान का हवाई क्षेत्र पहले से ही बंद है। ऐसे में पश्चिम एशिया के वैकल्पिक रास्तों में बाधा आने से यात्रा का समय और ईंधन की लागत दोनों बढ़ गए हैं। रेटिंग एजेंसी इक्रा लिमिटेड की सीनियर वाइस प्रेसिडेंट किंजल शाह ने बताया कि पश्चिम एशिया के लिए होने वाला परिचालन भारतीय विमानन उद्योग के कुल राजस्व का 15-20 फीसदी हिस्सा है। आंकड़ों से पता चलता है कि मुख्य भारतीय एयरलाइंस को वित्त वर्ष 2025 में कुल 4,600 करोड़ का नुकसान हुआ। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान स्थिति और भी खराब थी, जब एयरलाइंस को मुख्य रूप से एटीएफ की ऊंची कीमतों और रुपये के अवमूल्यन के कारण लगभग 20 हजार करोड़ का भारी नुकसान हुआ था। वर्ष 2025 में भारत के अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्री यातायात का विवरण (प्रतिशत में) खाड़ी देश - 51 फीसदी अन्य 48 प्रतिशत तीन देश - 1 फीसदी (इसमें अजरबैजान, जॉर्डन और तुर्किये शामिल) टॉप-7 अंतरराष्ट्रीय रूट में पांच संघर्षरत गत 14-28 मार्च के दौरान 3,288 अंतराष्ट्रीय विमानों के

शेड्यूल विश्लेषण से पता चलता है कि इंडियन एयरलाइंस के अंतरराष्ट्रीय बिजनेस पर बहुत ज्यादा दबाव है। शीर्ष सात इंटरनेशनल रूट में से पांच दुबई, अबू धाबी और शारजाह, दोहा और जेद्दा संघर्षग्रस्त हैं। इन्हीं रूट पर इंडियन एयरलाइंस की 1,303 फ्लाइट्स या कुल इंटरनेशनल फ्लाइट्स का 40 फीसदी हिस्सा ऑपरेट होता है। एयरलाइन-वार एनालिसिस से पता चलता है कि एयर इंडिया एक्सप्रेस, अकासा एयर और स्पाइसजेट की लगभग 90 फीसदी फ्लाइट्स पश्चिम एशिया से आने-जाने के लिए शेड्यूल थीं, जबकि एयर इंडिया और इंडिगो के लिए यह हिस्सा 22-51 फीसदी था। पिछले साल 11 दिसंबर को संसद में शीर्ष पांच सरकारी और निजी एयरलाइंस के बारे में साझा डेटा से पता चलता है कि मुख्य भारतीय एयरलाइंस (एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस, अकासा एयर, इंडिगो और स्पाइसजेट) को वित्त वर्ष 2025 में कुल 4,600 करोड़ का नुकसान हुआ। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान स्थिति और भी खराब थी। जब एयरलाइंस को मुख्य रूप से एटीएफ की ऊंची कीमतों और रुपये के अवमूल्यन के कारण लगभग 20 हजार करोड़ का भारी नुकसान हुआ था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)